हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● बुधवार ● 29.07.2026 ● वर्ष : 17 ● अंक : 08 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एंटी पेपर लीक बिल पर संसद में चर्चा, जितेन्द्र सिंह ने कहा- 'छात्रों के हित की रक्षा सरकार की प्राथमिकता'

एजेंसी

नयी दिल्ली : लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर के बयान पर समाजवादी पार्टी के सांसदों ने जोरदार हंगामा किया। अनुराग ठाकुर के आरोपों के बाद सपा सांसद वेल में पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। उस समय पीठासीन सभापति कृष्ण प्रसाद तेनेटी ने सपा सांसदों से अपनी सीटों पर लौटने की अपील की और भरोसा दिलाया कि उनके मुद्दे पर विचार किया जाएगा। वहीं, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया कि सपा सदन के नियमों का उल्लंघन कर रही है।

हंगामे के बीच अनुराग ठाकुर ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा न तो नियम बनाती है और न ही उनका पालन करती है। उन्होंने दावा किया कि आयोग को चार बार अपने फैसले बदलने पड़े और वर्ष 2012 की परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं जला दी गई थीं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में समाजवादी पार्टी से आरटीआई के जरिए जवाब मांगा जा सकता है। अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर भी हमला बोलते हुए कहा कि पेपर लीक की घटनाओं के बाद अब वही लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने अपने संबोधन में यूपीए सरकार के दौरान हुई कथित पेपर लीक की घटनाओं और अपने राजनीतिक संघर्ष का भी उल्लेख किया।

भाजपा सांसद ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर भी निशाना साधते हुए कहा कि दोनों नेता खुद का मजाक बनवा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अखिलेश यादव पहले नकल को लेकर हल्के बयान देते थे। ठाकुर ने कहा कि यदि समाजवादी पार्टी दोबारा सत्ता में आई तो फिर पेपर लीक होंगे और युवाओं के साथ अन्याय होगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए लगातार कदम उठा रही है।

अनुराग ठाकुर ने सदन में कहा कि हमारी सरकार युवाओं के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे प्रधानमंत्री युवाओं में लोकप्रिय है। वो युवाओं के हित में काम करते हैं। इसीलिए हम आज युवाओं के लिए चर्चा कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी न तो नियम बनाती है और न ही उनका पालन करती है। ठाकुर ने दावा किया कि चार ऐसे मामले हुए, जिनमें आयोग को अपने फैसले बदलने पड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि 2012 की परीक्षा की सभी उत्तर पुस्तिकाएं जला दी गई थीं और इस बारे में समाजवादी पार्टी से आरटीआई के जरिए जानकारी मांगी जा सकती है। अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर भी हमला करते हुए कहा कि पेपर लीक की घटनाओं के बाद अब वही लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

शिक्षा व्यवस्था और सार्वजनिक परीक्षाओं से जुड़े मुद्दे पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने सरकारी शिक्षा व्यवस्था को कमजोर किया है और इसका सबसे ज्यादा असर गरीब परिवारों के बच्चों पर पड़ रहा है। वेणुगोपाल ने कहा कि एक समय सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियां मजबूत मानी जाती थीं, लेकिन आज सरकार ने उन्हें कमजोर कर दिया है और उनका इस्तेमाल केवल विपक्षी नेताओं के खिलाफ किया जा रहा है।

केवल समिति बनाने से नहीं आएगा शिक्षा क्षेत्र में बदलाव : प्रियंका गांधी

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि शिक्षा क्षेत्र में बदलाव के लिए केवल नई-नई कमेटियां बनाने से काम नहीं चलेगा। राधाकृष्ण कमेटी भी व्यवस्था में सुधार लाने के लिए बनी थी लेकिन आज तक उसकी एक सिफारिश लागू नहीं हुई है। प्रियंका ने कहा कि सरकार को ठोस प्रयास करने चाहिए। संसद में विपक्ष को दोषी ठहराने और राजनीति से काम नहीं चलेगा। 'जेन जी' का भरोसा वापस जीतने के लिए सोच की दिशा बदलनी होगी। उन्होंने कहा, 'देश के नौजवान न्याय मांग रहे हैं, भीख नहीं। वे यहां सरकार गिराने नहीं अपना भरोसा बचाने के लिए आए थे।'

संशोधन विधेयक शिक्षा व्यवस्था की विफलता छिपाने का प्रयास : गोगोई

लोकसभा में मंगलवार को पेपर लीक के दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई से जुड़े विधेयक पर विपक्ष की ओर से चर्चा की शुरूआत कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने की। सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार करने के बजाय केवल कानूनों में संशोधन कर रही है। ऐसे में विपक्ष छात्रों की मांगों और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था के पक्ष में खड़ा रहेगा।

दुष्कर्मियों का बचाव करने वाले को बनाया शिक्षा मंत्री : राहुल

केंद्र सरकार में नए शिक्षा मंत्री की नियुक्ति को लेकर कांग्रेस ने मंगलवार को तीखा हमला बोला। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नए शिक्षा मंत्री को लेकर प्रधानमंत्री के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि मंत्रिमंडल में कई लोग थे, लेकिन प्रधानमंत्री ने ऐसे व्यक्ति को चुना, जो उनके अनुसार दुष्कर्म के आरोपियों का बचाव करने वाला है। राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति गलत संदेश देती है।

परिवहन विभाग एवं टाटा मोटर्स के एमओयू हस्ताक्षर समारोह में हुए शामिल मुख्यमंत्री

महिलाओं को परिवहन क्षेत्र में सशक्त बनाने को लेकर सरकार वचनबद्ध : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में परिवहन विभाग एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड के मध्य इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च, जमशेदपुर की स्थापना हेतु आयोजित समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य में सुरक्षित, कुशल एवं आधुनिक परिवहन व्यवस्था के विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण ड्राइविंग प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। आईडीटीआर की स्थापना से युवाओं को आधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़ेगी तथा राज्य में सड़क सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी। उनके अनुसार, राज्य सरकार कौशल विकास, रोजगार सृजन एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से निरंतर प्रभावी पहल कर रही है। टाटा मोटर्स लिमिटेड के सहयोग से स्थापित होने वाला यह संस्थान प्रशिक्षित एवं दक्ष चालकों के निर्माण के साथ परिवहन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र बनेगा।

इससे ड्राइविंग प्रशिक्षण की गुणवत्ता को नई दिशा मिलेगी तथा आधुनिक सुविधाओं और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों के लाभुकों से सीधा संवाद कर ड्राइविंग लाइसेंस एवं लर्निंग लाइसेंस की प्रक्रिया की जमीनी स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने आवेदन की समयावधि, वाहन श्रेणी तथा लाइसेंस प्राप्ति में आने वाली संभावित कठिनाइयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी आवेदक को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने विशेष रूप से हेवी व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस एवं लर्निंग लाइसेंस की प्रक्रिया को अधिक सरल, सुगम एवं पारदर्शी बनाने पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिला एवं पुरुष दोनों को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए दृढ़तापूर्वक प्रतिबद्ध है। परिवहन क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

इस अवसर पर मंत्री दीपक बिरुआ, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, सचिव राजीव रंजन, परिवहन आयुक्त संजीव कुमार बेसरा, टाटा मोटर्स के प्लांट हेड अनुराग छारिया, टाटा मोटर्स के जनरल मैनेजर गोलम मंडल सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया होगी सरल और पारदर्शी

मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया जितनी सरल, सुलभ एवं पारदर्शी होगी, उतना ही आम नागरिकों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में लोग परिवहन क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, इसलिए सभी चालकों के पास वैध एवं मान्यता प्राप्त ड्राइविंग लाइसेंस होना आवश्यक है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि आज राज्य के 10 हजार से अधिक नागरिकों को ड्राइविंग एवं लर्निंग लाइसेंस उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जो परिवहन सेवाओं को अधिक जनोन्मुखी, पारदर्शी एवं सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साथ ही, परिवहन विभाग को निर्देश दिया कि टाटा मोटर्स के सहयोग से विकसित व्यवस्था की तर्ज पर हेवी व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस की प्रक्रिया को भी अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाया जाए, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें।

परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड के मध्य स्थापित यह साझेदारी राज्य में सुरक्षित, आधुनिक एवं दक्ष परिवहन व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक दूरदर्शी एवं महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि आईडीटीआर की स्थापना से युवाओं को आधुनिक तकनीक एवं वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण मिलेगा। साथ ही, सड़क सुरक्षा, दुर्घटना नियंत्रण तथा परिवहन क्षेत्र से जुड़े अनुसंधान एवं नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे राज्य में सुरक्षित एवं सुदृढ़ परिवहन तंत्र के विकास को नई गति प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी पहल को साकार करने के लिए वे स्वयं पिछले कई वर्षों से प्रयासरत थे और आज इसका मूर्त रूप लेना झारखंड के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

लंबित ड्राइविंग लाइसेंस आवेदनों के शीघ्र निष्पादन के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग को पूरी प्रतिबद्धता एवं दक्षता के साथ कार्य करते हुए ड्राइविंग लाइसेंस एवं लर्निंग लाइसेंस से संबंधित सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं समयबद्ध बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र आवेदक को पारदर्शी एवं सुगम प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित समय पर लाइसेंस उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि विभाग के सतत प्रयासों से आम नागरिकों को बेहतर, त्वरित एवं जनोन्मुखी सेवाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार सुशासन, पारदर्शिता एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

ऑपरेशन 'नवजीवन-2' में झारखंड पुलिस को बड़ी सफलता, 16 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड पुलिस को माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। ऑपरेशन 'नवजीवन-क्क' के तहत प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के 16 सक्रिय नक्सलियों ने मंगलवार को झारखंड पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में संगठन के विभिन्न स्तरों के कमांडर और दस्ता सदस्य शामिल हैं। उन्होंने पुलिस को 11 आधुनिक हथियार, 38 मैगजीन और 1,562 जिंदा कारतूस भी सौंपे। पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्य की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने बताया कि झारखंड पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), कोबरा बटालियन और झारखंड जगुआर द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे अभियानों से माओवादी संगठन पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। साथ ही राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौट रहे हैं।

डीजीपी के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले 16 नक्सलियों में 11 पुरुष और पांच महिलाएं शामिल हैं। इनमें एक रीजनल कमेटी सदस्य (आरसीएम), तीन जोनल कमेटी सदस्य (जेडसीएम), तीन सब-जोनल कमेटी सदस्य (एसजेडसीएम), छह एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) तथा तीन दस्ता सदस्य हैं। ये सभी कोल्हान और सारंडा के दुर्गम जंगल-पहाड़ी क्षेत्रों में सक्रिय थे तथा संगठन के शीर्ष नेताओं मिसिर बेसरा उर्फ सागर जी और असीम मंडल के दस्ते से जुड़े बताए जाते हैं।

डीजीपी ने कहा कि लगातार सुरक्षा अभियान, संगठन के भीतर बढ़ता असंतोष और सरकार की पुनर्वास नीति के कारण माओवादी संगठन लगातार कमजोर हो रहा है। विशेष रूप से पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) और आसपास के क्षेत्रों में नक्सली गतिविधियां तेजी से सिमट रही हैं। डीजीपी ने शेष सक्रिय नक्सलियों से भी अपील की कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं और समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानजनक जीवन की शुरूआत करें।

सीआरपीएफ के महानिरीक्षक (आईजी) साकेत सिंह ने इस मौके पर बताया कि इसी नेटवर्क से जुड़े आठ अन्य कमांडर और सदस्य हाल ही में छत्तीसगढ़ में भी आत्मसमर्पण कर चुके हैं। झारखंड में आत्मसमर्पण करने वाले 16 नक्सलियों में से 15 पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा), लातेहार, लोहरदगा, हजारीबाग, खूंटी, बोकारो, रांची, सरायकेला-खरसावां और गिरिडीह जिलों के निवासी हैं, जबकि एक सदस्य ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले का रहने वाला है।

ईडी का धनबाद में एलबी सिंह और गणेश यादव के 25 ठिकानों पर छापा

रांची : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार सुबह अवैध कोयला खनन के विरुद्ध झारखंड के धनबाद में कुछ स्थानों पर दबिश दी। कोयला माफिया एलबी सिंह, अनिल गोयल, गणेश यादव, पप्पू मंडल, अनूप चौहान, हरेंद्र चौहान, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रोहित यादव और उनके सहयोगियों से जुड़े 25 ठिकानों पर ईडी ने छापा मारकर दस्वावेजों की तलाश शुरू कर दी है। कोयला घोटाले के इस मामले में ईडी ने चार अलग-अलग एनफोर्समेंट केस इनफॉरमेशन रिपोर्ट (ईसीआइआर) दर्ज कर पूरे मामले में जांच शुरू की थी। जांच एजेंसी को सूचना मिली है कि लव सिंह व उसके सहयोगियों ने अवैध तरीके से कोयला खनन, परिवहन व भंडारण से भारी मात्रा में अवैध संपत्ति अर्जित की है। बताया गया है कि ईडी की टीम एलबी सिंह के साले रंजीत सिंह के घर भी पहुंची है। रंजीत सिंह ने घर को अंदर से बंद कर लिया है। ईडी की टीम उनके घर के बाहर है। उल्लेखनीय है कि 21 नवंबर 2025 को ईडी ने एलबी सिंह व उनके सहयोगियों के धनबाद और दुमका स्थित करीब 20 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। इस छापेमारी में ईडी को 150 से अधिक जमीन के दस्तावेज और दो करोड़ 20 लाख रुपये की नगदी मिली थी। ईडी को छानबीन में अवैध तरीके से कोयला खनन, परिवहन और भंडारण से संबंधित साक्ष्य मिले थे।

एक नजर

उरी में एलओसी के पास विस्फोट, सेना के 2 जवान घायल

बारामूला : उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास मंगलवार को बारूदी सुरंग में हुए एक आकस्मिक विस्फोट में भारतीय सेना के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार यह घटना उरी के कमलकोट सेक्टर के अग्रिम क्षेत्र में उस समय हुई, जब दोनों सैनिक ड्यूटी पर तैनात थे। विस्फोट के तुरंत बाद दोनों घायलों को घटनास्थल से सुरक्षित निकाला गया और बेहतर उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर श्रीनगर स्थित सेना के बादामी बाग बेस अस्पताल भेजा गया। घायलों की पहचान 42 वर्षीय दफादार विजय कुमार और 28 वर्षीय नायक शरणप्पा अंगारी के रूप में हुई है।

भूकंप के शक्तिशाली झटकों से दहला जापान, इमारतें-सड़कें ध्वस्त, कई लोग घायल, सुनामी की चेतावनी जारी

एजेंसी

नयी दिल्ली : जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू के कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, भूकंप का केंद्र समुद्र की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद 1 मीटर तक ऊंची सुनामी लहरें उठने की आशंका जताते हुए तटीय क्षेत्रों के लिए सुनामी चेतावनी जारी की गई। प्रशासन ने लोगों से तुरंत ऊंचे और सुरक्षित स्थानों पर जाने तथा सरकारी निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

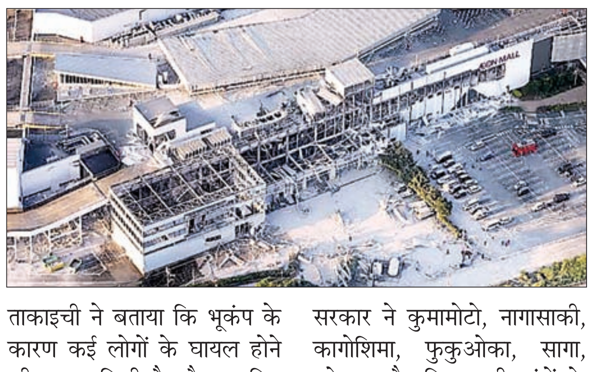

जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने बताया कि भूकंप के कारण कई लोगों के घायल होने की सूचना मिली है और प्रभावित क्षेत्र में एक इमारत भी ढह गई है। उन्होंने अधिकारियों को नुकसान का तत्काल आकलन करने और राहत एवं बचाव कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने कुमामोटो, नागासाकी, कागोशिमा, फुकुओका, सागा, ओइता और मियाजाकी प्रांतों के लिए आपातकालीन भूकंप चेतावनी जारी की है। सरकारी एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

जापान के न्यूक्लियर रेगुलेशन अथॉरिटी ने बताया कि शुरूआती जांच में देश के परमाणु बिजली संयंत्रों में किसी भी तरह की असामान्यता नहीं पाई गई है। सभी संयंत्र सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। यह एक सप्ताह के भीतर जापान में आया दूसरा बड़ा भूकंप है। इससे पहले 25 जुलाई को उत्तरी जापान में 7.2 तीव्रता का भूकंप आया था, हालांकि उसमें किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं थी।

भूकंप का कहां कितना असर?

- सबसे तेज झटके कुमामोटो प्रीफेक्चर के यत्सुशिरो, उटो शहरों, माशिकी और मिसातो कस्बों तथा कुमामोटो शहर के मिनामी वार्ड में महसूस किए गए, जहां शिंदो पैमाने पर 6 की तीव्रता दर्ज की गई।
- क्योडो न्यूज एजेंसी के अनुसार, कुमामोटो के अन्य हिस्सों के अलावा पड़ोसी प्रीफेक्चर नागासाकी, कागोशिमा, फुकुओका, सागा और मियाजाकी में भी तेज कंपन महसूस किया गया। इन क्षेत्रों में भूकंप की तीव्रता जापानी पैमाने पर 5 या उससे अधिक दर्ज की गई।
- जापान मौसम एजेंसी के अनुसार, भूकंप का केंद्र कुमामोटो शहर के दक्षिण में स्थित उकी शहर के पास था और इसकी गहराई करीब 10 किलोमीटर थी।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते से सीआईडी ने की पूछताछ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष एल. ख्यांगते मंगलवार को राज्य अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) कार्यालय पहुंचे, जहां 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के मामले में उनसे पूछताछ शुरू की गई। सीआईडी ने इससे पहले एल. ख्यांगते को नोटिस जारी कर 28 जुलाई को पूछताछ के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया था। नोटिस के अनुपालन में वह निर्धारित समय पर सीआईडी कार्यालय पहुंचे। इसके बाद जांच अधिकारियों ने उनसे भर्ती प्रक्रियाओं और कथित अनियमितताओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ शुरू की।

उल्लेखनीय है कि जेपीएससी की विभिन्न नियुक्तियों में कथित गड़बड़ियों और अनियमितताओं की जांच सीआईडी कर रही है। जांच के दौरान एजेंसी कई अभ्यर्थियों, अधिकारियों और अन्य संबंधित लोगों से भी पूछताछ कर चुकी है तथा दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच जारी है। सीआईडी इस मामले में अब तक कथित नियुक्ति घोटाले के मुख्य आरोपी अभय तिवारी सहित 10 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

एक नजर

जर्जर मकान बना काल अल्बेस्टर गिरने से 16 वर्षीय किशोरी की मौत

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत बरही पूर्वी पंचायत के बाराटांड़ में सोमवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में 16 वर्षीय मनीषा कुमारी पिता बब्लू राम की मौत हो गई। मनीषा घर में खाना बना रही थी, तभी अचानक मकान का अल्बेस्टर टूटकर उसके ऊपर गिर पड़ा। जिसके बाद मनीषा गंभीर रूप से घायल हो गई, परिजनों एवं स्थानीय लोगों के मदद से घायल मनीषा को बरही अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण अल्बेस्टर काफी कमजोर हो गया था। इसी दौरान उस पर बकरी के दौड़ने से वह टूटकर नीचे गिर गया और मनीषा को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने बताया कि पीड़ित परिवार बेहद जर्जर मकान में रहने को मजबूर है। चार कमरों के इस घर में 18 लोग रहते हैं। मकान की छत से लगातार पानी टपकता है और पूरी संरचना काफी कमजोर हो चुकी है, जिससे भविष्य में भी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को अविलंब अबुआ आवास या प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। लेकिन यह सवाल उठ रहा है कि यदि समय पर अबुआ आवास मिल गया होता तो शायद मनीषा की मौत नहीं होती। सिस्टम पर सवाल उठ रहे है कि पात्र लोगों को कब मिलेगा अबुआ आवास।

केदारूत की संध्या ने पहले ही प्रयास में नीट-यूजी में हासिल की सफलता

बरही : बरही प्रखंड के केदारूत पंचायत अंतर्गत कजरा गांव की निवासी एवं जवाहर नवोदय विद्यालय, बौगा की पूर्व छात्रा संध्या भारती ने पहले ही प्रयास में नीट-यूजी परीक्षा में 532 अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। संध्या ने सीमित संसाधनों और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद कड़ी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के बल पर यह सफलता हासिल की। उनकी इस उपलब्धि को क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक माना जा रहा है। सफलता पर केदारूत पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि विशेश्वर यादव ने संध्या भारती को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि संध्या की मेहनत और समर्पण युवाओं के लिए प्रेरणा है तथा यह सफलता पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर रामचंद्र कुमार, अनिल राम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने संध्या भारती को बधाई देते हुए उनके चिकित्सा क्षेत्र में उज्वल भविष्य की कामना की।

नहीं होता बंदोबस्ती शर्तों का अनुपालन, स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत का आरोप, हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर करने की तैयारी

बरही में चुंगी वसूली के नाम पर निर्धारित राशि से ज्यादा एवं अवैध वसूली किया जा रहा है : बस एसोसिएशन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिले का बरही हजारीबाग रोड में जिला परिषद का बस पड़ाव है। जिसके नाम से हर साल करोड़ों रुपए की चुंगी वसूली होती है। लेकिन बस या छोटे यात्री तथा सवारी वाहनों का ठहराव बरही चौक पर होता है। जिसके कारण प्रत्येक दिन जाम एवं ट्रैफिक की समस्या बनी रहती है। वही दूसरी ओर बंदोबस्तीधारक के गुर्गों के द्वारा बरही चौक के चारों मार्गों में चुंगी के नाम पर अवैध एवं निर्धारित मानक से ज्यादा की वसूली होती है। नियमानुसार बड़े वाहनों से 40 रुपए, मंझले आकर के वाहनों से 30 रुपए एवं छोटे वाहनों से 15 रुपए लेना है। लेकिन बिहार झारखंड बंगाल बस ऑनर एसोसिएशन ने आरोप लगाया है कि बरही के बंदोबस्ती धारक अभिषेक निषाद के द्वारा चुंगी वसूली के लिए चारों मार्गों में तैनात वसूलीधारक के द्वारा फर्जी रसीद बनाकर 70 रुपए की वसूली प्रत्येक वाहनों से किया जा रहा है। बिहार झारखंड बंगाल बस एसोसिएशन के सचिव इशान प्रकाश एवं कैशियर पंकज कुमार ने एक हस्ताक्षरयुक्त शिकायत पत्र स्थानीय एसडीएम, एसडीपीओ सहित जिला परिषद कार्यालय को पहले ही दे चुके है। लेकिन आरोप है कि स्थानीय प्रशासन सब कुछ जानकार भी अनजान बने हुए हैं। उनके ही संरक्षण में अवैध वसूली का काम हो रहा है। उन्होंने बताया कि लगातार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होना समझ से परे है जबकि अवैध वसूली के सारे प्रमाण दिए गए है। पंकज कुमार ने बताया कि हजारीबाग, बंगाल, झारखंड बस ऑनर एसोसिएशन अब आर-पार के मूड में है। एसोसिएशन ने जिला परिषद के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। एसोसिएशन का आरोप है कि जिला परिषद द्वारा 2026-27 के लिए बरही बस पड़ाव की बंदोबस्ती की गई है। लेकिन बंदोबस्ती के बाद जिस शर्त के आधार पर बंदोबस्तीधारक एवं जिला परिषद के बीच एकरारनामा हुआ है। उसका पालन नहीं हो रहा है। बस पड़ाव में चुंगी वसूली न होकर बरही चौक पर होती है

वसूली:

24 मार्च 2026 को हुए इकरारनामा के अनुसार चुंगी वसूली हजारीबाग रोड स्थित बस पड़ाव में होनी चाहिए थी, लेकिन चुंगी वसूली बरही के चारों मार्गों में होता है। निर्धारित राशि से ज्यादा वसूली हो रही है। निर्धारित शुल्क 40 रुपये है। लेकिन बंदोबस्ती लेने वाले और उनके कर्मचारी यात्रियों और वाहन मालिकों से 70 रुपये की वसूली कर रहे हैं। बंदोबस्तीधारक को प्रत्येक दिन बस पड़ाव की साफ सफाई, शौचालय की व्यवस्था, सुरक्षा करना है। लेकिन बरही चौक की गंदगी साफ देखी जा सकती है। चुंगी के लिए जारी रसीद में राशि के साथ साथ तिथि एवं प्राप्तकर्ता का हस्ताक्षर एवं गाड़ी नंबर लिखना अनिवार्य है। लेकिन केवल तिथि लिखकर रसीद दे दिया जाता है।

डीएवी पब्लिक स्कूल, बरही में साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों से विद्यार्थियों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से डीएवी पब्लिक स्कूल, बरही में ₹साइबर सुरक्षा एवं ऑनलाइन सुरक्षा जागरूकता₹ विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने साइबर सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सुरक्षित पासवर्ड बनाने, फिशिंग, ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ओटीपी एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करने तथा डिजिटल माध्यमों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने की विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों को इंटरनेट के सुरक्षित एवं नैतिक उपयोग के लिए भी प्रेरित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ साइबर सुरक्षा की जानकारी प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अत्यंत आवश्यक है। जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने विद्यार्थियों से सीखी गई बातों को अपने परिवार एवं समाज तक पहुंचाने का भी आह्वान किया। कार्यशाला के अंत में विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करने तथा दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध हुआ।

विभावि राजनीति विज्ञान विभाग में 'संयुक्त राष्ट्र के पुनर्गठन एवं प्रासंगिकता' पर संगोष्ठी आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग में "संयुक्त राष्ट्र का पुनर्गठन एवं प्रासंगिकता" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन सोमवार को विभागीय प्रशाल में किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने किया। इस अवसर पर जाकिर अंसारी ने "संयुक्त राष्ट्र के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि" पर तथा नीरज कुमार वर्मा ने "संयुक्त राष्ट्र की उपलब्धियां" पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत किया। संजना मासूम ने "संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान चुनौतियों" पर, धर्मेंद्र कुमार ने "संयुक्त राष्ट्र महासचिव की भूमिका" पर शोध आलेख प्रस्तुत किया। स्वाति कुमारी ने "संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका" पर प्रकाश डाला तथा सौरभ कुमार ने "संयुक्त राष्ट्र और विश्व की प्रमुख शक्तियां" विषय पर समीक्षात्मक आलेख प्रस्तुत किया। इसी प्रकार संगोष्ठी के संयोजक सुधरता महेंद्र पंडित में संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान प्रासंगिकता पर अपना आलेख पाठ किया। संगोष्ठी का आयोजन विभागीय प्राध्यापक डॉ अशोक राम की देखरेख में संपन्न हुआ। डॉ अशोक राम पिछले लगभग एक पखवाड़े से विभाग के सुधारतियों को स्तरीय आलेख पत्र तैयार करने के लिए निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छे शोध आलेख तैयार करने के कुछ सूत्र सुझाए। बताया कि एक शोध आलेख तैयार करने के लिए गहन अध्ययन करने पड़ते हैं। शोधार्थियों को इसी का प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर विभाग के शोधार्थी एवं द्वितीय समसत्र के विद्यार्थी उपस्थित हुए।

सड़क नहीं, दलदल बना कमलवार-अंबाजीत मार्ग, रोजाना हो रहे हादसे

जर्जर सड़क से त्रस्त ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, तत्काल निर्माण की मांग

प्रत्यूष नवबिहार (अक्सर अंसारी)

चौपारण : प्रखंड की पाण्डेयबारा पंचायत अंतर्गत कमलवार चौक से अंबाजीत जाने वाले मुख्य मार्ग का शुरूआती हिस्सा इन दिनों पूरी तरह जर्जर हो चुका है। सड़क की जगह कीचड़ भरे रास्ते का दृश्य देखने को मिल रहा है, जिससे प्रतिदिन आवागमन करने वाले सैकड़ों लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालत ऐसी है कि राहगीरों का फिसलकर कीचड़ में गिरना आम बात हो गई है। स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और बाइक सवारों के लिए यह मार्ग दुर्घटना का कारण बनता जा रहा है। सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में लगातार आक्रोश बढ़ रहा है। उनका कहना है कि लंबे समय से जनप्रतिनिधियों से सड़क की मरम्मत की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिला है। फिलहाल ग्रामीणों ने सड़क पर डस्ट डलवाकर आवागमन सुचारु करने और तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। इसी समस्या को लेकर ग्रामीणों ने पाण्डेयबारा की मुखिया रेखा देवी से मुलाकात की। इस पर मुखिया ने बताया कि उक्त सड़क का निर्माण उनके फंड से नहीं होना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान विधायक की अनुशंसा पर सड़क निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और अब केवल कार्य शुरू होना शेष है। ग्रामीणों द्वारा सड़क पर डस्ट डलवाने की मांग पर मुखिया ने कहा कि इसके लिए उनके फंड में कोई प्रावधान नहीं है। हालांकि उन्होंने आश्वासन दिया कि आगामी ग्राम सभा में इस मुद्दे को रखा जाएगा। यदि मनरेगा योजना के तहत यह कार्य संभव हुआ तो प्रस्ताव पारित कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों से दो-चार दिन धैर्य रखने की अपील की। मौके पर शौकत अंसारी, मुजाहिदुल इस्लाम, मुकेश यादव, मो. मेंहदी हसन, अंजन सिंह, आबिद हुसैन, सफीक अंसारी, मुख्तार अंसारी, शाजिद अंसारी, अशफाक अंसारी, शाहरुख खान, सकीम अंसारी, वाहिद अंसारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

बिजली उपभोक्ता को आया ₹1.18 करोड़ से अधिक का बिल,

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के ऑफिस निवासी बलदेव सोनी को बिजली विभाग की ओर से 1,18,53,198 का बिजली बिल मिलने का मामला सामने आया है। करोड़ों रुपये का बिल मिलने के बाद उपभोक्ता और उनका परिवार काफा चिंतित एवं परेशान है। इस संबंध में बलदेव सोनी ने बिजली विभाग के सहायक अभियंता को आवेदन देकर पूरे मामले की जांच कर बिल में सुधार करने की मांग की है। आवेदन में बलदेव सोनी ने बताया कि उनका उपभोक्ता संख्या 13 जीआरआर संख्या 2553 है। उन्होंने कहा कि 25 जून 2021 तक उनका ₹ 18,377 का बिजली बकाया था। बकाया राशि जमा नहीं होने के कारण विभाग ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कर बिजली कनेक्शन काट दिया था। बलदेव सोनी के अनुसार बाद में उन्होंने विभाग का पूरा बकाया ₹18,377 तथा ₹6,000 जुमार्ना जमा कर मामले का निपटारा किया।

एनटीपीसी द्वारा ध्वस्त विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों के पुननिर्माण की मांग को लेकर अंचल कार्यालय में धरना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव एनटीपीसी पंकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना से प्रभावित ध्वस्त किए गए विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर मंगलवार को अंचल कार्यालय परिसर में एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। धरना की अध्यक्षता डॉ. मिथिलेश कुमार दांगी ने की, जबकि संचालन डाड़ीकला पंचायत के मुखिया इलियास अंसारी ने किया। धरना के माध्यम से प्रदर्शनकारियों ने एनटीपीसी परियोजना के कारण प्रभावित गांवों में शिक्षा एवं बाल विकास व्यवस्था को शीघ्र बहाल करने की मांग करते हुए प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। धरना स्थल पर बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, अंचल अधिकारी तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी पहुंचे, जिन्होंने प्रदर्शनकारियों की समस्याएं सुनीं और ज्ञापन प्राप्त किया।धरना में बताया गया कि एनटीपीसी पंकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना के कारण बड़कागांव पश्चिमी क्षेत्र के कई विद्यालयों को 4-5 वर्ष पूर्व ध्वस्त कर दिया गया। लेकिन आज तक उनके स्थान पर नए भवनों का निर्माण नहीं कराया गया। प्रभावित विद्यालयों में उत्क्रमित मध्य विद्यालय मंझली डाड़ी, मध्य विद्यालय सोनबरसा, प्राथमिक विद्यालय चुरूडीह, उर्दू मध्य विद्यालय नगरडीह, प्राथमिक विद्यालय डलगंडीह, मध्य विद्यालय सिंदवारी तथा प्राथमिक विद्यालय उरूब शामिल हैं। इसके अलावा आठ आंगनबाड़ी केंद्र भी ध्वस्त कर दिए गए। धरना में कहा गया कि वर्तमान में इन विद्यालयों को अन्य स्थानों पर संचालित किया जा रहा है, जो प्रभावित गांवों से काफी दूर हैं। छोटे-छोटे बच्चों को लंबी दूरी तय कर विद्यालय जाना पड़ता है, जिसके कारण कई बच्चों ने पढ़ाई छोड़ दी है और उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। वहीं आंगनबाड़ी केंद्रों के ध्वस्त होने से छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को मिलने वाली पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं भी बाधित हो गई हैं। प्रमुख मांगें डाड़ीकला पंचायत के टोला चिचाल में बसे विस्थापित परिवारों के बच्चों के लिए शिशु वर्ग से इंटर तक की शिक्षा व्यवस्था की जाए। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को उन स्थानों पर पुनर्स्थापित किया जाए, जहां प्रभावित गांवों के विस्थापित परिवार वर्तमान में रह रहे हैं। पंकरी बरवाडीह परियोजना की पुनर्वास कॉलोनी में प्राथमिक एवं उच्च विद्यालय की स्थापना की जाए।जब तक नए विद्यालयों का निर्माण नहीं हो जाता, तब तक प्रभावित गांवों के बच्चों को एनटीपीसी के विद्यालयों में निशुल्क शिक्षा एवं आने-जाने के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

संक्षिप्त खबरें

हरिजन करमा विद्यालय में साइकिल वितरण मुखिया देवंती देवी ने बच्चों को किया प्रोत्साहित

चौपारण : चौपारण प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरिजन करमा में झारखंड सरकार के कल्याण विभाग की ओर से साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कक्षा आठ के कुल 35 छात्र-छात्राओं, जिनमें 15 बालक एवं 20 बालिकाएं शामिल हैं, को नि:शुल्क साइकिलें प्रदान की गईं। कार्यक्रम में करमा पंचायत की मुखिया देवंती देवी ने विद्यार्थियों को साइकिल वितरित करते हुए कहा कि सरकार की यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने और विद्यालय आने-जाने में होने वाली कठिनाइयों को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से विद्यालय आने तथा मन लगाकर पढ़ाई करने की अपील की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भी भाग लिया और सरकार की इस जनकल्याणकारी योजना की सराहना की। साइकिल प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे तथा उन्होंने नियमित रूप से विद्यालय आने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नरेश भुइयां, प्रधानाध्यापक सुरेन्द्र कुमार दास, समिति सदस्य राजेन्द्र कुमार गुप्ता, मिथलेश ठाकुर एवं मुकेश कुमार सहित शिक्षक उपेन्द्र कुमार वर्मा, विजय प्रसाद, शैलेंद्र कुमार चौरसिया, बिंदुल देवी, रामदास राम, रिंकी देवी और सचिन कुमार उपस्थित रहे।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने किया माता भद्रकाली मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने शनिवार को झारखंड के प्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल इटखोरी स्थित माता भद्रकाली मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस एजुकेशनल टूर का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ इतिहास, संस्कृति और पुरातात्विक धरोहरों से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने माता भद्रकाली मंदिर के इतिहास और धार्मिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्हें बताया गया कि इटखोरी सदियों से विभिन्न धार्मिक परंपराओं का संगम रहा है। मान्यता है कि भगवान बुद्ध ज्ञान की खोज के दौरान इस क्षेत्र में आए थे। यहीं से उनके शिष्यों ने उन्हें खोजते हुए कहा था ₹इति खोई₹, जिससे आगे चलकर इस स्थान का नाम इटखोरी पड़ा। यह स्थल हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म की आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। विद्यार्थियों ने मंदिर परिसर में स्थित पुरातत्व संग्रहालय (म्यूजियम) का भी भ्रमण किया। यहां उन्होंने प्राचीन मूर्तियों, शिलालेखों, बौद्ध एवं जैन प्रतिमाओं तथा ऐतिहासिक अवशेषों को करीब से देखा और उनके बारे में जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को असाइनमेंट आधारित गतिविधियां भी दी गईं, ताकि वे स्थल के इतिहास, संस्कृति और पुरातात्विक महत्व पर अध्ययन कर सकें। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक संतोष महतो ,विकास गुप्ता, पिंटू पाण्डेय, स्नेहा और श्रुति मैम विद्यार्थियों के साथ मौजूद रहे। उन्होंने बच्चों को विभिन्न ऐतिहासिक तथ्यों, सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा उन्हें अपने अवलोकन को शोधपरक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान प्राचार्य कैलाश कुमार ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। जब विद्यार्थी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों को स्वयं देखते और समझते हैं, तब उनका ज्ञान अधिक गहरा और स्थायी बनता है। प्रत्येक शनिवार आयोजित होने वाले एजुकेशनल टूर का उद्देश्य बच्चों को वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ना है, ताकि वे इतिहास, संस्कृति और प्रकृति को किताबों से आगे बढ़कर समझ सकें।

दिल्ली में कांग्रेस की अहम बैठक में शामिल हुईं अंबा प्रसाद, बंगाल संगठन को मजबूत करने पर मंथन

बड़कागांव : पूर्व विधायक सह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में पश्चिम बंगाल कांग्रेस संगठन को लेकर आयोजित महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय बैठक में भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता एआईसीसी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने की। इस दौरान पश्चिम बंगाल के प्रभारी प्रकाश जोशी, पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (हइढउउ) के अध्यक्ष श्री शुभंकर सरकार तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ राज्य के मौजूदा राजनीतिक हालातों एवं कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में पूर्व विधायक सह राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद ने भी अपने विचार रखते हुए संगठन को जन-जन तक मजबूत करने, कार्यकताओं की भागीदारी बढ़ाने तथा आगामी राजनीतिक चुनौतियों का मजबूती से सामना करने पर जोर दिया। इस अवसर पर संगठन विभाग के प्रभारी चल्ला वंशी चंद रेड्डी, संगठन सचिव नेट्टा डिसूजा, संगठन सचिव नवीन शर्मा, कर्नाटक के सांसद सशिकांत सेंथिल सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। अंबा प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनता की आवाज को बुलंद करने और पश्चिम बंगाल के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है। संगठन की मजबूती ही जनता के विश्वास को और सशक्त बनाएगी तथा पार्टी को नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

पुलिस ने फरार आरोपी के घर इश्तेहार चिपकाए

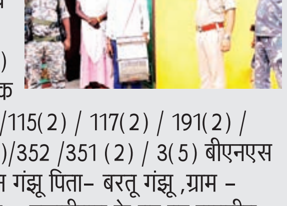

बड़कागांव : पतरातू थाना कांड संख्या दर्ज मामले में फरार आरोपी के घर पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया।माननीय न्यायालय एवं वरीय पदाधिकारी के आदेश अनुसार पतरातु (बरकाकाना) थाना कांड संख्या -266/25 , दिनांक -07/11/2025 , धारा - 126(2) /115(2) / 117(2) / 191(2) / 191(3) /190/ 308 (3) / 308(4)/352 /351 (2) / 3(5) बीएनएस के फरार प्राथमिकी अभियुक्त- मोहन गंझू पिता- बरतू गंझू ,ग्राम - चेलंदाग , थाना - बड़कागांव , जिला - हजारीबाग के घर पर माननीय न्यायालय द्वारा निर्गत इश्तेहार को अभियुक्त के घर के दरवाजे पर तथा गाँव के मुख्य चौराहा पर चिपका कर ढोल बजाकर विधिवत तामिला किया गया। इस कार्य में मुख्य रूप से बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा एवं सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे।

एक नजर

बकाया भुगतान नहीं करने वाली कंपनियों से व्यापार न करें व्यवसायी : चैंबर

रांची : फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की कंज्यूमर ड्यूरेबल्स एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उप समिति की बैठक मंगलवार को चैंबर भवन में हुई। बैठक में चर्चा की गई कि कई कंपनियां वर्तमान डिस्ट्रीब्यूटर का बकाया भुगतान और सेटलमेंट किए बिना ही नये डिस्ट्रीब्यूटर की नियुक्ति कर रही हैं। इससे पुराने डिस्ट्रीब्यूटर की पूंजी फंस जाती है और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। व्यापारियों की वास्तविक चिंता को देखते हुए उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि जब तक किसी डिस्ट्रीब्यूटर का सेटलमेंट नहीं हो जाता, तब तक ऐसी कंपनियों के साथ व्यापार नहीं किया जाय। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित कंपनियों की डीलरशिप का भी सामूहिक रूप से हतोत्साहित किया जाएगा। वर्तमान में ऑनलाइन व्यापार के बढ़ते प्रभाव से स्थानीय रिटेल कारोबारियों के सामने उत्पन्न चुनौतियों पर भी बैठक में चर्चा हुई। सदस्यों ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के कारण स्थानीय दुकानदार लगातार प्रतिस्पर्धा और घटते व्यापार का सामना कर रहे हैं।

गुरु रविदास की जन्मस्थली से लाई गई पवित्र मिट्टी का 31 जुलाई को रांची में होगा स्वागत

रांची : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी 'समरसता संकल्प अभियान' के तहत 31 जुलाई को उनकी जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर (वाराणसी) से लाई जा रही पवित्र मिट्टी का रांची के पंडरा में हजारों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में स्वागत किया जाएगा। इसके बाद शोभायात्रा के माध्यम से पवित्र मिट्टी को ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर ले जाया जाएगा, जहां चार दिनों तक वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में रांची के विधायक सीपी सिंह ने कहा कि संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास ने अपने जीवन और विचारों से सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का जो संदेश दिया, वह आज भी पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि उनकी जन्मस्थली से लाई जा रही पवित्र मिट्टी केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता का संदेश भी लेकर आ रही है। सीपी सिंह ने कहा कि भाजपा इस अभियान के माध्यम से संत गुरु रविदास के विचारों और उनके जीवन-दर्शन को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है।

हेपेटाइटिस उन्मूलन लक्ष्य हासिल करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : निदेशक

रांची : विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर मंगलवार को होटल चाणक्य बीएनआर में हेपेटाइटिस के लक्षण, बचाव और रोकथाम विषय पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि वर्ष 2030 तक हेपेटाइटिस उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बीमारी की रोकथाम के लिए ब्लॉक स्तर तक जागरूकता, समय पर स्क्रीनिंग और अर्ली डायग्नोसिस सुनिश्चित करना आवश्यक है। मौके पर राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ कमलेश कुमार ने बताया कि हेपेटाइटिस लीवर से जुड़ी वायरल बीमारी है, जिसके पांच प्रकार हैं। इनमें हेपेटाइटिस-बी और सी सबसे गंभीर हैं।

झारखंड के खनिज क्षेत्र में निवेश को लेकर बढ़ी अमेरिकी रुचि, डीएफसी प्रतिनिधिमंडल ने की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के खनिज एवं औद्योगिक क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को लेकर अमेरिका की यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएफसी) के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार के खान एवं भूतत्व और उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में राज्य में विशेष रूप से क्रिटिकल मिनरल्स, खनिज अन्वेषण, खनिज प्रसंस्करण और खनिज आधारित उद्योगों में निवेश के अवसरों पर विस्तृत चर्चा हुई। डीएफसी के प्रतिनिधिमंडल में सीनियर अधिकारी जतिन बत्रा और बिजनेस डेवलपमेंट स्पेशलिस्ट करिश्मा हरानेज शामिल थीं। प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड सरकार के खान एवं भूतत्व विभाग तथा उद्योग विभाग के सचिव अरवा राजकमल (आईएएस) से शिष्टाचार भेंट कर राज्य में उपलब्ध खनिज संसाधनों, निवेश अवसरों, नीतिगत सुधारों और निवेश-अनुकूल माहौल पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। इस दौरान खान एवं भूतत्व विभाग के निदेशक राहुल कुमार सिन्हा (आईएएस) और उद्योग विभाग के निदेशक विशाल सागर (आईएएस) भी मौजूद रहे। बैठक में झारखंड की समृद्ध खनिज संपदा, विशेषकर क्रिटिकल मिनरल्स के विकास, वैज्ञानिक एवं सतत खनन, खनिज अन्वेषण, खनिज प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) और खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को राज्य सरकार की औद्योगिक एवं निवेश संवर्धन नीति, निवेशकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत किए गए सुधारों और उद्योग स्थापना के लिए विकसित निवेश-अनुकूल व्यवस्था की जानकारी भी दी। इसके अलावा राज्य सरकार ने खनिज संसाधनों के अधिकतम मूल्य संवर्धन, डाउनस्ट्रीम उद्योगों के विकास और निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों से भी प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया। डीएफसी प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड में उपलब्ध प्रचुर खनिज संसाधनों और राज्य सरकार की निवेशोन्मुखी नीतियों की सराहना करते हुए खनिज एवं औद्योगिक क्षेत्रों में सहयोग और निवेश की संभावनाओं में रुचि जताई। दोनों पक्षों ने मौजूदा नीतियों और विधिक प्रावधानों के अनुरूप भविष्य में सहयोग एवं निवेश के अवसरों को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

15 जिला जनसंपर्क पदाधिकारियों को उप निदेशक पद पर मिली पदोन्नति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने विभागीय प्रोन्नति समिति की अनुशंसा के आधार पर 15 जनसंपर्क पदाधिकारियों को उप निदेशक (लेवल-11) पद पर पदोन्नति देने की अधिसूचना जारी की है। यह आदेश 24 जुलाई 2026 को जारी किया गया है। पदोन्नति प्राप्त अधिकारियों को उनके वर्तमान पदस्थापन की अवधि तक उच्च पद पर कार्य करने की अनुमति दी गई है। पदोन्नति पाने वालों में उर्वशी पाण्डेय (रांची), इशा खण्डेलवाल (चाईबासा), शाहिद आलम (रांची), सैय्यद राशिद अख्तर (रांची), प्रभात शंकर (रामगढ़), अनिल कुमार सिंह (धनबाद), बीरु प्रसाद कुशवाहा (रांची), रवि कुमार (बोकारो), पटलू महतो (सिमडेगा), अविनाश कुमार (सरायकेला-खरसावां), राहुल कुमार भारती (देवघर), पंकज राज (पूर्वी सिंहभूम), शिवनन्द बड़ाईक (लोहरदगा), रोहित कुमार (हजारीबाग) और सुनीता धान (रांची) शामिल हैं। अधिसूचना के अनुसार, पदोन्नति के बाद अधिकारियों को झारखंड सेवा संहिता के नियम-58 के तहत पदभार ग्रहण करने की तिथि से वास्तविक वित्तीय लाभ मिलेगा। प्रस्ताव को विभागीय (मुख्य) मंत्री की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद राज्यपाल के आदेश से अधिसूचना जारी की गई है।

डेंगू का खतरा बढ़ा, 29 घरों में मिला लार्वा स्वास्थ्य विभाग ने तेज किया सर्विलांस अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची में डेंगू और अन्य मच्छर जनित बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी अभियान तेज कर दिया है। सोमवार को रांची शहरी क्षेत्र के सात वार्डों में घर-घर जाकर डेंगू सर्विलांस अभियान चलाया गया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संभावित मरीजों की जानकारी जुटाने के साथ-साथ मच्छरों के प्रजनन स्थलों की भी जांच की। अभियान के दौरान 166 घरों की जांच की गई, जिसमें 29 घरों में डेंगू का लार्वा पाया गया। टीम ने कूलर, पानी की टंकी, गमले, पुराने टायर और अन्य जलजमाव वाले स्थानों की जांच की। कुल 1246 बर्तनों की जांच में 38 बर्तनों में डेंगू के लार्वा मिले। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने वार्ड संख्या 21, 22 और 23 में कुल 76 घरों की जांच की। इनमें 16 घरों में डेंगू के लार्वा पाए गए। इस दौरान 680 बर्तनों की जांच की गई, जिसमें 25 बर्तनों में लार्वा मिला। वहीं, वार्ड संख्या 16, 5, 27 और 28 में 90 घरों की जांच की गई। यहां 13 घरों में डेंगू के लार्वा मिले। टीम ने कुल 566 बर्तनों की जांच की, जिसमें 13 बर्तनों में मच्छरों के प्रजनन स्थल पाए गए। स्वास्थ्य विभाग ने लार्वा मिलने वाले घरों में लोगों को जागरूक किया और पानी जमा नहीं होने देने की अपील की। टीम ने घरों और आसपास के क्षेत्रों में नियमित सफाई रखने तथा मच्छरों के पनपने वाले स्थानों को खत्म करने की सलाह दी। विभाग के अनुसार, डेंगू नियंत्रण के लिए यह अभियान रोजाना शहर के सात अलग-अलग वार्डों में चलाया जा रहा है, ताकि समय रहते डेंगू, मलेरिया और अन्य वेक्टर जनित बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सके। सर्विलांस टीम ने लोगों से सप्ताह में कम से कम एक दिन ड्राई डे मनाने की अपील की है। इस दिन घर में रखे कूलर, पानी की टंकी, बाल्टी, गमले और पुराने टायरों की जांच कर जमा पानी को खाली करने की सलाह दी गई।

रांची-भागलपुर सावन स्पेशल ट्रेन शुरू, 20 कोच के साथ मिलेगी सुविधा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सावन में बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। रांची-भागलपुर सावन स्पेशल ट्रेन का संचालन शुरू हो गया है। सोमवार को हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। इस दौरान भाजपा और संघ परिवार के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। बताया गया कि ओम आरोहणम संस्था के लगातार तीन वर्षों के प्रयास के बाद सावन स्पेशल ट्रेन का संचालन हो रहा है। संस्था की संस्थापिका शेफाली गुप्ता ने इसके लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे अधिकारियों का आभार जताया। इस बार श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए ट्रेन में कोचों की संख्या 14 से बढ़ाकर 20 कर दी गई है। इससे यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी और यात्रा पहले से ज्यादा आरामदायक होगी। यह ट्रेन रांची, मुरी, बरकाकाना, हजारीबाग, तिलैया, कोडरमा, गया, सुल्तानगंज और भागलपुर समेत कई प्रमुख स्टेशनों से होकर चलेगी। सावन स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार को रांची से रवाना होगी और मंगलवार सुबह सुल्तानगंज पहुंचेगी। इसके अलावा शुक्रवार को भी इसी तरह सेवा उपलब्ध रहेगी। वहीं, भागलपुर से यह ट्रेन प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को चलेगी। ओम आरोहणम संस्था ने मांग की है कि इस विशेष ट्रेन का संचालन हर साल सावन में नियमित रूप से किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को हर वर्ष इसके लिए इंतजार नहीं करना पड़े। संस्था का कहना है कि इस मांग पर सकारात्मक आश्वासन मिला है।

30 दिनों में सूचना नहीं देने वाले पीईओ पर दंड सुनिश्चित करे सूचना आयोग : नायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने राज्य सूचना आयुक्त को पत्र लिखकर सभी विभागों के जन सूचना पदाधिकारियों एवं प्रथम अपीलीय प्राधिकारियों की तत्काल राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक बुलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 पारदर्शिता और जवाबदेही का महत्वपूर्ण कानून है, लेकिन राज्य के कई विभागों में 30 दिनों के भीतर सूचना उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। इससे नागरिकों को अनावश्यक रूप से अपील करनी पड़ती है और राज्य सूचना आयोग पर लंबित मामलों का बोझ बढ़ रहा है। विजय शंकर नायक ने मांग की कि सभी विभागों को समय-सीमा के भीतर सूचना उपलब्ध कराने का सख्त निर्देश दिया जाए तथा बिना उचित कारण विलंब करने वाले जन सूचना पदाधिकारियों पर आरटीआई अधिनियम की धारा 20 के तहत आर्थिक दंड और आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सूचना के अधिकार, पारदर्शिता और जवाबदेह शासन की पक्षधर है। राज्य सूचना आयोग की प्रभावी पहल से आरटीआई कानून का बेहतर क्रियान्वयन होगा, लंबित मामलों में कमी आएगी और नागरिकों का शासन पर विश्वास मजबूत होगा। अगर इसे 150-200 शब्द में और छोटा करना हो, तो वह भी तैयार कर सकता हूँ। सूचना का अधिकार किसी सरकार की कृपा नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का वैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकार है।

एसआईआर 2026: एएसडीडी सूची में 40 लाख से अधिक नामों पर कांग्रेस ने जताई चिंता, समय बढ़ाने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के तहत तैयार की जा रही एसडीडी सूची में 27 जुलाई तक 40,04,817 मतदाताओं के शामिल होने पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने गहरी चिंता जताई है। इस मुद्दे को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, महासचिव सूर्यकांत शुक्ला और लाल किशोर नाथ शाहदेव ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि 5 अगस्त 2026 के बाद चुनाव आयोग से 15 दिन का अतिरिक्त समय देने की सिफारिश की जाएगी। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि एएसडीडी सूची में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और इनमें सबसे अधिक चिंता लापता श्रेणी के मतदाताओं की संख्या को लेकर है। पार्टी के अनुसार रांची, हटिया, कांके, धनबाद, बोकारो और जमशेदपुर पश्चिम जैसे प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे मतदाताओं की संख्या 75 हजार से 1.15 लाख के बीच है। कांग्रेस का कहना है कि राज्य में डिजिटाइजेशन की व्यवस्था संतोषजनक होने के बावजूद अनुपस्थित श्रेणी में इतनी बड़ी संख्या कई सवाल खड़े करती है। कांग्रेस ने ज्ञापन में कहा कि देवघर, दुमका और आसपास के जिलों में बाबाधाम सावन मेले की शुरुआत होने से आम जनता और प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित रहती है। ऐसे समय में मतदाता पुनरीक्षण कार्य प्रभावित हो सकता है। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि कई स्थानों से शिकायतें मिली हैं कि बीएलओ फॉर्म जमा कराने के बाद हस्ताक्षरयुक्त पावती रसीद नहीं दे रहे हैं, जिससे मतदाताओं में असमंजस की स्थिति बन रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि एएसडीडी सूची का दायरा काफी बड़ा है और अभी तक अनमैपिंग सूची का प्रकाशन भी नहीं हुआ है, जिससे आम मतदाताओं पर अनावश्यक दबाव बढ़ रहा है। इन परिस्थितियों को देखते हुए पार्टी ने इन्यूमरेशन फेज के साथ-साथ नोटिस और सुनवाई प्रक्रिया की समय-सीमा बढ़ाने की मांग की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि 5 अगस्त 2026 तक 15 दिन का अतिरिक्त समय देने का प्रस्ताव केंद्रीय निर्वाचन पदाधिकारी को भेजा जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में महासचिव सूर्यकांत शुक्ला, लाल किशोर नाथ शाहदेव, लाल प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव, सुनील सिंह और राजेश चंद्र राजू समेत अन्य कांग्रेस नेता शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में सामान्य से 27 प्रतिशत कम बारिश

रांची : झारखंड में मानसून की रफ्तार अब भी सामान्य से पीछे चल रही है। राज्य में एक जून से 28 जुलाई तक सामान्य 478.3 मिलीमीटर के मुकाबले 352.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य से 27 प्रतिशत कम है। यह जानकारी मौसम विभाग ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी। विभाग के अनुसार, राज्य के 24 जिलों में केवल पश्चिमी सिंहभूम में ही सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। जिले में सामान्य 461.9 मिलीमीटर के मुकाबले 534 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य से 16 प्रतिशत अधिक है। इसके बाद सरायकेला-खरसावां में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई, जहां सामान्य 470.2 मिलीमीटर के मुकाबले 464.2 मिलीमीटर बारिश हुई। यह सामान्य से मात्र एक प्रतिशत कम है। इसके अलावा पूर्वी सिंहभूम, रांची और रामगढ़ में भी अपेक्षाकृत अच्छी वर्षा हुई है। इन जिलों में सामान्य से क्रमशः 13, 17 और 12 प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। हालांकि राज्य के अधिकांश अन्य जिलों में वर्षा का आंकड़ा सामान्य से काफी कम बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में पूरे मानसून सीजन के दौरान औसतन लगभग 1,200 मिलीमीटर वर्षा होती है। इसके मुकाबले अब तक लगभग एक-तिहाई बारिश ही दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 167.2 मिलीमीटर वर्षा पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी में रिकॉर्ड की गई। वहीं, इस अवधि में सबसे अधिक तापमान बोकारो में 33.1 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान लातेहार में 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार सुबह से रुक-रुक कर पूरे दिन बारिश होती रही। लगातार बारिश के कारण लोगों को आवागमन और दैनिक कार्यों में कुछ परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि, वर्षा से मौसम सुहावना बना रहा और उमस से भी लोगों को राहत मिली।

टेट सफल सहायक अध्यापक संघ ने लगाया पारा शिक्षकों के साथ अन्याय का आरोप

रांची : टेट सफल सहायक अध्यापक संघ ने सहायक आचार्य पारा शिक्षक कोटि की भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। संघ के संयोजक सीमांत घोषाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद भर्ती प्रक्रिया न्यायालय की भावना के अनुरूप नहीं चल रही है। संघ ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य स्तरीय मेधा सूची शैक्षणिक अंक, शिक्षक प्रशिक्षण और जेटेट के अंकों के आधार पर तैयार करने का निर्देश दिया था, लेकिन सरकार ने भर्ती प्रक्रिया झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की लिखित परीक्षा के माध्यम से कराने के लिए भेज दी। इससे नियुक्ति प्रक्रिया अनावश्यक रूप से लंबी और जटिल हो गई है। संघ ने आरोप लगाया कि जेएसएससी के विज्ञापन में इंटरमीडिएट प्रशिक्षित और स्नातक प्रशिक्षित (सामाजिक विज्ञान) शिक्षक पदों पर ओबीसी वर्ग के लिए एक भी सीट निर्धारित नहीं की गई है, जो आरक्षण व्यवस्था के विपरीत है। इसे संशोधित करने की मांग की गई है। संघ के कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकृत रिक्त पदों के आधार पर भर्ती का निर्देश दिया था, जबकि सरकार 15 सितंबर 2022 को सृजित पदों के आधार पर नियुक्ति प्रक्रिया चला रही है। 20 हजार से अधिक पद अब भी रिक्त हैं और इनमें आरक्षण व बैकलॉग मिलाकर 11,198 से अधिक पदों पर भर्ती होनी चाहिए थी, जबकि वर्तमान विज्ञापन में केवल 7,304 पद शामिल हैं। संघ ने आपत्ति जताई कि जेटेट पारा शिक्षक श्रेणी की अलग मेधा सूची बनाने का प्रावधान नियमों के अनुरूप नहीं है। संगठन ने राज्य सरकार से सुप्रीम कोर्ट के आदेश की भावना के अनुरूप भर्ती प्रक्रिया में संशोधन कर सभी विसंगतियां दूर करने की मांग की है।

214वां श्री सुंदरकांड व श्री हनुमान चालीसा पाठ का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 214 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। राम सिया राम सिया राम जय जय राम के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मण्डल के निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने आशा मोदी से बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित करवाई एवं आशा मोदी ने केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल प्रसाद का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। आशा मोदी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ का पूजन करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित भक्तजनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी महाराज की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मनीष साहू ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की गई। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया, अशोक लड़िया, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान एवं कृष्णा अंकित सिंह, संकेत चौधरी, ऋषभ चौरसिया, हर्ष मिश्रा, हिमांशु कुमार आदि भक्त उपस्थित थे।

जंतर मंतर में रबर गोली से घायल हुई झारखंड की आदिवासी छात्रा, कांग्रेस ने माफी की मांग की

रांची : नीट पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित छात्र प्रदर्शन में शामिल झारखंड की छात्रा नूतन टोप्पो के घायल होने का मामला सामने आया है। कांग्रेस भवन में हुए प्रेस वार्ता में नूतन का दावा है कि संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग किया गया जिसमें लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले, पैलेट गन और रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया गया। उनका कहना है कि इसी दौरान एक रबर की गोली उनके दाहिने कान को छूते हुए निकल गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। नूतन टोप्पो ने बताया कि घटना के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनके कान की सर्जरी हुई। उन्होंने बताया कि इलाज अभी भी जारी है और पहले की तरह दाहिने कान से सुनने में सक्षम नहीं हैं। नूतन वर्तमान में गुड़गांव में रहकर पढ़ाई कर रही हैं और नीट पेपर लीक मामले में छात्रों के समर्थन में जंतर-मंतर प्रदर्शन में शामिल होने गई थीं। नूतन ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान मौजूद कई पुलिसकर्मी बिना नेम प्लेट और बिना वर्दी के थे। उनका कहना है कि ऐसी स्थिति में उन्हें पुलिसकर्मी कहना भी उचित नहीं होगा। इस मामले को लेकर रांची महानगर अध्यक्ष कुमार राजा ने प्रेस वार्ता आयोजित कर नूतन टोप्पो को मीडिया के सामने पेश किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में छात्रों के साथ हुई कथित पुलिस बर्बरता का नूतन टोप्पो एक प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। नूतन सहित सैकड़ों छात्र इस कार्रवाई में घायल हुए और इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। कुमार राजा ने गृह मंत्री से सवाल करते हुए कहा कि छात्रों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह से छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की।

एक नजर

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से महिला की मौत

जयनगर (कोडरमा) : जयनगर प्रखंड के पिपचो क्षेत्र में मंगलवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। मृतका अपने पीछे दो छोटे-छोटे बच्चों को छोड़ गई हैं, जिनके सिर से मां का साया हमेशा के लिए उठ गया। जानकारी के अनुसार, पिपचो निवासी अभिमन्यु राणा की पत्नी पिंकी देवी (30) सड़क पार कर रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही एक बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

कोडरमा में 955 लोगों ने किया ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन

कोडरमा : जिले में ड्राइविंग लाइसेंस निर्गत करने के लिए आयोजित प्रखंड स्तरीय विशेष शिविरों को अच्छा प्रतिसाद मिला। सभी प्रखंडों में आयोजित शिविरों के दौरान लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस के लिए कुल 955 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 622 आवेदक ऑनलाइन ड्राइविंग टेस्ट में सफल रहे, जबकि 170 आवेदक असफल हुए। शेष आवेदक ऑनलाइन टेस्ट में शामिल नहीं हो सके। रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों के चयनित लाभुकों को ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किए गए। इसी क्रम में कोडरमा में आयोजित कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त रवि जैन एवं जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी ने चयनित लाभुकों को ड्राइविंग लाइसेंस वितरित किए। इस अवसर पर मोटर यान निरीक्षक कुमार शानू यादव एवं जोसफ टोप्पो, सहायक प्रशासी पदाधिकारी उदय शंकर बक्शी सहित जिला परिवहन कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

तालाब में डूबने से चार वर्षीय मासूम आरव की मौत

चन्दवारा (कोडरमा) : तिलैया डैम ओपी क्षेत्र के कांको पंचायत अंतर्गत चंद्रपटी गाँव में मंगलवार को एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। यहाँ तालाब में डूबने से चार वर्षीय मासूम बच्चा आरव कुमार की अकाल मौत हो गई। आरव अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गाँव में शोक की लहर दौड़ गई है।?मृतक के चाचा राजा लाल यादव ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि उनके भाई गणेश यादव गाँव के पास स्थित तालाब पर खेत की सिंचाई के लिए मोटर पंप लगाने गए थे। उसी दौरान चार वर्षीय मासूम आरव भी उनके पीछे-पीछे चला गया। गणेश धान रोपाई के कार्य में व्यस्त हो गए, जिसके कारण कुछ देर के लिए मासूम पर उनका ध्यान नहीं गया।?जब गणेश यादव ने आरव को अपने आसपास नहीं पाया, तो अनहोनी की आशंका से उसकी खोजबीन शुरू की। काफी तलाश के बाद आरव तालाब की सतह में अचेत अवस्था में मिला।

चार माह का बकाया मानदेय भुगतान के बाद आउटसोर्सिंग कर्मियों की हड़ताल समाप्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड स्वास्थ्य आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ (सीटू) के बैनर तले जिला के सदर अस्पताल एवं सभी प्रखंडों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों की 23 जुलाई से जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल मंगलवार को समाप्त कर दिया गया। मालूम हो कर्मचारियों का चार माह का बकाया मानदेय का भुगतान होने एवं सिविल सर्जन, कमांडो कंपनी के मालिक नवल सिंह एवं उपाधीक्षक के साथ दो राउंड की वार्ता के बाद बनी सहमति के आधार पर आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की हड़ताल स्थगित किया गया। वार्ता में आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के साथ कर्मचारी नेता दिनेश रविदास और सीटू के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश भी मौजूद थे। हड़ताल समाप्त होने पर सीटू के बाद राज्य सचिव संजय पासवान जो किसान मजदूर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिल्ली में हैं। वहीं से धरनास्थल पर बैठे कर्मचारियों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि यह कर्मचारियों की एकजुट संघर्ष की जीत है। कमांडो ने कभी भी कर्मचारियों को एक माह से ज्यादा मानदेय नहीं दिया। लेकिन आंदोलन के दबाव के कारण एकसाथ चार माह का बकाया भुगतान करना पड़ा। न्यूनतम मजदूरी के आधार पर मानदेय भुगतान के लिए हमारा संघर्ष जारी रहेगा। 1 अगस्त को कमांडो कंपनी की उपस्थिति में श्रम अधीक्षक के साथ सीटू के प्रतिनिधियों की संयुक्त वार्ता होगी। जिसके बाद आगे की रणनीति बनाई जाएगी। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक ने हड़ताल समाप्ति के बाद धरना स्थल पर पहुंच कर कर्मचारियों की मांगों का समर्थन दोहराया और जल्द ही झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री से आउटसोर्सिंग कर्मियों का प्रतिनिधिमंडल मिलने की बात की। आंदोलन को सफल बनाने में आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष रंजीत राम, सचिव धीरज तिवारी, कोषाध्यक्ष अभिजीत कुमार राणा, विशाल राणा, नीरज कुमार साह, सत्येन्द्र यादव, शेखर कुमार, राजकिशोर, जगधात्री भगत, रजनी सिन्हा, महिमा भारद्वाज, प्रिंस पांडे, हीरालाल डोम, हेमंत कुमार, मुकुल, बबीता, सूफी, प्रेमलता, सुलतानी, साजन दास, दीपक कुमार, कंचन कुमारी, सरिता, प्रेमलता, रंजीत कुमार, शालिनी कुमारी, रंभा देवी, राधा कुमारी, कंचन कुमारी, रानी सिंह, चम्पा देवी, संजना कुमारी, आर्यन सहित सभी कर्मचारियों की भूमिका रही।

कोडरमा पुलिस ने चोरी का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा पुलिस ने चोरी के एक मामले का सफल उद्भेदन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गई संपत्ति की शत-प्रतिशत बरामदगी करने में सफलता हासिल की है। यह जानकारी मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। जानकारी के अनुसार, कोडरमा थाना क्षेत्र के वृन्दा गांव निवासी गुरु प्रसाद साव के घर में 8 जुलाई को अज्ञात अपराधियों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पीड़ित के आवेदन पर कोडरमा थाना कांड संख्या 136/26 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी अरविंद कुमार के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान टीम का गठन किया गया, जिसमें तकनीकी शाखा के कर्मियों को भी शामिल किया गया। तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज, मानवीय सूचना और वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने असनाबाद (अम्बाटांड) निवासी तौफिक अंसारी तथा करमा (पूर्वी गली) निवासी मो. आतिफ मंसूरी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर चोरी गए सोने-चांदी के आभूषण, नकद राशि, मोबाइल फोन, आर्टिफिशियल जेवरात समेत अन्य सामान तथा घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से कुल 10,000 नकद, सोने-चांदी के आभूषण, विभिन्न आर्टिफिशियल जेवरात, दो स्मार्टफोन, औजार और ज्वेलरी का बिल भी जब्त किया है। पुलिस के अनुसार चोरी गई संपत्ति की शत-प्रतिशत बरामदगी कर ली गई है। छापेमारी दल में कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक धनेश्वर कुमार तथा कोडरमा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कोडरमा पुलिस आमजन की सुरक्षा और अपराध नियंत्रण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

622 अभ्यर्थी लर्निंग ड्राइविंग टेस्ट में सफल, सौंपे गए ड्राइविंग लाइसेंस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : राज्य सरकार की पहल के तहत ड्राइविंग लाइसेंस निर्गत करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को मुख्यमंत्री सचिवालय, प्रोजेक्ट भवन, रांची में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोडरमा सहित सभी जिलों में किया गया। इस अवसर पर परिवहन विभाग, झारखंड और टाटा मोटर्स लिमिटेड के बीच जमशेदपुर में इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च (आईडीटीआर) की स्थापना के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री के निर्देश के आलोक में कोडरमा जिले के सभी प्रखंड कार्यालयों में ड्राइविंग लाइसेंस शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में कुल 955 लोगों ने लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन किया। ऑनलाइन ड्राइविंग टेस्ट में 622 अभ्यर्थी सफल हुए, जबकि 170 अभ्यर्थी असफल रहे। शेष आवेदक ऑनलाइन परीक्षा में शामिल नहीं हो सके। जिला मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त रवि जैन एवं जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी ने चयनित लाभुकों को ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किए। लाभुकों में कुमार आदित्य, रंजन कुमार, राजा सिंह, सौरभ कुमार, दानिश कैफ, सुमित कुमार चौधरी, सौरभ कुमार, पीयूष प्रसाद यादव एवं राजा कुमार केसरी शामिल रहे। कार्यक्रम में मोटर यान निरीक्षक कुमार शानू यादव, जोसफ टोप्पो, सहायक प्रशासी पदाधिकारी उदय शंकर बक्शी सहित परिवहन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

भाकपा माले पार्टी के संस्थापक प्रथम महासचिव का 54वां शहादत दिवस गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : भाकपा माले पार्टी के संस्थापक प्रथम महासचिव शहीद कॉ चारू मजूमदार के शहादत 28 जुलाई को दो मिनट मौन रखकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया वक्ताओं ने कहा 28 जुलाई को हम भारत के कम्युनिस्ट आंदोलन के महान क्रांतिकारी और भाकपा(माले) के संस्थापक महासचिव कॉमरेड चारु मजूमदार को उनकी 54वीं शहादत की बरसी पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस अवसर पर हम उन सभी दिवंगत नेताओं और महान शहीदों को भी सलाम करते हैं, जिन्होंने कम्युनिस्ट आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। 28 जुलाई हमारी पार्टी के पुनर्गठन का दिन भी है, जो 1970 के दशक की शुरुआत में पार्टी को लगे धक्कों के बाद संभव हुआ। इस मौके पर हम कॉमरेड चारु मजूमदार, कॉमरेड जौहर और कॉमरेड विनोद मिश्रा – तीन पूर्व महासचिवों – को याद करते हैं, जिन्होंने भीषण राज्य दमन और प्रतिकूल परिस्थितियों में चुनौतियों से भरे दौर में हमारी प्रिय पार्टी का निर्माण किया और उसका नेतृत्व किया. हम उनके अधूरे क्रांतिकारी मिशन को आगे बढ़ाने के लिए खुद को पुनः समर्पित करते हैं,कॉ चारू मजूमदार को लाल सलाम तीनों महासचिवों को लाल सलाम विनम्र श्रद्धांजलि सदा अमर रहे कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला सचिव मोहम्मद इब्राहिम प्रखंड सचिव मुंना यादव, किसान महासभा के जिला सचिव अशोक यादव तेतरौन पंचायत के उप मुखिया सलीम अंसारी मुश्ताक अंसारी जागेश्वर साव, हकीम खान विनोद दास नकुल देव शर्मा मोहन यादव राजकुमार यादव शहाबुद्दीन अंसारी समीम अंसारी मौजूद थे।

समरसता संकल्प अभियान से जन-जन तक पहुंचेंगे गुरु रविदास के विचार : अनूप जोशी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : भारतीय जनता पार्टी संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज के 650वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 29 जुलाई 2026 (गुरु पूर्णिमा) से 20 फरवरी 2027 (माघ पूर्णिमा) तक पूरे देश में समरसता संकल्प अभियान चलाएगी। इसकी जानकारी भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि भाजपा के केंद्रीय कार्यालय, नई दिल्ली में अभियान की घोषणा की गई है। अभियान का उद्देश्य संत गुरु रविदास महाराज के समरसता, समानता, सामाजिक न्याय और मानवता के संदेश को देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। अनूप जोशी ने कहा कि गुरु रविदास महाराज किसी एक समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के महान संत और पथप्रदर्शक हैं। उनका बेगमपुरा का दर्शन ऐसे समाज की परिकल्पना करता है, जहां भेदभाव, ऊंच-नीच, दुख और पीड़ा के लिए कोई स्थान नहीं हो। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास महाराज ने सदियों पहले समानता और बंधुत्व का जो संदेश दिया, वह आज भी पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा की संध्या पर देशभर के मंदिरों में समरसता दीप महोत्सव आयोजित किया जाएगा। वहीं कलश वंदन अभियान के माध्यम से गुरु रविदास महाराज की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर (वाराणसी) की पवित्र मिट्टी से भरे कलश प्रदेश, जिला, मंडल और गांव स्तर तक पहुंचाए जाएंगे। इसके अलावा 5 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक डेरा सचखंड बल्लां (जालंधर) से सीर गोवर्धनपुर (वाराणसी) तक श्री गुरु रविदास महाराज समरसता यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा का उद्देश्य सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता तथा संत रविदास के विचारों का व्यापक प्रचार-प्रसार करना है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के संकल्प की मूल भावना भी संत गुरु रविदास महाराज के विचारों से प्रेरित है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समाज के सभी वर्गों से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने और समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

जैन भवन के नवीनीकृत भवन का उद्घाटन, मुनि सुयश सागर जी ने दिया आशीर्वाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : शहर के जैन भवन के नवीनीकृत भवन का उद्घाटन मंगलवार को जैन संत मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज के सानिध्य और आशीर्वाद में संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में जैन समाज के पदाधिकारियों, विरागोदय वर्षा योग समिति के संयोजकों तथा वार्ड पार्षद पिंकी जैन ने संयुक्त रूप से फीता काटकर भवन का लोकार्पण किया। नवीनीकरण के दौरान विवाह समारोह हॉल सहित भवन के सभी कमरों को वातानुकूलित बनाया गया है और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि रेलवे द्वारा भवन के एक बड़े हिस्से का अधिग्रहण किए जाने के बाद इसके संचालन में कई तरह की समस्याएं आ रही थीं, जिसके कारण भवन का नवीनीकरण कराया गया। समारोह की शुरूआत आचार्य विशुद्ध सागर जी गुरुदेव के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन से हुई। कार्यक्रम का संचालन पंडित अभिषेक शास्त्री ने किया, जबकि मंगलाचरण समाज के गायक सुबोध गंगवाल ने प्रस्तुत किया। श्रद्धालुओं ने मुनि श्री सुयश सागर जी एवं मुनि कौशल्य सागर जी के चरणों का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुनि श्री सुयश सागर जी महाराज ने भवन नवीनीकरण समिति के सदस्य रौनक जैन कासलीवाल, राहुल छाबड़ा, कुणाल ठोलिया, ईशान सेठी, प्रसम सेठी, प्रतीक पांड्या और सिद्धांत सेठी को सफल कार्य के लिए विशेष आशीर्वाद दिया। समाज के कोषाध्यक्ष सुरेंद्र जैन काला, सुरेश जैन पांड्या और सह मंत्री राज छाबड़ा ने कहा कि युवा समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्हें जिम्मेदारी और विश्वास मिलने पर वे हर कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करते हैं। अपने प्रवचन में मुनि श्री सुयश सागर जी महाराज ने कहा कि जैन धर्म में अतिथि सेवा को व्रत के समान माना गया है। परिवार और समाज में आने वाले प्रत्येक अतिथि का सम्मान और सत्कार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैन भवन के आधुनिकीकरण से समाज के साथ-साथ पूरे शहर के लोगों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने वरिष्ठजनों की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं को अवसर और जिम्मेदारी मिलने पर वे समाज के लिए नए आयाम स्थापित कर सकते हैं। प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई प्रतिभा होती है, इसलिए सभी को सम्मान और प्रेम देना चाहिए। कार्यक्रम में विरागोदय वर्षा योग समिति के लोकेश पटौदी, सौरभ लोहारिया, शैलेश छाबड़ा, मनीष गंगवाल, विकास सेठी, संजय छाबड़ा, जोंटी काला, सुशील छाबड़ा, ललित सेठी, आशीष सेठी, अनिल कासलीवाल, विवेक छाबड़ा, प्रवीण पाटनी, नीलम सेठी, आशा गंगवाल, किरण ठोलिया, मोना छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। अंत में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

संक्षिप्त खबरें

गुरु पूर्णिमा पर शांतिकुंज हरिद्वार के लिए गायत्री परिवार के 25 परिजनों का जत्था रवाना

झुमरी तिलैया : गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सोमवार को झुमरी तिलैया, कोडरमा से गायत्री परिवार के 25 परिजनों का जत्था देहरादून एक्सप्रेस से शांतिकुंज, हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। सभी परिजन गुरु वंदना, साधना एवं आध्यात्मिक प्रशिक्षण में भाग लेकर गुरु के संदेश को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा समाज में उसका प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से यात्रा पर निकले हैं।जत्था के नायक एवं गायत्री परिवार के पूर्व मुख्य ट्रस्टी अर्जुन राणा ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पांच परिजन चार दिवसीय कार्यक्रम में शामिल होकर गुरु वाणी का अमृत ग्रहण करने के बाद लौटेंगे। वहीं 20 परिजन एक अगस्त से नौ अगस्त तक शांतिकुंज में आयोजित नौ दिवसीय विशेष साधना एवं प्रशिक्षण सत्र में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि शांतिकुंज गायत्री परिवार का गुरु धाम है, जहां साधना, आराधना और उपासना के माध्यम से जीवन को संस्कारित एवं अनुशासित बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मां के गर्भ में शिशु नौ माह में परिपक्व होकर जन्म लेता है, उसी प्रकार नौ दिवसीय साधना से साधक आध्यात्मिक रूप से परिपक्व होकर समाज सेवा के लिए तैयार होते हैं। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सभी साधक अपने-अपने क्षेत्रों में गुरु के संदेश, गायत्री मंत्र की महिमा तथा भारतीय संस्कृति के मूल्यों का प्रचार-प्रसार करेंगे। रवाना होने वाले परिजनों में अर्जुन राणा के अलावा रत्नेश जायसवाल, सुनीता सिंह, सोनी जायसवाल, पूनम सेठ, सुधा सिंह, देवयंती देवी, सुधा देवी, विभा कुमारी, बसंती देवी, शांति देवी, मंजू देवी, विद्यापति देवी, अनुपमा देवी, रीना सिंह, प्रियंका सिंह, दिलीप सिंह, तुषार सिंह, योगेंद्र प्रसाद राय, कैलाश देवी, बेबी देवी, वीणा देवी सहित अन्य गायत्री परिजन शामिल थे।

गुरु पूर्णिमा आजः उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में बनेगा शुभ संयोग, गुरु पूजन व लक्ष्मी-नारायण आराधना से मिलेगा विशेष पुण्य

झुमरी तिलैया : आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा के पावन अवसर पर 29 जुलाई (बुधवार) को गुरु पूर्णिमा श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाएगी। इस वर्ष यह पर्व उत्तराषाढ़ा नक्षत्र तथा प्रीति और आयुष्मान योग के शुभ संयोग में पड़ रहा है, जिसे धार्मिक दृष्टि से अत्यंत फलदायी माना गया है। सनातन परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी श्रेष्ठ स्थान प्राप्त है। मान्यता है कि गुरु की कृपा से ज्ञान, शांति, सुख और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। धर्माचार्य पंडित बसंत शास्त्री ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु पूजन के साथ भगवान लक्ष्मी-नारायण की आराधना करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। श्रद्धालु अपने गुरु का आशीर्वाद लेकर जीवन में ज्ञान, सद्बुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति की कामना करेंगे। पंडित बसंत शास्त्री ने बताया कि गुरु पूर्णिमा से साधु-संतों के चातुर्मास प्रवास की शुरुआत होती है। इस अवधि में संत-महात्मा एक ही स्थान पर रहकर प्रवचन, साधना और धर्मोपदेश के माध्यम से समाज का मार्गदर्शन करते हैं। वर्षा ऋतु का यह समय अध्ययन, तप और आध्यात्मिक साधना के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। उन्होंने बताया कि गुरु पूर्णिमा के दिन प्रातःकाल गंगा स्नान अथवा पवित्र जल से स्नान कर भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। विष्णु सहस्त्रनाम, पुरुष सूक्त तथा ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप अत्यंत शुभ माना गया है। भगवान को गंगाजल, पंचामृत से अभिषेक कर चंदन, पुष्प, खीर का भोग एवं घी का दीप अर्पित करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। पंडित बसंत शास्त्री ने बताया कि पूजा के उपरांत घर में शंख, घंटी, करताल और डमरू की ध्वनि करना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है तथा घर में सुख, समृद्धि और आरोग्य का वास होता है। इस दिन भगवान शिव की पूजा का भी विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महर्षि वेद व्यास का जन्म आषाढ़ पूर्णिमा के दिन हुआ था। उन्होंने वेदों का चार भागों में विभाजन किया तथा महाभारत जैसे महान ग्रंथ की रचना की। इसी कारण इस पर्व को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति में गुरु परंपरा के प्रति सम्मान, श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक मानी जाती है।

उत्क्रमित उच्च विद्यालय अम्बाडीह में जंगली हांथी जमकर उत्पात मचाया,बाउंड्री गेट एवं चार कमरों के लोहे के दरवाजे तोड़ दिया

मरकच्चो : प्रखंड क्षेत्र के पपलो पंचायत स्तिथ उतकर्मित उच्च विद्यालय अम्बाडीह में सोमवार की रात्रि जंगली हांथी ने भारी उत्पात मचाया। हांथी ने विद्यालय का बाउंड्री गेट तोड़कर परिसर में प्रवेश किया और चार कमरों के लोहे के दरवाजे तोड़ दिया इसके बाद कमरे में रखा मध्याह्न भोजन का रखा चावल व अन्य सामग्री को खा गया हांथी ने विद्यालय परिसर में काफी देर उत्पात मचाया। बाहर निकलने का राउडिंग गेट समेत बाउंड्री वाल को नुकसान पहुंचाया। वन विभाग कर्मी मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों की मदद से हांथियों को बाहर निकाला। इस दौरान तीनों हांथी भोजन सामग्री खाने के बाद बाउंड्री तोड़कर बाहर निकल गया।घटना की जानकारी मिलने पर मंगलवार विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजु यादव, विद्यालय प्रबंधन और ग्रामीण पहुंचे और विद्यालय में हुवे नुकसान का जायजा लिया।ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में पिछले कई दिनों से हांथीयों का झुंड विचरण कर रहा है।जिससे किसानों की फसलों के साथ साथ अब सरकारी संस्थान भी सुरक्षित नहीं है।ग्रामीणों ने वन विभाग से हांथीयों को आबादी वाले क्षेत्र से दूर सुरक्षित जंगल की ओर खदेड़ने तथा विद्यालय की सुरक्षा के लिएआवश्यक कदम उठाने की मांग की है। इस दौरान कई किसानों को भी नुकसान पहुंचाया है। घटना को लेकर उतकर्मित उच्च विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक राजू यादव ने वन विभाग एवं प्रखण्ड प्रशासन को आवेदन देकर हांथीयों द्वारा किए गए नुकसान की क्षति पूर्ति करने की मांग की है।

घर में घुसा अजगर को वन विभाग ने रेस्क्यु कर सुरक्षित निकाला

बरही : थाना क्षेत्र के दुलमाहा गांव में मंगलवार को एक पीडीएस दुकान में अजगर सांप घुस कर सुरक्षित स्थान पर बैठा था।राशन वितरण के दौरान जब गेहूं के बोरी को अलग किया गया तो देखा गया कि एक मोटा अजगर सांप एक स्थान पर गोल होकर बैठा हुआ।सांप को देखते ही लोग भयभीत हो चिल्लाने लगे। दुकानदार के सुझबूझ से उक्त घटना की जानकारी वन विभाग की टीम को दिया।वनपाल अमर आनन्द सरस्वती के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने तत्परता देखाते हुए तुरंत घटना स्थल पर पहुंच कर सांप को रेस्क्यु कर सुरक्षित बोरे में बंद कर घने जंगल की ओर छोड़ दिया।इस रेस्क्यु आपरेशन में वनपाल अमर आनन्द सरस्वती,अशिष कुमार, राकेश कुमार, आशुतोष यादव,तैहिर हुसैन,बिनोद मेहता शामिल थे।

एक नजर

पटमदा प्रखंड मुख्यालय में ₹23.50 लाख से बनेगा लैम्पस गोदाम

पटमदा : पटमदा प्रखंड मुख्यालय परिसर में कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग समेकित सहकारी विकास परियोजना कोषांग रांची जिला पूर्वी सिंहभूम के सौजन्य से पटमदा प्रखंड के लावा पंचायत में लैम्पस लि का एक सौ एमटी क्षमता वाला गोदाम का 23 लाख 50 हजार की राशि से निर्मित भवन का शिलान्यास मंगलवार को विधायक प्रतिनिधि, सांसद प्रतिनिधि एवं पार्षद ने नारियल फोड़कर किया गया। शिलान्यास कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू, पार्षद प्रदीप बेसरा,सांसद प्रतिनिधि महावीर महतो,सुभाष कर्मकार, सिजेन हेंब्रम, मानिक महतो, भीम महतो, अनादि कुंभकार, रवि, रामपद महतो, सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

बासुकीनाथ में मुख्य सचिव का डीसी ने किया स्वागत

दुमका : डीसी अभिजीत सिन्हा और एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने राजकीय श्रावणी मेला के अवसर पर बासुकीनाथ धाम पहुंचे मुख्य सचिव अविनाश कुमार का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर डीसी ने मुख्य सचिव को सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुख्य सचिव के आगमन पर जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

राशन वितरण, ई-केवाईसी और आधार सीडिंग में तेजी लाएं अधिकारी : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : उपायुक्त मो जावेद हुसैन की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय टास्क फोर्स (आपूर्ति) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राशन आपूर्ति, लाभुकों के बीच खाद्यान्न वितरण, आधार व मोबाइल नंबर सीडिंग, ई-केवाईसी, राशन कार्ड, सोना सोबरन धोती-साड़ी-लुंगी योजना तथा मिड डे मील (एमडीएम) खाद्यान्न सहित आपूर्ति विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत राशन वितरण की स्थिति का आकलन किया।

उन्होंने सभी जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानदारों को समय पर खाद्यान्न उठाव कर निर्धारित मात्रा में लाभुकों के बीच वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से पीडीएस दुकानों का निरीक्षण कर व्यवस्था की निगरानी करने को कहा। उपायुक्त ने प्रत्येक माह चावल दिवस आयोजित कर अधिक से अधिक लाभुकों तक खाद्यान्न पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने सोना सोबरन धोती, साड़ी और लुंगी वितरण योजना का लाभ पात्र लाभुकों तक समय पर पहुंचाने के भी निर्देश दिया। बैठक में आधार और मोबाइल नंबर सीडिंग और ई-केवाईसी की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने इन कार्यों में तेजी लाने और सभी पात्र राशन कार्डधारियों का शत-प्रतिशत ई-केवाईसी प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं पीडीएस डीलरों को दिया। इसके अलावा सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को लैम्प्स केंद्रों, राशन दुकानों और गोदामों का निरीक्षण कर खाद्यान्न के रखरखाव और भवनों की स्थिति की रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा गया। एमडीएम योजना के तहत स्कूलों के लिए खाद्यान्न का समय पर उठाव सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिया गया। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

ईचागढ़ में अवैध खनिज परिवहन पर कार्रवाई, तीन वाहन जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ के निदेशानुसार सोमवार की देर रात जिला खनन पदाधिकारी के नेतृत्व में जिला खनन विभाग द्वारा अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी, ईचागढ़ के साथ ईचागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत पातकुम क्षेत्र में बालू एवं पत्थर खनिज के अवैध परिवहन के विरुद्ध संयुक्त रूप से सघन वाहन जांच एवं छापामारी अभियान चलाया गया। जांच अभियान के दौरान खनिज लदे सभी वाहनों के परिवहन चालान एवं खनिज की मात्रा का सत्यापन किया गया। निरीक्षण के क्रम में पातकुम चौक के समीप पत्थर खनिज से लदे हाइवा वाहन संख्या जेएच 05 सीएफ 0396 में परिवहन चालान में अंकित मात्रा से अधिक खनिज का परिवहन करते पाया गया। वहीं, बालू खनिज से लदे दो

ट्रैक्टर बिना वैध परिवहन चालान के बालू का परिवहन करते पाए गए। अनियमितता पाए जाने पर उक्त तीनों वाहनों को जब्त कर सुरक्षार्थ ईचागढ़ थाना में सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में जिला खनन विभाग द्वारा खनन अधिनियम एवं प्रचलित विधिक प्रावधानों के तहत नियमानुसार अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। अवैध खनन, भंडारण एवं खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि जिले में इस प्रकार की गतिविधियों को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध खनन, भंडारण अथवा परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों एवं वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

उपायुक्त से गुहार के बाद पेलावल उप स्वास्थ्य केंद्र शुरू होने की आस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पेलावल विकास मंच (पीवीएम) का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को हजारीबाग उपायुक्त महोदय के जनता दरबार में पहुंचकर पेलावल दक्षिणी उप स्वास्थ्य केंद्र को जल्द चालू कराने हेतु गुहार-पत्र सौंपा। उल्लेखनीय है कि लगभग 10 वर्ष पूर्व इस केंद्र की नींव पेलावल दक्षिणी पंचायत भवन के बगल में रखी गई थी। भवन की ढलाई के बाद निर्माण कार्य वर्षों तक बाधित रहा। पीवीएम के लगातार प्रयास और ग्रामीणों की मांग के बाद दोबारा काम शुरू हुआ। लगभग एक वर्ष पूर्व भवन का निर्माण पूर्ण हो चुका है, लेकिन अब तक उसका हैंडओवर नहीं हो पाया है। इसी मामले को लेकर आज पीवीएम प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त महोदय को लिखित एवं मौखिक रूप से वस्तुस्थिति से अवगत कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त महोदय ने तत्काल संज्ञान लेते हुए गुहार-पत्र के साथ प्रतिनिधिमंडल को उप विकास आयुक्त महोदया के पास भेजा।

मुक्ति सेवा संस्था को समर्पित किया गया शव वाहन ट्रॉली, जरूरतमंदों को मिलेगी सुविधा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : श्मशान काली मंदिर परिसर में मंगलवार को एक सराहनीय पहल के तहत शव वाहन ट्रॉली जनमानस के हित में समर्पित की गई। यह ट्रॉली स्वर्गीय अरुण कुमार साहू के सुपुत्र रमण साहू एवं सुमन साहू के सौजन्य से मुक्ति सेवा संस्था को सौंपी गई। कार्यक्रम की शुरूआत गणमान्य लोगों द्वारा फीता काटकर की गई। इसके बाद ट्रॉली को विधिवत रूप से संस्था के पदाधिकारियों को सौंपा गया। इस अवसर पर मुक्ति सेवा संस्था के संरक्षक राजा पुष्पेन्द्र नाथ सिंह देव, निर्मल साहू, राधेश्याम साहू, राजेश साहू, दीपक साहू, प्रताप भगत, विनय चक्रवर्ती, मनोज रजक, भागवत सोनार, भरत विश्वकर्मा, सुरेश मुंडा, भादुड़ी गोराई, रमेश जालान, प्रकाश अग्रवाल, प्रदीप सिंह, माणिक आश और कमल किशोर कुशवाहा सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। रमण साहू ने कहा कि उनके पिता हमेशा जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर रहते थे। उनकी स्मृति में यह ट्रॉली दी गई है ताकि असहाय परिवारों को अंतिम यात्रा के समय किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि यह सेवा कार्य आगे भी जारी रहेगा। मुक्ति सेवा संस्था के संरक्षक राजा पुष्पेन्द्र नाथ सिंह देव ने दानदाताओं के प्रति आभार जताया।

सीएसपी लूटकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार हत्या के मामले में भी जा चुका है जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र में सीएसपी संचालक से हुई लूट की घटना के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी को बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की तैयारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, अमड़ापाड़ा थाना कांड संख्या 62/25 के तहत दर्ज मामले में गोपीकांदर थाना क्षेत्र के गंभरिया गांव निवासी अरतेश मुर्मू (39), पिता स्वर्गीय सकल मुर्मू को गिरफ्तार किया गया है। वह इस मामले का अप्राथमिकी अभियुक्त है। गौरतलब है कि यह मामला 12 सितंबर 2025 को अमड़ापाड़ा-सिंगारसी मुख्य पथ स्थित बोका मोड़ के समीप सीएसपी संचालक रंजीत भगत के

साथ हुई लूट की घटना से जुड़ा है। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 309(4) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अनूप रोशन भेंगरा के निर्देश पर गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। छापेमारी दल में अमड़ापाड़ा थाना के एसआई पप्पू कुमार, गोपीकांदर थाना प्रभारी सुमित भगत तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अरतेश मुर्मू का आपराधिक इतिहास भी रहा है। वह पूर्व में गोपीकांदर थाना क्षेत्र के एक हत्या के मामले में जेल जा चुका है। इस लूटकांड में पुलिस पहले ही मुख्य आरोपी मंजीत मुर्मू और कोलेस हांसदा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज चुकी है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के 650वें जयंती वर्ष पर चलेगा समरसता संकल्प अभियान : रामकुमार पाहन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज के 650वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में देशव्यापी समरसता संकल्प अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य संत गुरु रविदास महाराज के समरसता, समानता, सामाजिक न्याय एवं मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। पूर्व विधायक रामकुमार पाहन ने जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान 29 जुलाई (आषाढ़ पूर्णिमा) से प्रारंभ होकर 20 फरवरी (माघ पूर्णिमा) तक व्यापक जनभागीदारी के साथ संचालित किया जाएगा। अभियान के

अंतर्गत विभिन्न चरणों में सामाजिक, धार्मिक एवं जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 29 जुलाई से 10 सितंबर तक कलश वंदन अभियान के माध्यम से संत गुरु रविदास महाराज की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी की पवित्र मिट्टी से भरे कलश जिले के प्रत्येक गांव तक पहुंचाए जाएंगे। साथ ही गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मंदिरों में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त 29 जुलाई से 31 अगस्त तक संत संपर्क अभियान, 5 अक्टूबर से 5 नवंबर तक समरसता यात्रा तथा 26 नवंबर से 15 जनवरी तक छात्रावास संपर्क अभियान संचालित किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के सभी वर्गों तक संत गुरु रविदास महाराज के विचारों एवं उनके समरस समाज के संदेश को पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। रामकुमार पाहन ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज ने अपने जीवन और वाणी से जाति-पांति, ऊंच-नीच एवं भेदभाव से मुक्त समाज का मार्ग प्रशस्त किया। उनके विचार आज भी सामाजिक समरसता, समानता और मानव कल्याण के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि संत गुरु रविदास महाराज के आदर्शों को आत्मसात कर ही समरस, सशक्त एवं विकसित भारत के निर्माण का संकल्प साकार किया जा सकता है। विनय महतो धीरज ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज ने समाज के करोड़ों शोषित, वंचित और उपेक्षित लोगों में सम्मान, आत्मविश्वास और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा जगाई। उन्होंने सामाजिक सुधार, समरसता, सद्भाव और मेल-मिलाप का मार्ग प्रशस्त किया। यही कारण है कि आज देशभर में करोड़ों लोग जाति और धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, रामगढ़।

—: सूचना :—

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि PR No. 385376 में प्रकाशित ई निविदा सूचना संख्या–RDSD/RAMGARH/10/2026-27 (Gola Vendor Market Development Scheme For Promotion of Local Livelihoods (Phase-II)) जिसका कार्य पूर्ण करने की अवधि 03 माह के स्थान पर 12 (बारह) माह समझा जाय।

शेष सभी यथावत् है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,
रामगढ़।

PR 386023 (District) 26-27 (D)

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।

सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–संजु देवी, उम्र–58 वर्ष, उँचाई–5 फिट, रंग–गोरा, पहनावा–कथा रंग की साड़ी पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला संजु देवी, उम्र–58 वर्ष, अभिभावक–राजेश नागी, ग्राम–पालु, पो0–पालु, थाना–ओरमॉझी, जिला–राँची जो दिनांक–27.06.2026 को वृद्वाश्रम ओरमॉझी से बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। जिसके संबंध में ओरमॉझी थाना सनहा सं0–14/2026, दिनांक–06.07.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली, रॉची। –9431770066
थाना प्रभारी, ओरमॉझी, राँची। –9431706183
आवेदक धनेश्वर बेदिया । –7481910707

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची।

PR 386090 (Police) 26-27 (D)

कार्यालय जिला परिषद, गुमला

सैरात बन्दोवस्ती हेतु अल्पकालीन आम सूचना

एतद् द्वारा सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि जशपुर रोड, गुमला अन्तर्गत सैरात **बिरसा मुण्डा एग्रो पार्क (कैफेटेरिया सहित)** का **तीन वर्षो** के लिये बन्दोवस्ती हेतु दिनांक 18–08–2026 को जिला परिशद, गुमला के कार्यालय परिसर में अपराहन् 3.00 बजे से डाक हेतु बोली आयोजित की गयी है, जिसका विवरणी निम्नप्रकार है :–

क्र0	सैरात का नाम	न्युनतम डाक की राशि	जमानत की राशि	आवेदन प्रपत्र शुल्क
1.	जशपुर रोड, गुमला अन्तर्गत सैरात बिरसा मुण्डा एग्रो पार्क (कैफेटेरिया सहित)	39,10,000/– प्रति वर्ष	3,91,000/–	2,500/–

1. आवेदन प्रपत्र दिनांक **06–08–2026** से दिनांक **14–08–2026** तक निर्धारित राशि का डिमांड ड्राफ्ट, जो सचिव, जिला परिषद, गुमला के पदनाम से प्रतिज्ञित एवं गुमला में भुगतेय हो, जमा कर कार्यालय अवधि में प्राप्त किया जा सकता है।
2. डाक में भाग लेने वाले इच्छुक डाकवक्ता के द्वारा जमानत राशि का डिमांड ड्राफ्ट, जो सचिव, जिला परिषद, गुमला के पदनाम से प्रतिज्ञित एवं गुमला में भुगतेय हो, दिनांक **14–08–2023** तक जिला परिषद कार्यालय, गुमला में जमा करना होगा। डाक समाप्ति के पश्चात् प्रथम एवं द्वितीय डाकवक्ता को छोड़कर बाकी डाक बोलने वाले व्यक्ति को जमानत राशि का डिमांड ड्राफ्ट डाक समाप्ति के पश्चात् लौटा दिया जायगा।
3. विस्तृत शर्त्तें से संबंधित सहमति पत्र आवेदन के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा।
4. विस्तृत आम सूचना के नियम व शर्तें गुमला जिला के वेबसाइट– **www.gumla.nic.in**/ जिला परिषद् के सूचना पट्ट/अनुमण्डल कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

उप विकास आयुक्त–सह–सचिव,
जिला परिषद, गुमला।

PR 386071 (District) 26-27 (D)

उपायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग
(जिला योजना)
e-Mail:- dpohazaribagh@gmail.com

ज्ञापांक- XXXIV-20/2026–447/जि0यो0 दिनांक–23.07.2026

रूचि की अभिव्यक्ति (EOI)

हजारीबाग जिला के शहरी क्षेत्र अंतर्गत कुल 124 स्थानों पर 448 Fixed, PTZ एवं ANPR तीनों प्रकार की CCTV Camera Surveillance System के अधिष्ठापन एवं सफल संचालन कार्य हेतु विभिन्न शर्त्तो के साथ **''रूचि की अभिव्यक्ति'' (EOI) GeM Portal पर** आमंत्रित की जाती है। इच्छुक संस्थान/फर्म निम्नांकित शर्त्तो के अनुरूप अपना मुहरबंद रूचि की अभिव्यक्ति एवं विस्तृत विवरणी GeM portal पर अपलोड एवं जिला योजना कार्यालय, हजारीबाग, समाहरणालय भवन, द्वितीय तल्ल में जमा किया जाना है, जिसकी अनुमानित लागत–4,90,00,000/–(चार करोड़ नब्बे लाख) रूपये निर्धारित किया गया है। साथ ही, प्री–बीड बैठक के उपरांत आवश्यकता एवं तकनीकी औचित्य के आधार पर Fixed, PTZ एवं ANPR CCTV कैमरों की संख्या में वृद्धि अथवा कमी किए जाने का निर्णय लिया जा सकेगा। तिथि एवं समय निम्नांकित है :–

क्र0	विवरणी	तिथि एवं समय
1	रूचि की अभिव्यक्ति प्रकाशन की तिथि	24.07.2026
2	प्री–बीड प्रश्न प्राप्त करने की प्रारम्भिक तिथि	25.07.2026 10:30 पूर्वाहन
3	प्री–बीड प्रश्न प्राप्त करने की अंतिम तिथि	31.07.2026 11:00 पूर्वाहन
4	प्री–बीड की बैठक	01.08.2026 03:00 अपराह्न
5	Corrigendum प्रकाशन की तिथि	05.08.2026
6	बीड जमा करने की प्रारम्भिक तिथि	05.08.2026 10:30 पूर्वाहन
7	बीड प्राप्त करने की अंतिम तिथि	14.08.2026 05:00 अपराह्न
8	तकनिकी बीड खोलने एवं PPT Presentation की तिथि	17.08.2026 01:00 अपराह्न
9	वित्तीय बीड खोलने की तिथि	GeM Portal द्वारा निर्धारित समयानुसार

निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात् जमा किये जाने वाले रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) के नियम एवं शर्त्तें, संलग्न किये जाने वाले दस्तावेजों की विवरणी, समाहरणालय, हजारीबाग के वेबसाईट https://www.hazaribag.nic.in पर देखा जा सकता है।

नोटः– उक्त EOI की वैद्यता 90 दिनों की होगी, 90 दिनों के अन्दर EOI प्रक्रिया किसी भी कारण पूर्ण नही की जाती है, तो EOI स्वतः समाप्त/रद्द/निरस्त समझा जायेगा।

उप विकास आयुक्त
हजारीबाग

PR 386003 Planning and Development(26-27).D

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची।

अति अल्पकालिन निविदा सूचना –29/2026–27

1) विभाग का नाम : पेयजल एवं स्वचछता विभाग, झारखण्ड, रॉची ।
2) विज्ञापन दाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल, रॉची पूर्व रॉची ।
3) परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय : 4.8.2026 अपराहन 5 बजे तक।
4) निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 5.8.2026 अपराहन 3:30 बजे तक।
5) निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 5.8.2026 अपराह्न 4 बजे।
6) परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : 1) कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉची पूर्व, रॉची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता, रॉची अंचल, रॉची।
7) निविदा प्राप्ति का स्थान : 1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉची पूर्व, रॉची।
8) कार्य विवरणी :

क्र0	कार्य का नाम	प्रा० राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण वि० का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Seepage repair and Renovation of toilet and improvement of water supply with replacement of sanitary fittings and sewerage work at Room no.-205, 206 & 212 Nepal House Doranda under D. W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi	1915626.00	38400.00	5000.00	30 Days
2	Renovation of out house toilet cum bathroom, replacement of sanitary fittings, improvement of sewerage work, water storage tank and other allied work at Staff Quarter No.-A/7 Miscot maidan Doranda & other High courts quarters under D. W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	688675.00	13800.00	1250.00	15 Days
3	Renovation of Toilet and bath room, and kitchen, Improvement of W/S, sanitary fittings & Sewerage Work at Quarter no. M.O.-11, 56 Set, Doranda and other Jharkhand Highcourt pool quartes, Ranchi Under D W&S.Division Ranchi East Ranchi.	843936.00	16900.00	1250.00	15 Days
4	Special repair and improvement of water supply with replacement of GI pipe & sanitary fittings and connection of water supply at Quarters no.83/124 set, C-9 Bhawanipur, M.0.-B-79/124Set, 12/56Set, 51/56 Set, Doranda & others Highcourt quarters Ranchi and allied others works under D. W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	733785.00	14700.00	1250.00	15 Days
5	Supply & Installation of 2000 LPH Iron and Turbidity Removal filtration plant with Multiport Valve & necessary water supply pipe line and its allied work at officer's flat,Doranda, Ranchi under D.W. & S. Division, Ranchi East Ranchi.	654946.00	13100.00	1250.00	15 Days

आवश्यक शर्तो के लिए देखें www.jharkhand.gov.in • Email ID- eedwsd.ranchieast@gmail.com

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्व० प्र० रॉची पूर्व रॉची ।

PR 386030 (Drinking Water and Sanitation) 26-27 (D)

आधुनिक तकनीकों से मिली 'बाघ संरक्षण'अभियानों को ऊर्जा?

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस मनाने का मुख्य मकसद विश्वभर में तेजी से घटती बाघों की आबादी को रोकने एवं उनके संरक्षण के प्रति समूची दुनिया को जागरूक करना है। यह दिन जंगल की शान कहे जाने वाले बाघों के लिए समर्पित है। सालाना ये दिन 29 जुलाई को पूरे संसार में मनाया जाता है। शुरूआत रूस स्थित "पीटरसबर्ग टाइगर संरक्षण शिखर सम्मेलन" के दौरान वर्ष-2010 में की गई थी। विश्व में बाघों की संख्या करीब 78 फीसदी तक घट चुकी है। गनीमत है कि भारत बाघों के मामले में अभी भी टॉप पर है। वैश्विक स्तर के आंकड़ों पर गौर करें तो अनुमानित, बाघों की संख्या पूरे विश्व में लगभग 5,500 के बीच है। इनमें से 72 प्रतिशत आबादी अकेले भारत में ही है। साल 2022 बाघ गणना में भारतीय जंगलों और टाइगर रिजर्व में 3,682 जंगली बाघ थे, इनमें पिछले दो वर्षों में इजाफा ठीक-ठाक हुआ। 'ग्लोबल टाइगर दिवस-2025' की थीम थी- 'हमारे हाथों में है बाघों का संरक्षण।' बाघों की आबादी के मामले में भारत के अलावा दूसरे पायदान पर रूस है। अखिल भारतीय बाघ जनगणना-2022 में बाघों की जितनी संख्या बताई गई थी, उनमें अब 12 फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। हालांकि, संपूर्ण संख्या अगली गणना में ही सामने आएगी। बाघ संरक्षण की दिशा में बीते कुछ वर्षों से सराहनीय प्रयास हुए हैं। बाघों का सर्वेक्षण आधुनिक तकनीकों से किया जाने लगा है। प्रत्येक टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में कैमरे लगवाए गए हैं, ताकि उनकी आबादी का सही-सही आंकड़ा सामने आ सके और उनकी चहलकदमी पर नजर रखी जा सके। पिछली बाघ गणना के दौरान मध्य प्रदेश के शिवपुरी में एकाध बाघ दिखे तो केंद्र सरकार ने 9 मार्च 2025 को उस जगह को 58 वां टाइगर रिजर्व स्थापित कर दिया जिसका नाम 'माधव राष्ट्रीय उधान' रखा गया। यह प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व है। गौरतलब है कि भारत में बाघों की गणना प्रत्येक 5 साल बाद की जाती है पिछली गणना 2022 में हुई थी, अगली गणना मार्च-2027 में करवाने का प्रस्ताव पारित है। बाघों की आबादी जितनी होनी चाहिए, उतनी है नहीं। बाघ संरक्षण पर केंद्र सरकार सालाना करीब 250 से 290 करोड़ रूपए खर्च करती है। वन्य जीव रेस्क्यू सेंटर में रखे गए प्रत्येक बाघ पर साल में 20 लाख से ज्यादा खर्च होता है। आजादी से पूर्व 100 साल पहले यानी 1926 के आसपास में भारत में बाघों की आबादी सर्वाधिक एक लाख से भी अधिक हुआ करती थी, जो घटती-घटती आज कुछ हजारों तक ही सिमट गई। उत्तराखंड स्थित सिर्फ जिम कॉर्बेट में ही हजारों बाघ पाए जाते थे। हालांकि, सर्वाधिक संख्या आज भी वहीं है। पिछली गणना में 231 बाघ बताए गए थे। इस समय मध्य प्रदेश में 785, कर्नाटक में 524 बाघ हैं। बाघों के लुप्त होते कारणों में आवासों की कमी, वन-विखंडन, अवैध शिकार, मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसे मुख्य वजहें हैं। अगर ये रूक जाएं तो बाघों की संख्या एकाएक बढ़ जाएगी। एशिया के कुछ देश ऐसे हैं जहां बाघ पूरी तरह से विलुप्त हो गए हैं उनमें, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं। कुछ देश इस मामले में विलुप्ति की कगार पर हैं। बाघों का अवैध शिकार समूचे संसार में तेजी से जारी है। होता क्यों है? ये भी जानना जरूरी है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में बाघों के अंगों की सदैव से भारी डिमांड रही है जिनमें एशियाई बाघों की सबसे ज्यादा। इसे देखते हुए बाघ संरक्षण के क्षेत्र में और सख्ती बरतने की जरूरत है। कानूनों को कठोर और जुमानें का भारी-भरकम प्रावधान किए जाने की जरूरत है। ताकि, कोई भी नुकसान पहुंचाने से पहले सौ बार सोचे। पिछले एक वर्ष में विभिन्न राज्यों में करीब 75 लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई, कइयों को जेल भी हुई। नरसिंहपुर, बालाघाट और बांधवगढ़ में बाघों के अवैध शिकार व अंगों की तस्करी मामलों में मार्च 2025 में एक साथ दर्जनों शिकारियों की गिरफ्तारी हुई थी। आरोपियों पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम-1972 के तहत कार्रवाई की जाती है जिसमें 3 से 7 साल की कैद का प्रावधान है।

अज्ञानता से मुक्ति और ज्ञान का मार्ग गुरु प्रशस्त करता है

विजय केसरी

अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का अर्थ है, अज्ञानता से मुक्ति और ज्ञान की प्राप्ति। मानवीय जीवन में ज्ञान का बहुत ही महत्व है । सभी जीवो में मनुष्य जाति सबसे श्रेष्ठ इसलिए बन पाया कि उसके पास ज्ञान का धन है। ज्ञान प्राप्ति के बाद व्यक्ति स्वयं में विराजमान असत्य को निकाल कर सत्य को आत्मसात कर पाता है। ज्ञान प्राप्ति के पूर्व व्यक्ति सत्य और असत्य के भेद को समझ नहीं पाता है। व्यक्ति को ज्ञान प्रदान करने वाले को गुरु कहते हैं। हम सबको कोई जानना चाहिए कि अज्ञानता से मुक्ति और ज्ञान का मार्ग गुरु ही प्रशस्त कर सकता है।भारतीय संस्कृति और रीति-रिवाज में गुरु का बहुत ही महत्व है। भारतीय समाज आदि काल से गुरु को भगवान से भी ऊंचा स्थान प्रदान करता रह रहा है। संत कबीर ने दर्ज किया है, "गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय, बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताए"। कबीर ने उक्त पंक्तियों के माध्यम से स्पष्ट कर दिया है कि भगवान और गुरु दोनों जब आपके समक्ष उपस्थित हों, तो पहले गुरु को प्रणाम अर्पित करें। किसी भी व्यक्ति के अंदर में जो भी अध्यात्मिक, पुनर्जागरण और क्रांतिकारी बदलाव आते हैं, उसमें गुरु की भूमिका अहम होती है। गुरु भगवान नहीं होते हैं, किंतु गुरु ही अपने शिष्यों को भगवान तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। हम सबों को यह याद रखना चाहिए कि गुरु ही नर से नारायण बनाने की क्षमता रखते हैं। अर्थात नर से नारायण बनाती है, गुरु सत्ता। गुरु स्वयं में एक प्रकाश होते हैं। गुरु का प्रकाश शिष्य के भीतर जाए, इस निमित्त गुरु अपनी पूरी आध्यात्मिक तप शक्ति लगा देते हैं। कोई भी व्यक्ति गुरु के पास इसलिए जाता है कि वह अंधकार, अज्ञानता से मुक्ति पाएं। उसके मन में अज्ञानता और अंधकार को मिटाने की जिज्ञासा जागृत होती है। तब ही वह गुरु के पास आता है। गुरु, ईश्वरीय माया के वशीभूत व्यक्ति को सांसारिक प्रपंच से निकालकर ईश्वरीय अनुग्रह को जागृत कर अपने गुरु धर्म का पालन करता है। हमारे धर्म ग्रंथों में दो प्रकार के गुरुओं का विशेष रुप से उल्लेख मिलता है। देवताओं के गुरु बृहस्पति माने जाते हैं। वहीं दूसरी ओर दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य माने जाते हैं। दोनों गुरुओं की अलग-अलग महता है । देवताओं के गुरु, इसलिए विशेष रुप से पूछे जाते हैं कि उन्होंने सत्य मार्ग पर चलने का मार्ग प्रशस्त किया। दूसरी ओर दैत्यों के गुरु अपने शिष्यों में दुर्गुण विचारों को पुनर्जीवित कर अपने गुरु धर्म का पालन सत्य प्रेरणा से नहीं किया। फलतः दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य को जगत में वह सम्मान नहीं कर मिल पाया। गुरु अपने गुरु एवं ईश्वर की कृपा से गुरू बनते हैं। उनको जो अध्यात्मिक और ज्ञान की शक्ति प्राप्त होती है, उसका सही दिशा में प्रयोग ही श्री श्रेष्यकर है। अगर गुरु अपने शिष्यों में दुर्गुण से भरते हैं तो वे शुक्राचार्य की तरह ही जगत में पूजीत नहीं हो पाते हैं। इसलिए वर्तमान परिपेक्ष में चाहे वे आध्यात्मिक गुरु हों, शैक्षणिक गुरु हों, उपरोक्त बिंदुओं पर गंभीरता पूर्वक विचार कर सत्य मार्ग की ओर ले जाने वाला ही संदेश अपने शिष्यों के बीच बांटे। संपूर्ण भारतवर्ष में गुरु पूर्णिमा पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन शिष्य अपने अपने गुरुओं की आराधना करते हैं। कई शिष्यों के उनके गुरु जीवित रहने पर इस दिन शिष्यगण उनकी विशेष सेवा करते हैं, और गुरु से अमृतवाणी प्राप्त करते हैं। विचारणीय बात यह है कि आषाढ़ शुक्ल पक्ष का पूर्णिमा का दिन बहुत ही पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन शिष्यगण अपने अपने गुरुओं से दीक्षित भी होते हैं। गुरु द्वारा शिष्यों को पवित्र किया जाता है। उन्हें संकल्पित सूत्र से बांधा जाता है। हिंदू धर्म ग्रंथों में इस दिन की महत्ता पर बहुत कुछ दर्ज किया गया है। इन्हीं बातों के पाठन से ज्ञात होता है कि ईसा से 3000 वर्ष पूर्व गुरु पूर्णिमा के दिन ही महर्षि वेदव्यास जी का प्रादुर्भाव इस धरा पर हुआ था। महर्षि वेदव्यास जी ने ही चारों वेदों सहित उपनिषद और पुराणों की रचना की। इसलिए भारतीय समाज में वे पहले गुरु के रूप में पूजे जाते हैं और माने भी जाते हैं। महर्षि वेदव्यास जी का संपूर्ण जीवन शास्त्रों की रचना में बीता था। उन्होंने जिस तरह के शास्त्रों की रचना की वह कदापि एक मनुष्य संभव नहीं हो सकता। महर्षि वेदव्यास त्रिकालदर्शी के साथ जगत के कल्याण के लिए चारों वेदों, पुराणों और उपनिषद की रचना की थी। हजारों साल बीत जाने के बाद भी महर्षि वेदव्यास जी की कृति की सार्थकता उसी प्रकार बनी हुई है। आज भी लाखों करोड़ों लोगों को उनकी कृतियां मार्ग प्रशस्त करती रह रही है।

आज की बदली परिस्थितियों में गुरु की महत्ता और भी बढ़ गई है। भारतीय वांग्मय के अध्ययन से ज्ञात होता है कि किसी भी युग व काल खंड में गुरु की महत्ता कम नहीं हुई। सतयुग, द्वापर युग, त्रेता युग के काल खंडों में रचित शास्त्रों के अध्ययन से प्रतीत होता है कि किसी भी युग के कालखंड में गुरु की महिमा कम नहीं हुई बल्कि हर कालखंड में गुरु की महिमा बढ़ती ही रही थी। वाल्मिकी रचित रामायण गुरु शिष्य परंपरा को बहुत ही मजबूती के साथ स्थापित करता है। माता-पिता से भी ज्यादा हक उनके पुत्रों पर गुरु का होता है। राजा दशरथ ने कभी भी अपने पुत्रों के गुरु की बातों की अवहेलना नहीं की बल्कि उनके आदेशों का अक्षरश पालन किया। द्वापरयुग में भगवान श्री कृष्ण और सुदामा एक ही गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त करते हुए मित्र बन पाए थे । दोनों ने कभी भी गुरु के आदेशों की अवहेलना नहीं किया। गुरु ने दोनों को जो भी आदेश दिया दोनों ने बखूबी निभाया। सत्ययुग कालखंड में रघुकुल के पूर्वज राजा दिलीप ने गुरु की बड़ी सेवा की थी। इस कालखंड में राजा हरिश्चंद्र का भी प्रादुर्भाव हुआ था। सत्य के निर्वहन के लिए उन्होंने अपना सब कुछ गंवा दिया, किंतु गुरु से लिया सत्य का संकल्प को कभी टूटने नहीं दिया। अर्थात हर कालखंड में गुरु को भगवान से भी ऊपर स्थान प्राप्त होता रहा है। द्वापर में जब गुरु द्रोणाचार्य ने एकलव्य से गुरु दक्षिणा के रूप में उसका अंगूठा मांग लिया था, तब एकलव्य ने गुरु का मान रखने के लिए हंसते-हंसते अपने अंगूठे को काटकर गुरु के चरणों में अर्पित कर दिया था। हमारे समाज में अब तक जितने भी महापुरुष अवतरित हुए सबों ने गुरु से ही ज्ञान प्राप्त किया। बीते तीनों काल खंडों के अवलोकन से यह बात प्रकाश में आती है कि राजा भी अपने दरबार में ज्ञानियों और गुरु को विशेष दर्जा प्रदान करते थे। राज दरबार में उनके लिए विशेष सिंहासन लगाकर तथा विभिन्न समस्याओं के निराकरण में उन सबों से राय ली जाती थी। राजा उनके राय को गंभीरता से लेते थे और विचार पूर्वक लागू भी करते।

गुरु पूर्णिमा पर हम सबों का नैतिक कर्तव्य बनता है कि अपने अपने गुरुओं को स्मरण करें । व्यक्ति को कभी भी अपने गुरु का अनादर नहीं करना चाहिए । संत कबीर ने इस संदर्भ में एक बड़ी अच्छी बात दर्ज की है कि कबीरा वे नर अंध है, जो गुरु कहते और हरी रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहीं ठौर। भगवान अगर रूठ जाते हैं तो गुरु के यहां ठौर है। अगर गुरु रूठ जाते हैं तो ठौर के लिए कोई स्थान नहीं बचता है। इसलिए जिनके भी माध्यम से हम लोगों ने जीवन में ज्ञान रूपी प्रकाश को प्राप्त किया है। उन्हें कभी भी अनादर नहीं करना चाहिए। जब जीवन में खून निराशा उत्पन्न हो जाता है, सब ओर से सभी मार्ग अवरुद्ध हो जाते हैं, तब गुरु ही हम सबों के जीवन में आशा का संचार करते हैं और अवरुद्ध मार्ग खुद-ब-खुद खुल जाते हैं।

कांवड़ यात्रा : भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

डॉ. आशीष वशिष्ठ

सावन महीने की शुरूआत होते ही हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक, गंगा गंगोत्री से लेकर रामेश्वरम तक सम्पूर्ण भारत शिवमय हो उठता है। सावन माह में शिवभक्तों की विशाल पदयात्राएं जो कांवड़ यात्रा के नाम से जानी जाती है, भारतीय संस्कृति की जीवंतता का अनुपम दृश्य प्रस्तुत करती हैं। कंधों पर सुसज्जित कांवड़, मुख पर ₹बोल बम₹ का उद्घोष, हृदय में भगवान शिव के प्रति अनन्य भक्ति। यही है कांवड़ यात्रा का वास्तविक स्वरूप।

कांवड़ यात्रा केवल एक सामान्य यात्रा नहीं है बल्कि ये तपस्या, भक्ति और श्रद्धा की वह गाथा है जो शताब्दियों से चली आ रही है। धर्मशास्त्रों के अनुसार जब कांवड़ से जुड़े दोनों पात्र जिन्हें ब्रह्मघट और विष्णुघट कहा जाता है, पवित्र जल से भर लिए जाते हैं, उन्हें एक बांस की डण्डी के सहारे सजा-धजा कर और पूजित कर स्थापित कर दिया जाता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार रूद्र अर्थात शिव बांस में समाहित हैं। कांवड़िया कांवड़ के माध्यम से साक्षात ब्रह्मा, विष्णु, शिव, तीनों की कृपा एक साथ प्राप्त करते हैं। भारत में दो कांवड़ यात्राएं होती हैं, दिल्ली से उत्तराखंड-गंगोत्री, ऋषिकेश या हरिद्वार तक की कांवड़ यात्रा और बिहार और झारखंड में सुल्तानगंज से देवघर तक की कांवड़ यात्रा। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश से सैकड़ों-हजारों लोग, युवा से लेकर बुजुर्ग तक, जिनमें महिलाएं और कभी-कभी बच्चे भी कांवड़ यात्रा में भाग लेते हैं। कंधों पर लटका पवित्र जल भगवान शिव को समर्पित है, जिन्हें अक्सर भोला या भोले बाबा कहकर पुकारा जाता है। भोले का अर्थ भोलेनाथ, यानी भगवान शिव भी हो सकता है। इसलिए, तीर्थयात्री भोला और भोले हैं! वर्तमान में, कांवड़ यात्रा विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक पदयात्राओं में मानी जाती है। आधुनिक समय में इसकी भव्यता अत्यधिक बढ़ी है, किंतु इसकी आध्यात्मिक जड़ें वैदिक एवं पौराणिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं। प्राचीन ग्रंथों में कांवड़ यात्रा का उल्लेख प्रायः किया जाता है। यह प्रश्न बार-बार पूछा जाता है कि "कांवड़ यात्रा" का उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है? इसका उत्तर थोड़ा सूक्ष्म है। "कांवड़" शब्द अपने वर्तमान अर्थ में पुराणों में प्रत्यक्ष रूप से नहीं मिलता। किंतु पवित्र नदी से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करने की परंपरा का वर्णन अनेक पुराणों में स्पष्ट रूप से मिलता है। वर्तमान कांवड़ यात्रा उसी प्राचीन शिवाभिषेक परंपरा का आधुनिक स्वरूप मानी जाती है। अर्थात कांवड़ यात्रा का भाव पुराण सम्मत है, जबकि "कांवड़" शब्द अपेक्षाकृत उत्तरकालीन लोक प्रचलित नाम है। "कंवार" शब्द की व्युत्पत्ति, जिसका अर्थ "कंधा" है।

कांवड़ में दूर-दूर से पवित्र नदियों, खासकर गंगा का जल भरकर लाते हैं। इसे पैदल यात्रा करते हुए शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। इस संकल्प यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण होता है कांवड़ को अपने कंधे पर उठाकर ले जाना। यह कोई साधारण परंपरा नहीं है। इसके पीछे गहराई से जुड़ी पौराणिक मान्यताएं छुपी हुई हैं।

कांवड़ यात्रा का जिक्र किसी पौराणिक ग्रंथ में सीधे तौर पर नहीं मिलता है। इसका भी स्पष्ट रूप से कोई जिक्र नहीं है कि किसने पहली बार कांवड़ यात्रा शुरू की थी, लेकिन लोक व्यवहार में महाबली रावण, महाविष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम, अगस्त्य ऋषि, महर्षि मार्कंडेय, महारथी कर्ण और 61 नयनार संतों में से एक संत कनप्पा जैसे कई नाम शामिल हैं, जिन्होंने महादेव शिव को बड़ी सरल-सहज और आसान विधि से पूजन कर प्रसन्न किया था। रावण और भगवान परशुराम द्वारा तो शिवजी के लिए कांवड़ लाकर भी उनका जलाभिषेक करने का प्रसंग लोक कथाओं में मिलता है, हालांकि पुराणों में हर जगह इनके द्वारा की गई विधिवत पूजा का ही वर्णन मिलता है, जिसमें पंचोपचार पूजन से लेकर, षोडशोपचार पूजन तक का वर्णन मिलता है, फिर भी कांवड़ द्वारा जल लाकर शिवजी के अभिषेक का वर्णन नहीं मिलता है।

हालांकि कांवड़ शब्द का जिक्र रामायण में मिलता है। जहां राजा दशरथ द्वारा गलती से श्रवण कुमार की हत्या हो जाती है। इस प्रसंग में जब श्रवण कुमार के चरित्र का वर्णन आता है तब कांवड़ का जिक्र होता है। जहां पता चलता है कि श्रवण कुमार अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर उन्हें तीर्थ यात्रा पर ले जाता है। कांवड़ असल में तराजू जैसी आकृति का एक नमूना होता है। श्रवण ने अपने माता-पिता को दोनों ओर बिठा लिया और कांवड़ कंधे पर रखकर चला। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तीर्थ क्षेत्र में दशानन रावण से जुड़ी कई लोक कथाएं प्रचलित हैं। यहां नोएडा के पास बिसरख गांव को रावण की जन्मस्थली बताया जाता है। मेरठ को मयराष्ट्र बताते हुए उसे रावण की ससुराल बताया जाता है। यहीं, बागपत स्थित पुरा महादेव मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां पर खुद रावण ने गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लाकर शिवजी का जलाभिषेक किया था, जबकि रावण से भी सैकड़ों वर्ष पहले भगवान परशुराम ने इस मंदिर में शिवलिंग की स्थापना की थी और 108 कलश से उनका अभिषेक किया था।

स्कंद पुराण में शिव उपासना के लिए रामोपाख्यान सर्ग में एक जिक्र आता है, जहां शिवगण नंदी और रावण की बातचीत होती है। इस स्थान पर नंदी कहते हैं कि जो प्राणी जलाशय से शिवालय तक पैदल ही गमन करता है और फिर जल ले जाकर शिवालय को धोकर साफ करता है, वह बिना किसी विधान की पूजा के शिवलोक को प्राप्त कर लेता है। यहां ध्यान देने वाली बात है कि स्कंद पुराण में कांवड़ यात्रा का जिक्र नहीं है लेकिन ये जरूर लिखा है कि 'जलाशय से जल लेकर शिवालय तक की यात्रा'- संभवतः आगे चलकर यही व्याख्या कांवड़ यात्रा के संदर्भ में ली गई होगी।

हालांकि कांवड़ यात्रा विशुद्ध ग्रामीण परंपरा है और इसकी शुरूआत इधर के आधुनिक काल में ही कभी हुई हो, इसकी अधिक संभावना हो सकती है। शिवजी की कावड़ यात्रा का जिक्र पुराणों में मिले न मिले, किसी रावण ने कांवड़ पहले चढ़ाई हो या नहीं, शिवभक्तों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। उनके लिए तो बस इतनी सी बात है, वे शिव के हैं और शिव उनके हैं। वहीं, कांवड़ के व्युत्पत्तिपरक जो अर्थ किए गए हैं, उनमें एक के अनुसार "क" अक्षर अग्नि को द्योतक है और "आवर" का अर्थ ठीक से वरण करना। प्रार्थना यह है कि अग्नि अर्थात स्त्रष्टा, पालक एवं संहारकर्ता परमात्मा हमारा मार्गदर्शक बने और वही हमारे जीवन का लक्ष्य हो तथा हम अपने राष्ट्र और समाज को अपनी शक्ति से सक्षम बनाएं।

गंगाजल, पारद, पाषाण, धतूराफल आदि सबमें शिव सत्ता मानी गई है। अतः सब प्राणियों, जड़-जंगम पदार्थों में स्वयं भूतनाथ पशुपतिनाथ की सुगमता और सुलभता ही तो आपको देवाधिदेव महादेव सिद्ध करती है। कांवड़ शिव के उन सभी रूपों को नमन है। कंधे पर गंगा को धारण किए श्रद्धालु इसी आस्था और विश्वास को जीते हैं। यों भी कह सकते हैं कि कांवड़ यात्रा शिव के कल्याणकारी रूप और निष्ठा के नीर से उसके अभिषेक को तीव्र रूप में प्रतिध्वनित करती है।

वास्तव में, कांवड़ यात्रा का यह धार्मिक उत्सव न केवल आस्था का प्रतीक है बल्कि यह भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण धरोहर भी है। कांवड़िये इस यात्रा के माध्यम से न केवल अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन करते हैं बल्कि यह यात्रा उन्हें एकजुटता और भाईचारे का भी अनुभव कराती है। इस दौरान भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है, जो भारतीय संस्कृति की गहराई और विविधता को दशार्ता है। सही मायनों में, कांवड़ यात्रा भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में निहित सिद्धांतों की पुनर्स्थापना है। कांवड़ यात्रा सिर्फ एक यात्रा नहीं है, ये महादेव को शीतल जल अर्पित करने की परंपरा है, ये लोक-उत्सव है, समानता का सन्देश है क्योंकि चारों तरफ भगवा ही भगवा दिखता है जो सनातन संस्कृति का प्रतीक है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सूडोकु नवताल- 7870

★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7869 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

वन्यजीव खत्म तो जंगल खत्म और इंसान की सांसे भी खत्म

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

पृथ्वी पर मौजूद हर जीव अपनी अलग पहचान और भूमिका के साथ प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देता हैं। खाद्य श्रृंखला की हर कड़ी आवश्यक है, क्योंकि किसी एक जीव का भी असंतुलन पूरे पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित कर सकता हैं। आज के समय में मनुष्य को छोड़कर सभी जीव प्रकृति की रक्षा में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। स्वच्छ हवा, साफ पानी और पर्याप्त भोजन सभी के जीवन के लिए जरूरी है, और ये तभी मिल सकते है जब पर्यावरण स्वस्थ और संतुलित हो। सूक्ष्म जीव मिट्टी को उपजाऊ बनाते है, जबकि पक्षी और वन्य प्राणी बीजों का प्रसार करके नए पौधों और वनों के विकास में सहायता करते हैं। जब जंगलों में जीव-जंतु सुरक्षित रहते है, तब वन हरे-भरे बने रहते है, मौसम का चक्र संतुलित रहता है, जलस्रोत सुरक्षित होते है और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता हैं। इससे प्रदूषण कम होता है, बीमारियों का खतरा घटता है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती हैं। वास्तव में वन्यजीव प्रकृति के सच्चे संरक्षक है, क्योंकि वे पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। मनुष्य के बिना प्रकृति स्वयं को तेजी से पुनर्जीवित कर सकती है, किंतु प्रकृति के अभाव में मानव जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है, इसलिए प्रकृति और वन्यजीवों का संरक्षण हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी हैं।

सभी जीवों को अपने प्राकृतिक अधिवास में जीने का अधिकार है, लेकिन पिछले कुछ दशकों से बढ़ते मानवीय हस्तक्षेप के कारण वन्यजीवों और मानवों के बीच संघर्ष बहुत ज्यादा बढ़ गया हैं। इसमें हानि दोनों को होती है, मनुष्य भी जान गवांते है और वन्यजीव भी। आजादी के पहले राजा-महाराजाओं और अंग्रेजों ने शिकार करके जंगली जानवरों की संख्या बेहद कम कर दी। अधिकतम प्रजातियां तो हमेशा के लिए विलुप्त भी हो गयी। तेजी से घटती वन्यजीवों की संख्या को बचाने सरकार ने कानून बनाये हैं।

आयआयटी बॉम्बे और सस्त्रा विश्वविद्यालय के शोधकताओं की एक रिसर्च में पाया गया कि साल 2015 - 2019 के बीच, देश में हर 1 वर्ग किलोमिटर जंगल बढ़ने के बदले लगभग 18 वर्ग किलोमीटर जंगल खत्म हो गए। प्राकृतिक घने और पुराने जंगल तेजी से खत्म हो रहे है, अगर यही स्थिति रही तो, इसमें रहनेवाले वन्यजीव भी बुरे तरीके से प्रभावित होंगे ही, अर्थात उनका जीवन संकट में होगा। आज देश में बढ़ते शहरीकरण के कारण, पारंपरिक खेती कम हो रही है, शहरों के आसपास के गाँवो में कांक्रीट के जंगल बढ़ रहे है, जिसके कारण जंगल सिकुड़ रहे और मानवीय गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। जंगलों के पास, प्रकृति की गोद में लोगों को आबाद करने के लिए फार्महाउस बनाने का ट्रेंड चल पड़ा हैं। विकास के नाम पर जंगलों के बीच से महामार्ग बनाएं जा रहे और जंगलों को काटकर उत्खनन का काम चल रहा हैं। इससे सीधे तौर पर वन्यजीवों के प्राकृतिक अधिवास नष्ट हो रहे हैं। साल-दर साल प्राकृतिक आपदाएं लगातार बढ़ रही हैं।

जिन वनों में बाघ रहते है, वहां का पारिस्थितिक तंत्र अधिक समृद्ध और संतुलित होता हैं। बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि पूरे जंगल के संरक्षक हैं। जीवित रहने के लिए उन्हें विशाल, सुरक्षित और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त आवास चाहिए। ऐसे क्षेत्रों की रक्षा से असंख्य वन्य प्राणी, वनस्पतियां, सूक्ष्म जीव और पूरी जैव-विविधता सुरक्षित रहती हैं। बाघ शाकाहारी जीवों की संख्या नियंत्रित करते हैं, जिससे वनस्पतियों का अत्यधिक दोहन रुकता है और प्राकृतिक संतुलन बना रहता हैं। सुरक्षित जंगल अधिक कार्बन सोखते है और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव कम करने में मदद करते हैं। साथ ही, ये घने वन वर्षा जल के प्रवाह को नियंत्रित कर बाढ़ की तीव्रता घटाते है और करोड़ों लोगों को मीठा पानी देते हैं। इसलिए, बाघों और उनके आवासों की रक्षा पूरे पर्यावरण की रक्षा हैं। यह संरक्षण मानव जीवन, कृषि, जलस्रोतों और भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं।

हर साल 29 जुलाई को "अंतराष्ट्रीय बाघ दिवस" खतरे में पड़ी बड़ी बिल्लियों की प्रजातियों और उनके प्राकृतिक अधिवास को बचाने के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु मनाया जाता हैं। बाघ भारत का राष्ट्रीय पशु है, बाघ बचाओं, जंगल बचाओं, प्रकृति बचाओं यह नारा दिया जाता है, क्योंकि यह बचेंगें तो ही हम बचेंगें, यह समझना बहुत जरुरी हैं। ग्लोबल टाइगर फोरम के अनुसार, दुनिया भर के जंगल में सिर्फ. 5,660 टाइगर बचे हैं। देश के नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी की रिपोर्ट स्टेटस ऑफ टाइगर्स इन इंडिया : को-प्रिडेटर्स एंड प्रे 2022 के अनुसार, इनमें से 3,682 भारत में पाए जाते हैं। हर साल सड़क दुर्घटनाओं, खेतों में करंट से, खुले कुएं में गिरकर और शिकार द्वारा असंख्य वन्यजीवों की बेदर्दी से असमय मौत होती हैं। विदर्भ क्षेत्र (महाराष्ट्र) के समाचारपत्रों में अक्सर वन्यजीवों के मौत की खबर सुर्खियां बनी रहती है, विशेषकर बाघों के मौत की। आये दिन बाघों की मौत चिंता का विषय है, पिछले छह माह में महाराष्ट्र में कुल 24 बाघों की मौत हो चुकी हैं। साल 2025 के दौरान मध्यप्रदेश राज्य में कुल 54 बाघों की जान चले गयी और महाराष्ट्र राज्य के वनमंत्री गणेश नाईक ने बताया कि, महाराष्ट्र राज्य में 41 बाघों की मौत हुयी। वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर अनुसार, हर बाघ की पहचान उसकी धारियों के अलग पैटर्न से होती है, ठीक वैसे ही जैसे हर इंसान के फिंगरप्रिंट अलग होते हैं। मादा बाघ अपने शावकों से संवाद करने के लिए कानों के पीछे बने सफेद निशानों का उपयोग करती है, जो उनके लिए संकेतों की तरह काम करते हैं।

दैनिक पंचांग

29 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

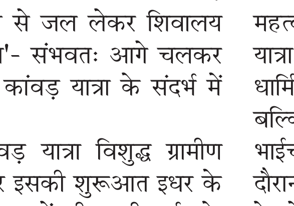

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.56 बजे से
चंद्र	मकर में	कन्या	09.08 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.18 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.33 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.49 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	17.54 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.41 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.14 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.44 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		वृष	00.24 बजे से
		मिथुन	02.22 बजे से
		कर्क	04.36 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 210 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 20.06 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 15.37 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 23.58 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 07.15 बजे तदनन्तर बव 20.06 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 47'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872785
जूलियन दिन 2461250.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर **तारीख** 14
विशेष व्यास पूजा, गुरु पूर्णिमा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

साहिबगंज जिला के 667 विद्यालयों का होगा वार्षिक ऑडिट

साहिबगंज : प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना (मध्याह्न भोजन) के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के वार्षिक वैधानिक अंकेक्षण (ऑडिट) को लेकर जिला शिक्षा अधीक्षक साहेबगंज ने विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। जारी निर्देश के अनुसार जिले के कुल 667 विद्यालयों का चरणबद्ध तरीके से ऑडिट किया जाएगा। इसके लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट की टीम को अधिकृत किया गया है, जो निर्धारित तिथियों पर संबंधित प्रखंडों में पहुंचकर विद्यालयों के वित्तीय अभिलेखों की जांच करेगी। कार्यक्रम के अनुसार 27 जुलाई को बोरियो के 183 विद्यालय, 28 जुलाई को मंडरो प्रखंड के 132 विद्यालय, 29 जुलाई को साहेबगंज के 94 विद्यालय, 30 जुलाई को तालझारी के 137 विद्यालय तथा 31 जुलाई को राजमहल के 121 विद्यालयों का अंकेक्षण किया जाएगा। जिला शिक्षा अधीक्षक ने सभी प्रधानाध्यापकों एवं प्रभारी प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया है कि निर्धारित तिथि पर विद्यालय से संबंधित सभी वित्तीय अभिलेख, लेखा विवरण एवं आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध रखें, ताकि ऑडिट कार्य समय पर एवं सुचारु रूप से संपन्न हो सके। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित तिथि के अतिरिक्त किसी अन्य दिन ऑडिट नहीं किया जाएगा।

अमड़ापाड़ा प्रखंड के सभी बूथों में डिजिटाइजेशन कार्य शत-प्रतिशत पूरा

अमड़ापाड़ा : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के अमड़ापाड़ा प्रखंड अंतर्गत सभी मतदान केंद्रों पर डिजिटाइजेशन का कार्य शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। यह जानकारी अमड़ापाड़ा के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) प्रमोद कुमार गुप्ता ने दी। बीडीओ ने बताया कि अमड़ापाड़ा प्रखंड के बूथ संख्या 173 से 232 तक कुल सभी मतदान केंद्रों में मतदाता अभिलेखों के डिजिटाइजेशन का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इस कार्य को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने के लिए सभी बीएलओ, सुपरवाइजर एवं संबंधित कर्मियों ने समन्वय के साथ कार्य किया। उन्होंने कहा कि डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण होने से मतदाता सूची के अद्यतन एवं सत्यापन की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सटीक और सुगम होगी। साथ ही निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आगे की प्रक्रिया भी निर्धारित समय पर पूरी की जा सकेगी। बीडीओ प्रमोद कुमार गुप्ता ने इस उपलब्धि के लिए अभियान से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मियों एवं बीएलओ की सराहना करते हुए कहा कि टीम के सामूहिक प्रयास से अमड़ापाड़ा प्रखंड ने समय पर शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन का लक्ष्य हासिल किया है।

102वीं वैष्णव सार्वजनिक दुर्गा पूजा की तैयारियां शुरू

अमड़ापाड़ा : अमड़ापाड़ा में 102 वर्षों से आयोजित हो रही ऐतिहासिक वैष्णव सार्वजनिक दुर्गा पूजा की तैयारियों को लेकर दुर्गा मंदिर प्रांगण में सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में समिति के सदस्य एवं ग्रामीण शामिल हुए। बैठक में समिति के अध्यक्ष बबलू भगत ने वर्ष 2025 की दुर्गा पूजा के विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आय-व्यय का विस्तृत लेखा-जोखा उपस्थित सदस्यों एवं ग्रामीणों के समक्ष प्रस्तुत किया। इसके बाद आगामी वर्ष 2026 में आयोजित होने वाली सार्वजनिक दुर्गा पूजा के लिए सर्वसम्मति से एक बार फिर बबलू भगत को अध्यक्ष चुना गया। समिति के अनुसार वैष्णव सार्वजनिक दुर्गा पूजा का आयोजन हर वर्ष शांतिपूर्ण, अनुशासित और भव्य तरीके से संपन्न होता रहा है, जिससे यह पूजा पूरे क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुकी है।

एसआईआर-2026 के तहत शत-प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरण, 98 प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूर्ण

शेष पात्र मतदाताओं का आज ही प्रपत्र भरवाकर डिजिटाइजेशन सुनिश्चित करें : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय स्थित सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) 2026 के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने बताया कि जिले में गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत वितरण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। साथ ही 27 जुलाई 2026 तक 98 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन भी संपन्न हो चुका है। उन्होंने बताया कि शेष कार्य को भी निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करने के लिए सभी संबंधित पदाधिकारी एवं बीएलओ सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उपायुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि यदि उनके संज्ञान में कोई पात्र मतदाता अब भी गणना प्रपत्र भरने अथवा डिजिटाइजेशन से वंचित है, तो उसे तत्काल चिन्हित कर उसका प्रपत्र भरवाते हुए आज ही डिजिटाइजेशन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन एवं समावेशी बनाने में राजनीतिक दलों की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक के दौरान उपायुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसा नहीं समझना चाहिए कि एसआईआर प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़ा जा सकेगा। भारत निर्वाचन आयोग के प्रावधानों के अनुसार पात्र नागरिक नियमानुसार निर्धारित प्रक्रिया के तहत भविष्य में भी मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन अथवा अन्य दावों एवं आपत्तियों के लिए आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष एवं सहभागी बनाने में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया तथा कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम दर्ज होना लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी, तीनों विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ एवं विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पाकुड़ में 10 लाभुकों को मिला फाइनल ड्राइविंग लाइसेंस, वर्चुअली जुड़ीं उपायुक्त

पाकुड़ : राज्य में सड़क सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मंगलवार को एक बड़ी पहल हुई। रांची स्थित झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) में परिवहन विभाग, झारखंड सरकार एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड के बीच जमशेदपुर में इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग, ट्रेनिंग एंड रिसर्च की स्थापना के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इस कार्यक्रम में सभी जिलों के उपायुक्त और जिला परिवहन पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। पाकुड़ समाहरणालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मेघा भारद्वाज, जिला परिवहन पदाधिकारी मो. मोजाहिद अंसारी, मोटरयान निरीक्षक अमित कुमार, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक रितेश कुमार सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद 10 लाभुकों को फाइनल ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी जिलों में वैध ड्राइविंग लाइसेंस के लिए विशेष अभियान चलाने और सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता पर जोर दिया।

सड़क चौड़ीकरण के विरोध में भू-धारियों ने एसडीओ को सौंपा ज्ञापन, वैकल्पिक मार्ग की उठाई मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल श्रीकुंड (आरसीडी) से शिवापहाड़ (आरसीडी) तक प्रस्तावित 6.675 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के विरोध में मंगलवार को प्रभावित भू-धारियों के प्रतिनिधिमंडल ने राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सड़क के प्रस्तावित मार्ग में बदलाव की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि प्रस्तावित सड़क का निर्माण उपजाऊ तीन फसली सिंचित कृषि भूमि से होकर किया जा रहा है,जिससे बड़ी संख्या में किसानों की खेती,आजीविका और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि प्रारंभिक अधिसूचना में कई स्थानों को ग्रीन लैंड के रूप में चिह्नित किया गया है,जबकि वहां पहले से कोई सड़क मौजूद नहीं है। भू-धारियों ने बताया कि इस मामले को लेकर पूर्व में उपायुक्त,भू-अर्जन पदाधिकारी तथा कार्यपालक अभियंता से कई बार मुलाकात कर लिखित आवेदन भी सौंपा गया था। अधिकारियों द्वारा समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी कारण एक बार फिर प्रतिनिधिमंडल ने एसडीओ के समक्ष अपनी मांग रखी। ज्ञापन में भूमि अधिग्रहण, पुनर्वासन एवं पुनर्स्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा-10 का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि बहुफसली कृषि भूमि का अधिग्रहण अंतिम विकल्प होना चाहिए। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण के लिए ऐसा वैकल्पिक मार्ग चुना जाए, जिससे विकास कार्य भी बाधित न हो और किसानों की उपजाऊ कृषि भूमि भी सुरक्षित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि वर्तमान एलाइनमेंट के अनुसार सड़क निर्माण होने पर कृषि उत्पादन,सिंचाई व्यवस्था,पेड़-पौधों तथा स्थानीय लोगों की आजीविका पर व्यापक असर पड़ेगा। इसलिए प्रशासन जनहित और किसान हित को ध्यान में रखते हुए परियोजना की दोबारा समीक्षा करे। ज्ञापन सौंपने के दौरान मोहम्मद फैसल, असगर आलम, रफीकुल इस्लाम, गंगाधर यादव, श्याम पोद्दार सहित दर्जनों भू-धारी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

मारपीट मामले में आरोपी गिरफ्तार

साहिबगंज : मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र में मारपीट के एक मामले में फरार चल रहे नामजद आरोपी को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थाना प्रभारी के निर्देश पर सहायक अवर निरीक्षक विल्सन हांसदा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने मंगलवार को बड़तल्ला गांव निवासी आरोपी सुनिल मुर्मू को उसके ठिकाने से दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। ज्ञात हो कि आरोपी पर मिजाचौकी थाना क्षेत्र के नयाटोला गांव निवासी उमेश यादव के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप है। इस संबंध में पीड़ित की शिकायत पर मिर्जाचौकी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले में दो अन्य आरोपियों को भी नामजद किया गया था।

नाले पर अतिक्रमण से सफाई कार्य ठप, गंदे पानी से लोग परेशान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राजमहल प्रखंड क्षेत्र में शहर के वार्ड नंबर 1 और 2 के बीच महाजन टोली मोहल्ले में नाले का गंदा पानी की निकासी और सफाई नहीं होने से मोहल्लेवासी सहित आने जाने वाले राहगीरों को महीना से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मोहल्ले वासियों ने बताया कि नपं द्वारा लगभग 8/9 वर्षों के बाद लगभग एक महीने पहले पुरे नाली की सफाई करने के लिए कार्य सूरू किया था। लेकिन उक्त मौहल्ले में नाली सफाई का काम पूरा नहीं हो पा रहा है जिसका मुख्य कारण मोहल्ले के कुछ लोगों के द्वारा नाले के ऊपर अतिक्रमण कर सीढ़ी, बरामदा आदि अपने अपने सोहलियत के हिसाब से अतिक्रमण कर रखा है। जिसके कारण अधिकांश जगहों पर नाली का प्लेट नहीं हटाया जा सका है। और जिसके वजह से नाली की सफाई पूरी नहीं हो पा रहा है। लोगों के घरों का गंदा पानी का निकासी नहीं हो पा रहा है और दुर्गंध मच्छर का प्रकोप से परेशान हैं। लोगों ने नपं के अधिकारियों से जल्द अतिक्रमण मुक्त कराकर नाले की पुरी सफाई का मांग किया है। नगर पंचायत के जेई जितेश चौधरी ने कहा की नपं द्वारा लगातार उक्त नाले की सफाई का प्रयास किया जा रहा है लेकिन कुछ जगहों पर नाले के प्लेट के उपर अतिक्रमण के वजह से पुरी सफाई नहीं हो पा रहा है। जल्द ही वरीय पदाधिकारी को इसकी जानकारी दिया जाएगा और नाले को अतिक्रमण मुक्त कराकर सफाई की जाएगी।

सीएचसी तालझारी में विशेष मासिक समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी लालझारी के डॉक्टर रंजन कुमार की अध्यक्षता में विशेष मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सीएचसी के सभी सीएचओ सभी एएनएम एवं एमपीडब्ल्यू एवं सहिया एवं सहिया साथी एवं बीटीटी ने भाग लिया। इस बैठक में सिविल सर्जन साहिबगंज के रामदेव पासवान के द्वारा स्वास्थ्य विभाग के द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए सभी स्वास्थ्य कर्मियों के कार्यों का समीक्षा किया गया।साथ ही सहिया के द्वारा टारगेट के हिसाब से कार्य करने को कहा गया ताकि ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहन राशि का लाभ मिल सके साथ ही यूनिसेफ के रिजिनल कोऑर्डिनेटर अजय कुमार के द्वारा गर्भवती एवं नवजात शिशु के देखभाल पर विस्तृत रूप से चर्चा किया गया। सभी एएनएम एवं सहियाओ को उच्च जोखिम वाले गर्भावस्था पर विशेष ध्यान के साथ नजर बनाए रखने को कहा गया साथ ही भीबीडी पदाधिकारी के द्वारा सभी स्वास्थ्य कर्मियों विशेष कर सहियाओ एवं एमपीडब्ल्यू निर्देश दिया गया कि बाहर से आए प्रति व्यक्ति का आरडीके किट से जांच किया जाए एवं एक भी दिन बुखार से ग्रसित व्यक्तियों का भी आरडीके किया जाए और अपने संबंधित एमपीडब्ल्यू एनएम सीएच ओ को सूचित किया जाए ताकि लाभार्थी को उचित लाभ मिल सके। इसके उपरांत जिला डाटा मैनेजर तौसीफ कुमार एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक अमित कश्यप के द्वारा सभी कार्यक्रमों का डाटा देखते हुए समीक्षा किया गया। मौके पर मौजूद चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रवि कुमार, डॉ पिंकू चौधरी, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विजय राम, एस्टर हेंब्रम, एनी मरांडी, संगीता कुमारी, किशोरी सिन्हा, वीरेंद्र कुमार, विनय कुमार, सहिया साथी सजोनी मुर्मू, कंचन कुमारी, आयुष्मान मित्र स्टीफन मरांडी, सहिया पर्यवेक्षक अवधेश कुमार मौजूद थे।

पश्चिम बंगाल- मोरग्राम- किशनगंज हाई स्पीड कॉरिडोर परियोजना के डीपीआर पर समीक्षा बैठक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले की उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय में पश्चिम बंगाल-मोरग्राम - किशनगंज हाई स्पीड कॉरिडोर परियोजना के लिए तैयार किए जा रहे विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की माननीय विधायक निसात आलम उपस्थित रहे। बैठक में एनएचएआई द्वारा नियुक्त परामर्शी संस्था एम/एस वॉयंट्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से परियोजना की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। इस दौरान प्रस्तावित हाई स्पीड कॉरिडोर के संभावित अलाइनमेंट, सड़क की तकनीकी संरचना, पुल-पुलियों के निर्माण, भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय प्रभावों तथा अन्य तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया गया कि प्रस्तावित हाई स्पीड कॉरिडोर का 13.83 किलोमीटर हिस्सा पाकुड़ जिले से होकर गुजरेगा, जिससे जिले के 19 गांव प्रभावित होंगे। परियोजना के लिए आवश्यक सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर है तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है। बैठक में विधायक निसात आलम ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के समग्र विकास, बेहतर सड़क संपर्क एवं आर्थिक गतिविधियों को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया में स्थानीय आवश्यकताओं एवं जनहित के पहलुओं को प्राथमिकता देने पर बल देते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण सहित अन्य प्रक्रियाओं के दौरान प्रभावित ग्रामीणों के हितों का विशेष ध्यान रखा जाए तथा परियोजना का क्रियान्वयन सभी संबंधित विभागों के समन्वय से आगे बढ़ाया जाए। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजना से संबंधित सभी आवश्यक सूचनाएं, अभिलेख एवं विभागीय प्रतिवेदन निर्धारित समय-सीमा के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया में सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ सक्रिय सहयोग करें तथा भूमि अधिग्रहण, राजस्व, विद्युत, पेयजल, सड़क एवं अन्य आधारभूत संरचनाओं से संबंधित आवश्यक सुझाव समय पर उपलब्ध कराएं, ताकि परियोजना को तकनीकी रूप से सुदृढ़, व्यवहारिक एवं जनहितकारी स्वरूप दिया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

पाकुड़ स्टेडियम में शौचालय निर्माण का शुभारंभ
कांग्रेस कार्यालय में एसआईआर पर मंथन

पाकुड़ : ज़िले में पाकुड़ विधानसभा की लोकप्रिय विधायक निसात आलम ने मंगलवार को रानी ज्योतिर्मय स्टेडियम परिसर में शौचालय निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि स्वच्छता, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस शौचालय के बन जाने से स्टेडियम में अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों, विद्यार्थियों और सुबह-शाम टहलने आने वाले आम नागरिकों को काफी सुविधा होगी। उन्होंने संबंधित संवेदक को गुणवत्तापूर्ण और समय पर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। शुभारंभ कार्यक्रम के बाद विधायक ने सीधे जिला कांग्रेस कार्यालय, पाकुड़ पहुंचीं, जहां उन्होंने एसआईआर अभियान को लेकर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। विधायक ने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र, बूथ और पंचायत में सक्रिय रहें और सुनिश्चित करें कि एक भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए। उन्होंने प्रत्येक मतदाता का गणना प्रपत्र समय पर भरवाकर बीएलओ के पास जमा कराने में सहयोग करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रखंड अध्यक्ष मानसारुल हक, विधायक प्रतिनिधि गोलम अहमद उर्फ बकुल, पूर्व सचिव सेमिनुल इस्लाम, जिला प्रवक्ता मुख्तार हुसैन, अल्पसंख्यक अध्यक्ष शाहीन परवेज, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष असद हुसैन, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद डोकानिया, जिला महासचिव सेलिम, युवा जिला अध्यक्ष बिलाल शेख, जिला सचिव मिथुन मरांडी, जिला सचिव मोहम्मद सिराजुद्दीन शेख, मोतिउर रहमान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पाकुड़ स्टेशन के अंडरपास के पास रेलवे भूमि पर चारदीवारी की मांग

पाकुड़ : पाकुड़ रेलवे स्टेशन के ईस्ट केबिन के समीप स्थित भूमिगत पथ (अंडरपास) के पास रेलवे की खाली भूमि पर फैली गंदगी, अवैध कचरा निष्पादन और रेलवे परिसंपत्तियों की सुरक्षा को लेकर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय ने पूर्व रेलवे, हावड़ा के वरिष्ठ मंडलीय अभियंता (समन्वय) कार्तिक सिंह को विस्तृत आवेदन सौंपकर तत्काल सुदृढ़ चारदीवारी निर्माण कराने की मांग की है। आवेदन की प्रतिलिपि वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (पर्यावरण एवं रखरखाव प्रबंधन) सत्येंद्र तिवारी को भी भेजी गई है। आवेदन में कहा गया है कि अंडरपास के समीप स्थित रेलवे की खाली भूमि पर पिछले कई वर्षों से स्थानीय बाजार के कुछ दुकानदारों एवं अन्य लोगों द्वारा घरेलू और व्यावसायिक कचरे के साथ सड़ा-गला भोजन एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थ फेंके जा रहे हैं। इससे पूरे इलाके में दुर्गंध फैल रही है, जिससे प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरने वाले रेल यात्रियों, स्थानीय नागरिकों, स्कूली बच्चों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हिसाबी राय ने कहा कि यह स्थिति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन की भावना के विपरीत है। लगातार जमा हो रहे कचरे के कारण मच्छर, मक्खी और अन्य रोगजनक जीवाणुओं का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड सहित अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने इसे जनस्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा गंभीर मामला बताया। आवेदन में रेलवे सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त स्थल के नीचे रेलवे के सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के महत्वपूर्ण केबल बिछे हुए हैं। कचरे के ढेर में समय-समय पर आग लगा दिए जाने की घटनाओं के कारण इन केबलों को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी रहती है। इससे रेलवे परिचालन प्रभावित होने के साथ किसी बड़े हादसे अथवा आर्थिक क्षति की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। भाजपा नेता ने रेल प्रशासन से मांग की है कि अंडरपास के समीप रेलवे भूमि पर शीघ्र चारदीवारी का निर्माण कराया जाए, नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, कचरा फेंकने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाए तथा स्थल पर चेतावनी संबंधी सूचना बोर्ड लगाए जाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि रेलवे प्रशासन जनहित, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और रेलवे सुरक्षा से जुड़े इस गंभीर विषय पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई करेगा।

बरहरवा पुलिस ने अवैध हथियार व पांच जिंदा कारतूस के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार

साहिबगंज : बरहरवा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से पांच जिंदा कारतूस से लोडेड एक देशी पिस्टल के अलावा दो प्रकार के संदिग्ध पदार्थ भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया है। साथ ही बरामद संदिग्ध पदार्थों की जांच भी कराई जा रही है। बरहरवा पुलिस निरीक्षक संतोष राणा ने बताया कि मंगलवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ग्राम सिरासिन की ओर एक लाल रंग के ऑटो से एक व्यक्ति अवैध हथियार एवं अन्य अवैध पदार्थ लेकर गुजरने वाला है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल वरीय पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया गया। उनके निर्देश पर गश्ती दल तथा फुटानी मोड़ स्थित पुलिस चेकनाका पर तैनात पुलिसकर्मियों को संबंधित वाहन की सघन जांच करने का निर्देश दिया गया। निर्देश मिलते ही पुलिस टीम ने रणनीतिक ढंग से घेराबंदी कर संदिग्ध टेम्पो को रोककर उसकी तलाशी ली। जांच के दौरान एक युवक के पास से पांच जिंदा कारतूस से लोडेड एक देशी पिस्टल बरामद हुई। इसके अलावा उसके पास से सफेद रंग का एक संदिग्ध पदार्थ तथा गुलाबी रंग का एक अन्य संदिग्ध पदार्थ भी मिला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने जब आरोपी से हथियार रखने का लाइसेंस एवं अन्य वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा तो वह कोई भी कागजात नहीं दिखा सका। साथ ही बरामद हथियार एवं संदिग्ध पदार्थों के संबंध में भी संतोषजनक जवाब देने में असफल रहा। इसके बाद पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पहचान एकराम मोमिन, पिता गियासुद्दीन मोमिन, निवासी धरमडांगा, पोस्ट बेवा, थाना फरक्का, जिला मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) के रूप में बताया। पुलिस ने उसके कब्जे से बरामद देशी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस तथा दोनों संदिग्ध पदार्थों को विधिवत जब्त कर लिया। इस संबंध में बरहरवा थाना में कांड संख्या 194/26 दिनांक 28 जुलाई 2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)(ए), 26 एवं 35 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में अपराध करना स्वीकार किया है। हालांकि पुलिस केवल स्वीकारोक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि पूरे मामले की वैज्ञानिक एवं तकनीकी तरीके से जांच कर रही है।

एक नजर

अभ्यर्थियों का डीसी कार्यालय पर महा धरना, 45 दिनों में प्रक्रिया शुरू का आश्वासन

बोकारो : लंबे समय से लंबित होमगार्ड व चौकीदार भर्ती की अधिसूचना की मांग को लेकर मंगलवार को जिले में छात्रों व अभ्यर्थियों ने जुलूस व आक्रोश प्रदर्शन किया। छात्र संघ व विभिन्न उम्मीदवारों के संयुक्त नेतृत्व में अमृत पार्क से निकली पैदल यात्रा के बाद सैकड़ों की संख्या में अभ्यर्थी उपायुक्त कार्यालय के मुख्य द्वार पर इकट्ठा होकर अनिश्चितकालीन धरनाप्रदर्शन पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा अपनी मांगों पर अड़े रहे। प्रदर्शन की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने छात्र नेताओं व प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए बुलाया। लगातार चली बातचीत के बाद उपायुक्त कार्यालय ने लिखित/मौखिक आश्वासन देते हुए कहा कि अगले 45 दिनों के भीतर होमगार्ड व चौकीदारों की नियुक्ति प्रक्रिया (विज्ञापन/अधिसूचना) अनिवार्य रूप से शुरू कर दी जाएगी। प्रशासन की इस घोषणा के बाद प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया। धरना स्थल पर मौजूद छात्र नेता युगदेव महथा ने कहा कि वे प्रशासन के 45 दिन के आश्वासन का सम्मान करते हुए धरना स्थगित कर रहे हैं, लेकिन यदि निर्धारित समयावधि में भर्ती प्रक्रिया आरंभ नहीं की गई तो वे और भी उग्र व निर्णायक आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा, स्यदि 45 दिनों के भीतर भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी शासनप्रशासन की होगी।ř प्रदर्शन के दौरान भारी संख्या में युवाओं के एकत्रित होने के साथ ही यातायात बाधित रहा। प्रशासन ने शांति बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी। जिले के राजनीतिक व सामाजिक संगठनों ने भी घटना पर नजर बनाए रखी। विभि?न छात्र व उम्?मीदवारों ने कहा कि वे सरकारी भर्ती में दीर्घकालिक देरी के कारण आर्थिक व मानसिक परेशानी झेल रहे हैं, इसलिए शीघ्र घोषणा आवश्यक है। अधिकारियों ने बताया कि विज्ञापन प्रक्रिया की रूपरेखा और आवश्यक औपचारिकताएँ जल्द पूरी कर ली जाएँगी और संबंधित विभागों को नियत समय में कार्रवाई का निर्देश दे दिया गया है। प्रशासन की ओर से दिए गए आश्वासन के बाद अभ्यर्थी फिलहाल शांतिपूर्ण तरीके से अपनेअपने घर लौट गए, परन्तु 45 दिनों के भीतर कार्रवाई न होने की स्थिति में फिर से सड़कों पर उतरने की चेतावनी उन्होंने दोहराई है।

तुपकाडीह के किसानों ने धान रोपाई शुरू की

बोकारो : तुपकाडीह के पांच पंचायत व उत्तर विस्थापित क्षेत्र के किसान अपने खेत को जोत कोड़ कर तैयार करने के बाद धान रोपाई का काम शुरू कर दिये हैं। गत वर्ष की तरह इसबार भी अच्छी फसल होगी , किसानों ने ईश्वर से आस लगाए हैं। किसान धनीलाल मांझी , अन्दू महतो , फेकन मिश्रा , अम्बिका केवट , दिलीप महली , वकील सिंह आदि ने बताया कि खेती करना अब महंगा हो गया है। बीज , खाद्य सामग्री , हल , बैल , ट्रेक्टर के साथ साथ रोपाई के मजदूर काफी पैसे लेते हैं। बड़े बुजुर्ग कहते थे कि खेत रहते खेत खाली नहीं रखना चाहिए क्योंकि इससे पाप लगता है। किसानों का कहना है कि अब के युवा वर्ग खेती करने में रुचि नहीं लेते हैं |कोई पढ़ लिखकर शहर चला गया तो कोई प्लांट में जाकर मजदूरी करने में मशगूल है। खेती करना तो आनंद जो किसान ले लिया है वह अपने जीवन के अंतिम समय तक करता रहेगा।

उड़ान के लिए तैयार हो रहा बोकारो एयरपोर्ट, डीसी ने किया संयुक्त निरीक्षण

- बोकारो एयरपोर्ट के विकास एवं संचालन को लेकर डीसी ने एएआई एवं बीएसएल अधिकारियों के साथ लिया जायजा
- डीजीसीए निरीक्षण से पूर्व साफ-सफाई, रखरखाव एवं परिचालन संबंधी तैयारियां समय पर पूरी करने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मंगलवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) एवं बीएसएल के अधिकारियों के साथ बोकारो एयरपोर्ट का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रबंध निदेशक, झारखंड सिविल एविएशन कैप्टन एस. पी. सिन्हा, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, एएआई के मनोज कुमार, सेल एविएशन के मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने एयरपोर्ट परिसर, रनवे, बोर्डिंग एरिया सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का क्रमवार जायजा लिया तथा आवश्यक बिंदुओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने एयरपोर्ट परिसर में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के प्रस्तावित निरीक्षण से पूर्व परिसर में उगी घास, छोटे-छोटे पेड़-पौधों सहित अन्य अवांछित वनस्पतियों की समुचित सफाई एवं रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि एयरपोर्ट परिसर व्यवस्थित एवं मानकों के अनुरूप दिखाई दे। उपायुक्त ने एयरपोर्ट के ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस से संबंधित विषयों की भी समीक्षा की। उन्होंने इस संबंध में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया एवं सेल के वरीय स्तर पर आवश्यक पत्राचार कर शीघ्र उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरान एयरपोर्ट के विकास, संचालन एवं रखरखाव से जुड़े विभिन्न अन्य बिंदुओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बोकारो का आयुर्वेद मॉडल बना देश के लिए मिसाल, एनएचएम निदेशक बोले

हर जिले में विकसित होंगे औषधीय उद्यान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो अब आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में उभर रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के निदेशक शशि प्रकाश झा ने सोमवार को पंचकर्म सह सेवा केंद्र का निरीक्षण करते हुए, यहां विकसित किए जा रहे आयुर्वेदिक औषधीय उद्यान और जोंक चिकित्सा आधारित नवाचार की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे औषधीय उद्यान आयुर्वेदिक एवं औषधीय पौधों के संरक्षण के साथ-साथ आम लोगों को उनके औषधीय गुणों और उपयोग की जानकारी देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा के साथ आयुर्वेद एवं प्राकृतिक उपचार पद्धति को समान रूप से आवश्यक बताते हुए कहा कि हमारे आसपास उपलब्ध कई औषधीय पौधे गंभीर बीमारियों के उपचार में उपयोगी साबित हो सकते हैं। निरीक्षण के दौरान निदेशक ने परिसर के पीछे स्थित गड्ढे का भी जायजा लिया, जहां आयुष पदाधिकारी डॉ. विक्रम ने जोंक चिकित्सा (लीच थेरेपी) और मछली पालन की संयुक्त योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जोंक आयुर्वेदिक उपचार में उपयोगी है, जबकि मछलियां मच्छरों के लार्वा को नष्ट कर रोग नियंत्रण में मदद करेंगी। इस अभिनव पहल की भी निदेशक ने सराहना की।शशि प्रकाश झा ने बताया कि बोकारो जिले में अब तक 10 आयुष अस्पताल स्थापित किए जा चुके हैं तथा 28 नए आयुष अस्पतालों के निर्माण का प्रस्ताव तैयार है। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों तक आयुष सेवाओं का व्यापक विस्तार होगा। इस दौरान स्वदेशी कृषि प्रकोष्ठ झारखंड के प्रमुख ए.के. सिन्हा, जिला आयुष पदाधिकारी डॉ. शिव शंकर पांडेय, डॉ. विक्रम, डीपीएम मयंक मंजुल, पवन श्रीवास्तव, मनीष कुमार श्रीवास्तव, राजेंद्र तिवारी, आकर्ष पांडेय, आरती सिन्हा, सरिता श्रीवास्तव, धीरेन प्रसाद रजवार, सुदर्शन, अभय कुमार, संत कुमार, बिमल कुमार मिश्रा, दयानंद परमार, गौरी शंकर सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता अनुराग सिंह का बोकारो में स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड के जिला बोकारो के दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस, बोकारो शाखा के प्रतिनिधिमंडल ने आज अपने नवनियुक्त वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (वरिष्ठ डीएमई/ईएलआईएन) अनुराग कुमार सिंह से उनके कार्यालय कक्ष में शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएँ दीं। बैठक के दौरान रेलवे कर्मचारियों से संबंधित विविध महत्वपूर्ण और जनहित के मुद्दों पर सौहार्दपूर्ण माहौल में विस्तृत चर्चा हुई। श्री सिंह ने कर्मचारियों की वास्तविक तथा न्यायोचित समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया और कहा कि उनका शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस, बोकारो के शाखा सचिव राजन कुमार उपाध्याय, बोकारो रेलवे इंस्टिट्यूट के सचिव सुब्रत शाह तथा अन्य कर्मचारीगण– अविनाश कुमार, प्रदीप कुमार भौमिक, जितेन गोराई, सुभाष कुमार महतो, संदीप कुमार और अभिषेक कुमार–भी बैठक में उपस्थित थे। श्री उपाध्याय ने अनुराग कुमार सिंह के सफल व गौरवशाली कार्यकाल की कामना करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं सहयोग से कर्मचारियों से जुड़े मामलों का सकारात्मक समाधान होगा।

डी.ए.वी. सेक्टर- 4 में कहानी पूर्णता प्रतियोगिता का सफल आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, सेक्टर- 4, बोकारो स्टील सिटी में विद्यार्थियों की रचनात्मकता, कल्पनाशीलता, विचार संकलन एवं भाषा-कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ग तृतीय और चतुर्थ के विद्यार्थियों हेतु अंतर सदनीय कहानी पूर्णता प्रतियोगिता का सफल और सार्थक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिए गए शीर्षकों से अपने समूह के सभी सदस्यों के सहयोग से अपने-अपने मौलिक सोच, सुजनात्मक अभिव्यक्ति तथा प्रभावशाली भाषा-शैली के माध्यम से एक कहानी क्रमवार पूर्ण कर अपनी साहित्यिक प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री एस. के. मिश्रा ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि कहानियाँ केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि संवेदनाओं, मूल्यों और जीवन-दृष्टि को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम हैं। ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में कल्पनाशक्ति, तार्किक चिंतन, भाषा पर अधिकार तथा आत्मविश्वास का नव विकास करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से लेखन एवं पठन की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित किया। प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत कहानियों की मौलिकता, कल्पनाशीलता और भाषा की सुंदर प्रस्तुति के आधार पर विवेकानंद हाउस प्रथम ,बिरजानंद हाउस द्वितीय,दयानंद हाउस तृतीय और श्रद्धानंद हाउस चतुर्थ स्थान पर रहे।

हजारीबाग यूथ विंग ने ट्रैफिक पुलिस जवानों को वितरित किए रेनकोट, सेवा और सम्मान का दिया संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग यूथ विंग सामाजिक सेवा, जनकल्याण और मानवीय मूल्यों के क्षेत्र में लगातार अपनी अलग पहचान बना रही है। निस्वार्थ सेवा और सामाजिक सरोकार को अपना उद्देश्य बनाकर संस्था निरंतर ऐसे कार्य कर रही है, जो समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ लोगों को सेवा के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं। इसी क्रम में शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए धूप, बारिश और हर विपरीत परिस्थिति में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने वाले ट्रैफिक पुलिस जवानों के सम्मान एवं सुरक्षा के उद्देश्य से मंगलवार को सीसीआर प्रांगण में हजारीबाग यूथ विंग द्वारा रेनकोट वितरण कार्यक्रम के दूसरे चरण का आयोजन किया गया कार्यक्रम में 70 से अधिक ट्रैफिक पुलिस जवानों को रेनकोट वितरित किए गए। समारोह के मुख्य अतिथि सीसीआर डीएसपी मो. असमाउल हक थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि के स्वागत एवं सम्मान के साथ हुआ। मंच का संचालन सेजल सिंह एवं वर्षा डे ने संयुक्त रूप से किया, जबकि संस्था के सचिव रितेश खण्डेलवाल ने स्वागत भाषण देते हुए सभी पुलिस जवानों का अभिनंदन किया। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस जवानों को कतारबद्ध तरीके से रेनकोट प्रदान किए गए। लगभग 30 मिनट तक चले इस गरिमामयी कार्यक्रम में सेवा, सम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। उपस्थित लोगों की तालियों की गूंज ने ड्यूटी पर तैनात जवानों का उत्साहवर्धन किया, वहीं रेनकोट प्राप्त करने वाले पुलिसकर्मियों ने संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीसीआर डीएसपी मो. असमाउल हक ने हजारीबाग यूथ विंग के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक संस्थाओं द्वारा पुलिस कर्मियों के सम्मान और सहयोग के लिए किए जा रहे ऐसे कार्य निश्चित रूप से प्रेरणादायी हैं। इससे पुलिस और समाज के बीच विश्वास एवं सहयोग की भावना और मजबूत होती है। उन्होंने संस्था के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को इस सराहनीय पहल के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्य जारी रखने की शुभकामनाएं दीं।

गुरु रविदास महाराज के अवसर पर 29 जुलाई से 20 फरवरी तक भाजपा का राष्ट्र स्तरीय समरता संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भाजपा संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के 650वें प्राकट्योत्सव को भाजपा सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय एकता महापर्व के रूप 29 जुलाई 2026 (गुरु पूर्णिमा) से 20 फरवरी 2027 (गुरु रविदास जयंती) तक पूरे देश में मनाएगी। बोकारो जिला में लगभग 200 स्थानों पर दीपोत्सव व प्रसाद वितरण किया जाएगा। भाजपा झारखंड प्रदेश द्वारा घोषित कार्यक्रम के तहत बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने जानकारी देते हुए कहा कि इस अभियान का उद्देश्य गुरु रविदास के समानता, सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है। अभियान का शुभारम्भ गुरु रविदास महाराज की पावन जन्मस्थली वाराणसी से होगा। देशभर में 21,000 से अधिक स्थानों पर कलश वंदन, 51,000 मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर दीपोत्सव, संत संपर्क अभियान, समरसता संवाद, सामाजिक कार्यक्रम तथा जालंधर से वाराणसी तक राष्ट्रीय समरसता यात्रा का आयोजन किया जाएगा। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास की भावना के साथ जातिगत भेदभाव को समाप्त करने और सामाजिक समरसता की भावना को धरातल पर उतारना है। 29 जुलाई से 10 सितंबर तक गुरु रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर से भरे 131 कलश देशभर के प्रदेश, जिला, मंडल और गांव तक पहुँचेंगे। 29 जुलाई से 31 अगस्त तक भाजपा पदाधिकारी संतों से मिलकर उनका अभिनंदन करेंगे और सामाजिक समरसता का संदेश देंगे। 5 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक डेरा सचखंड बल्लां (जालंधर) से सीर गोवर्धनपुर (वाराणसी) तक यात्रा निकलेगी। यात्रा के दौरान संत सम्मेलन और समरसता गोष्ठियां होंगी। 26 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक सभी छात्रावासों में समरसता संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान भाजपा बोकारो जिला अध्यक्ष डॉ सुरेन्द्र राज भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय त्यागी, महामंत्री रामलाल सोरेन, मंत्री एंजेला सिंह, ए के वर्मा, अशोक दास, बालेश्वर मुर्मू अभय कुमार गोलू,प्रकाश कुमार उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

जिला प्रशासन ने पुस्तक दान अभियान में सहभागिता की अपील की

बरही : शिक्षा को बढ़ावा देने तथा आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, हजारीबाग द्वारा पुस्तक दान अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से जिले के विभिन्न संस्थानों द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित उपयोगी पुस्तकों का संग्रह किया जा रहा है। जिला प्रशासन सभी नागरिकों, शिक्षण संस्थानों, कोचिंग संस्थानों, सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यालयों, सामाजिक संगठनों तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर चुके अभ्यर्थियों से अपील करता है कि वे अपनी अनुपयोगी लेकिन उपयोगी स्थिति में उपलब्ध पुस्तकों का दान करें। आपकी अलमारी में रखी पुस्तकें किसी जरूरतमंद विद्यार्थी के सपनों को नई उड़ान दे सकती हैं और उसके उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बन सकती हैं। इस अभियान के अंतर्गत किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें दान की जा सकती हैं। एकत्रित पुस्तकों को हजारीबाग जिले के विभिन्न पुस्तकालयों एवं अध्ययन केंद्रों में उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद विद्यार्थी इनका लाभ उठाकर अपनी तैयारी को सशक्त बना सकें। जिला योजना कार्यालय, कक्ष संख्या ए–206, द्वितीय तल, नया समाहरणालय भवन, हजारीबाग में प्रातः 10:30 बजे से सायं 5:00 बजे तक। जिला प्रशासन, हजारीबाग सभी जिलेवासियों से इस जनहितकारी अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करता है। एक पुस्तक किसी विद्यार्थी का भविष्य बदल सकती है। आइए, ज्ञान बांटें और अवसर बढ़ाएं।

बोकारो में सीबीएसई 12वीं सप्लीमेंट्री परीक्षा दो केंद्रों पर 1306 अभ्यर्थी हुए शामिल

बोकारो : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं कक्षा की सप्लीमेंट्री परीक्षा मंगलवार को बोकारो जिले के दो परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त तरीके से संपन्न हुई। परीक्षा के लिए सेक्टर-4 स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो और सेक्टर-5 स्थित चिन्मय विद्यालय को केंद्र बनाया गया था। दोनों केंद्रों पर कुल 1306 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। सीबीएसई के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए.एस. गंगवार ने बताया कि परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण रही। केंद्राधीक्षकों, पर्यवेक्षकों, वीक्षकों और प्रशासन के सहयोग से परीक्षा का सफल संचालन किया गया। उन्होंने कहा कि कहीं से भी किसी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली। डॉ. गंगवार ने बताया कि डीपीएस बोकारो केंद्र पर कुल 843 विद्यार्थियों का पंजीकरण था, जिसमें से 804 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 39 अनुपस्थित रहे। वहीं, चिन्मय विद्यालय केंद्र पर 535 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 502 ने परीक्षा दी और 33 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने परीक्षा के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति आभार जताया। सीबीएसई ने सप्लीमेंट्री परीक्षा के माध्यम से कंपार्टमेंट श्रेणी में शामिल विद्यार्थियों को उत्तीर्ण होने का एक और अवसर दिया है। इसके अलावा वैसे छात्र-छात्राओं को भी मौका मिला, जो किसी विषय में अपना परिणाम बेहतर करना चाहते हैं। परीक्षा सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित की गई। इसमें अंग्रेजी कोर, हिंदी कोर, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, लेखांकन, व्यवसाय अध्ययन, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, भूगोल, इतिहास, कंप्यूटर विज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, सूचना अभ्यास, उद्यमिता, गृह विज्ञान, अनुप्रयुक्त गणित सहित कई मुख्य और व्यावसायिक विषय शामिल रहे।

विस्थापित आंदोलनकारियों के दस्तावेज सौंपे 15 अगस्त पर सम्मान देने का आश्वासन

बोकारो : झारखण्ड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा और झारखण्ड आंदोलनकारी युवा मोर्चा के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने आज अपराह्न 1:30 बजे उपायुक्त कार्यालय में जिला के उप-विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने 10 जुलाई 2026 को मोर्चा द्वारा आयोजित अनिश्चितकालीन आवास घेराव के संदर्भ में मांग एवं सभी दस्तावेज सौंपे और आंदोलनकारियों से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की। मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजदेव महथा ने उप-विकास आयुक्त को बताया कि आयोग द्वारा चिन्हित विस्थापित आंदोलनकारियों की सूचियाँ (881 एवं 425 नाम) जिला समाहरणालय में उपलब्ध हैं और समग्र संख्या 1306 है। उन्होंने अनुरोध किया कि 15 अगस्त 2026 को जिला मुख्यालय में आयोजित 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर इन आंदोलनकारियों का सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया जाए। उप-विकास आयुक्त ने इस बात का आश्वासन दिया कि स्वतंत्रता दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा और आंदोलनकारियों का सम्मान किया जाएगा। दस्तावेजों की समीक्षा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि विस्थापन की समस्या सात दशक पुरानी है और इन दस्तावेजों की समीक्षा कर विस्थापितों की वर्षों से लंबित समस्याओं का स्थायी समाधान निकालने की आवश्यकता है। उप-विकास आयुक्त ने कहा कि 15 अगस्त के बाद उपायुक्त की अध्यक्षता में एक बैठक बुलाकर विस्थापितों की समस्याओं के समाधान पर विचार किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने बोकारो जिले में बढ़ते पलायन का भी मुद्दा उठाया। बताया गया कि जिले में कई कल-कारखाने, फैक्ट्रियाँ और संसाधन होने के बावजूद लाखों युवा रोजगार के अभाव में अन्य राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं। मोर्चा ने शासन-प्रशासन से पलायन रोकने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के लिए कदम उठाने की मांग की। साथ ही क्षेत्र में फैली घुसखोरी और दलाल चौखटों के माध्यम से हो रहे भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की भी मांग की गई। आज के प्रतिनिधिमंडल में मोर्चा के केन्द्रीय अध्यक्ष विदेशी महतो, केन्द्रीय कोर कमिटी के सदस्य एवं जिला अध्यक्ष राजदेव महथा, युवा मोर्चा के केन्द्रीय अध्यक्ष ललीत नारायण, जिला सचिव परमेश्वर मंडल, आंदोलनकारी विक्की मौर्य और अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

एक नजर

पंचायत की योजनाओं की जांच पर उठा विवाद मुखिया ने जांच प्रक्रिया पर उठाए सवाल

हंटरगंज : हंटरगंज प्रखंड की तिलहेत पंचायत में 15वें वित्त आयोग की योजनाओं की जांच को लेकर नया विवाद सामने आया है। पंचायत की मुखिया सोनी देवी ने जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं पुनः जांच कराने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने बीडीओ को विस्तृत लिखित स्पष्टीकरण सौंपते हुए जांच प्रक्रिया को एकतरफा और नियमों के विपरीत बताया है। मुखिया सोनी देवी ने अपने आवेदन में कहा है कि वर्ष 2022 से 2026 के बीच पंचायत में संचालित विकास योजनाओं की जांच बिना उन्हें विधिवत सूचना दिए और उनकी अनुपस्थिति में की गई। उनका आरोप है कि जांच समिति ने पूर्वाग्रह के साथ कार्रवाई की तथा जांच प्रतिवेदन और संबंधित दस्तावेजों की प्रति भी उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे वे अपना पक्ष प्रभावी ढंग से नहीं रख सकीं। उन्होंने यह भी कहा कि पंचायत की योजनाओं का संचालन नियमानुसार पंचायत सचिव के माध्यम से किया जाता है। ऐसे में योजनाओं के क्रियान्वयन में मनमानी का आरोप पूरी तरह निराधार है। मुखिया ने स्पष्ट किया कि जांच के दौरान उनके पति को उनका प्रतिनिधि बताना भी गलत है, क्योंकि किसी मुखिया के लिए प्रतिनिधि के माध्यम से जांच में शामिल होने का कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं है। मुखिया ने बीडीओ से पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं तथ्यों के आधार पर दोबारा जांच कराने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि यदि जांच में किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित व्यक्ति पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायपूर्ण जांच प्रक्रिया पर पूरा विश्वास है और सच्चाई सामने आनी चाहिए। वहीं, इस मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी निखिल गौरव कमान कच्छप ने कहा कि पंचायत की जांच पूरी पारदर्शिता एवं नियमानुसार कराई गई है। उन्होंने बताया कि इस मामले में केवल मुखिया ही नहीं, बल्कि पंचायत सचिव से भी स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। सरकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चाहे वह जनप्रतिनिधि हो या सरकारी कर्मी, दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

लगातार बारिश से सारंडा में कच्चा मकान क्षतिग्रस्त

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश अब ग्रामीणों के लिए गंभीर संकट बनती जा रही है। मंगलवार को छोटानागरा पंचायत के दुबिल गांव निवासी रूइदास आईन्द का कच्चा मिट्टी का मकान बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गया। घर की एक पूरी किनारे की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य घर में मौजूद थे, लेकिन संयोगवश किसी को कोई चोट नहीं लगी और बड़ा हादसा टल गया। दीवार गिरने से मकान को भारी नुकसान पहुंचा है। परिवार का कहना है कि लगातार हो रही बारिश के कारण घर की बाकी दीवारें भी कमजोर हो चुकी हैं और उनके कभी भी ढहने का खतरा बना हुआ है। ऐसे में पूरा परिवार दहशत के माहौल में रहने को मजबूर है। बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है, जिसके कारण पीड़ित परिवार अपने घरेलू सामान के साथ किसी सुरक्षित स्थान पर भी नहीं जा पा रहा है।

चतरा के 17 लाभुकों को मिला ड्राइविंग लाइसेंस, उपायुक्त ने किया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : अपर सचिव, परिवहन विभाग, झारखंड, रांची के पत्रांक 170, दिनांक 24 जुलाई 2026 के आलोक में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम के तहत चतरा जिले के 17 चयनित लाभुकों को ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किया गया। समाहरणालय में आयोजित सांकेतिक कार्यक्रम में उपायुक्त रवि आनंद ने लाभुकों को ड्राइविंग लाइसेंस वितरित करते हुए उन्हें सुरक्षित, जिम्मेदार एवं यातायात नियमों के अनुरूप वाहन संचालन की शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि जमशेदपुर में इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च की स्थापना के लिए परिवहन विभाग, झारखंड एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर का राज्यस्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सभी जिलों में किया गया, जिसके तहत चतरा में भी चयनित लाभुकों को ड्राइविंग लाइसेंस वितरित किए गए। इस अवसर पर उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि प्रशिक्षित एवं जिम्मेदार चालक सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी लाभुकों से यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित वाहन संचालन करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी माहेश्वरी प्रसाद ने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा जिले के सभी प्रखंडों में 1 जुलाई से 25 अगस्त 2026 तक विशेष ड्राइविंग लाइसेंस शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक पत्थलगड़ा, चतरा, कुंदा, प्रतापपुर, हंटरगंज एवं कान्हाचट्टी प्रखंडों में शिविर लगाए जा चुके हैं, जिनमें 1,058 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 707 आवेदकों को लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि शेष प्रखंडों में भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विशेष शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक पात्र आवेदकों को ड्राइविंग लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम में जिला परिवहन कार्यालय के पदाधिकारी, कर्मचारी एवं लाभुक उपस्थित रहे।

प्लस टू गंगा स्मारक उच्च विद्यालय में नई प्रबंधन समिति का गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिद्धौर : गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय स्थित प्लस टू गंगा स्मारक उच्च विद्यालय में मंगलवार को विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृष्ण कुमार टिंकू ने की, जबकि संचालन पर्यवेक्षक एवं पीएम श्री मध्य विद्यालय के शिक्षक सिद्धेश्वर पांडेय ने किया। बैठक में बड़ी संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से अशोक कुमार पांडेय को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष तथा आईशा खातून को उपाध्यक्ष चुना गया। चयन के बाद दोनों नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। इसी क्रम में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, गिद्धौर में भी विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किया गया। यहां करमी देवी को अध्यक्ष तथा अनीता देवी को उपाध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा विद्यालय के विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वार्डन रीना देवी, बिंदु पोद्दार, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, अभिभावकों एवं अन्य गणमान्य लोगों की

गिद्धौर में भाजपा की रणनीतिक बैठक संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिद्धौर : गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय स्थित मां कौलेश्वरी मंदिर परिसर में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी गिद्धौर मंडल द्वारा प्रवासी कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष प्रेमचंद यादव ने की, जबकि संचालन मंडल महामंत्री प्रीतम कुमार यादव ने किया। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने, आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने तथा प्रवासी कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं से संगठन की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष एवं बैठक प्रभारी रूबी वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक नीतियों एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र कुमार कुशवाहा, पूर्व मंडल अध्यक्ष लखन दांगी, राजेंद्र दांगी, मंडल उपाध्यक्ष संतोष कुमार दांगी, मंडल महामंत्री अशोक कुमार गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि मनोज कुशवाहा, युवा मोर्चा अध्यक्ष बब्लू कुमार साव, मंडल मंत्री लालधारी यादव सहित भाजपा गिद्धौर मंडल के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का समापन संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

कान्हाचट्टी के स्कूलों में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन, विजय पासवान बने अध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कान्हाचट्टी : कान्हाचट्टी प्रखंड के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में मंगलवार, 28 जुलाई 2026 को विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया। निर्धारित प्रक्रिया के तहत नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं समिति सदस्यों का चयन किया गया। प्लस टू उच्च विद्यालय तुलबुल में प्रबंधन समिति का गठन अनिल कुमार की अध्यक्षता एवं पर्यवेक्षक विकास कुमार की देखरेख में संपन्न हुआ। इस दौरान 18 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। अध्यक्ष पद के लिए विजय पासवान एवं उषा देवी ने दावेदारी पेश की। गुप्त मतदान के माध्यम से हुए चुनाव में विजय पासवान को 14 मत प्राप्त हुए, जबकि उषा देवी को 4 मत मिले। बहुमत के आधार पर विजय पासवान को समिति का नया अध्यक्ष चुना गया। वहीं रूबी देवी को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इसी प्रकार उत्क्रमित मध्य विद्यालय करमा में मनोज कुमार यादव को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया, जबकि प्राथमिक विद्यालय चिल्हिया में मुकेश कुमार प्रजापति को अध्यक्ष बनाया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्षों एवं समिति सदस्यों ने विद्यालय के शैक्षणिक एवं विकासात्मक कार्यों को पूरी निष्ठा एवं पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने ग्रामीणों एवं समिति सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए मिलकर कार्य करने की बात कही। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेश कुमार, शशि कुमार, मुन्नी कुमारी, एनएम रंजू कुमारी, सुनील कुमार, प्रदीप कुमार पासवान, केदार पासवान, नंदकिशोर यादव, नरेश यादव, अजय यादव, गेंदो सिंह, घनश्याम प्रजापति, सुधीर प्रजापति सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

थाना प्रभारी प्रभात कुमार पुलिस लाइन भेजे गए एसपी अनिमेष नैथानी के आदेश के बाद क्षेत्र में चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हंटरगंज : पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने प्रशासनिक आदेश जारी करते हुए हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर पुलिस लाइन भेज दिया है। उनके स्थान पर नए थाना प्रभारी की नियुक्ति होने तक पुलिस निरीक्षक विपिन कुमार को हंटरगंज थाना का प्रभारी बनाया गया है। स्थानांतरण के बाद हंटरगंज क्षेत्र में प्रभात कुमार के कार्यकाल और उनकी कार्यशैली को लेकर व्यापक चर्चा हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ आम लोगों से जुड़े मामलों के त्वरित निष्पादन को प्राथमिकता दी। पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद एवं विश्वास कायम करने की दिशा में भी उन्होंने सक्रिय प्रयास किए। बताया जा रहा है कि राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों के दौरान शांति, सौहार्द एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने में उन्होंने समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। थाना परिसर को आम नागरिकों के लिए अधिक सुलभ बनाने, फरियादियों की समस्याएं सुनने तथा त्वरित कार्रवाई करने की कार्यशैली की भी स्थानीय स्तर पर सराहना होती रही। प्रभात कुमार को पुलिस लाइन भेजे जाने के बाद आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों के बीच उनके कार्यकाल को लेकर चर्चाएं तेज हैं। वहीं, सूत्रों के अनुसार उनके स्थानांतरण को लेकर एक हाई-प्रोफाइल मामले में की गई कार्रवाई और गिरफ्तारी की भी चर्चा क्षेत्र में हो रही है।

वन महोत्सव पर अखरा में चला पौधरोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुंदा : वन महोत्सव के अवसर परकुंदा प्रखंड क्षेत्र के अखरा में वन विभाग एवं सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसएसबी के जवानों, वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा स्थानीय ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरूआत पौधारोपण के साथ हुई। इस दौरान आम, नीम, बरगद, करंज सहित विभिन्न छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सहायक कमांडेंट अनिल चौरसिया ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में कम-से-कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह एक प्रभावी कदम होगा। उन्होंने कहा कि एसएसबी केवल देश की सीमाओं की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक दायित्वों का भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन कर रही है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा अपने आसपास के लोगों को भी वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने की अपील की गई। इस अवसर पर प्रभारी वनपाल दिवाकर कुमार दास, वनरक्षी रविशंकर कुमार, ललटू कुमार, मुरारी प्रजापति, सर्वजीत तिवारी, विकास उपाध्याय, एसएसबी के जवान एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सबकी योजना, सबका विकास' अभियान को लेकर पंचायत प्रतिनिधियों को मिला प्रशिक्षण

गिद्धौर : गिद्धौर प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभागार में मंगलवार को जीपीडीपी सबकी योजना, सबका विकास अभियान-2026 के अंतर्गत ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) 2026-27 के निर्माण हेतु आयोजित दो दिवसीय ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक कुमारी अनिता यादव एवं सुरेश प्रसाद राणा ने उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों, रोजगार सेवकों एवं जेएसएलपीएस की महिला सदस्यों को आगामी ग्रामसभाओं के आयोजन और विकास योजनाओं के निर्माण की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अगस्त 2026 से प्रत्येक पंचायत में ग्रामसभा आयोजित कर ग्रामीणों की सहभागिता से विकास योजनाओं का चयन किया जाएगा। प्रशिक्षकों ने कहा कि ग्रामसभा के दौरान ग्रामीणों की सभी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना जाए और उन्हें ग्राम पंचायत विकास योजना में शामिल किया जाए, ताकि स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं तैयार हो सकें। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से पारदर्शी एवं सहभागितापूर्ण तरीके से ग्रामसभा आयोजित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में द्वारी पंचायत के मुखिया जगदीश यादव, पहरा पंचायत की मुखिया बेबी देवी, बारीसाखी पंचायत की मुखिया सुमीरा देवी, पंचायत सचिव दिगंबर पांडेय, प्रियंका प्रिया, खुशबू लता, जनसेवक उज्ज्वल कुमार सिंह, रोजगार सेवक निर्मल दांगी, प्रदीप कुमार, पार्वती देवी तथा जेएसएलपीएस की बीआरपी बिजया रजक सहित दर्जनों महिला प्रतिनिधि एवं पंचायत कर्मी उपस्थित रहे।

नमामि गंगे योजना के तहत वृक्षारोपण व पर्यावरण संरक्षण का लिया गया संकल्प

सिमरिया : नमामि गंगे योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नई दिल्ली की त्रैमासिक जन-जागरूकता कार्ययोजना के तहत मंगलवार को विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर सिमरिया प्रखंड स्थित फल्गु नदी उद्गम स्थल पर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ग्रामीणों, फल्गु नदी उद्गम समिति के सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा उद्गम स्थल की साफ-सफाई से की गई। इसके बाद कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, सिमरिया की छात्राओं ने विद्यालय से फल्गु नदी उद्गम स्थल तक पर्यावरण संरक्षण जागरूकता रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता एवं हरित पर्यावरण का संदेश दिया। रैली के उपरांत उद्गम स्थल पर सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी चंद्रदेव प्रसाद ने उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई तथा प्रत्येक वर्ष कम-से-कम एक पौधा लगाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रमुख रोहन साहू, जिला परिषद सदस्य देवनंदन साहू, मुखिया नरेश साहू, जनप्रतिनिधियों, महिला समूहों के सदस्यों, विभिन्न विभागों के कर्मियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

इटखोरी के दो विद्यालयों में विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन

इटखोरी : इटखोरी प्रखंड क्षेत्र के राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, इटखोरी एवं राजकीय मध्य विद्यालय सौनिया में मंगलवार को विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन शांतिपूर्ण एवं सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। इस दौरान अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं समिति के अन्य सदस्यों का चयन किया गया। राजकीय कन्या मध्य विद्यालय में समिति गठन की प्रक्रिया रणधीर सिंह की अध्यक्षता तथा आदर्श मध्य विद्यालय, इटखोरी के शिक्षक प्रकाश कुमार यादव की देखरेख में संपन्न हुई। शिक्षा विभाग के निर्धारित मानकों के अनुसार अभिभावकों ने सदस्यों का चयन किया। सर्वसम्मति से बिंदेश्वरी सिन्हा को अध्यक्ष एवं सबिता देवी को उपाध्यक्ष चुना गया। चयन के बाद सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या आसमिन खातून, गीता देवी, दीपक पासवान, समीर कुमार, अजय पासवान, संजय भुइयां सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे। वहीं, राजकीय मध्य विद्यालय सौनिया में पंचायत समिति सदस्य पवन कुमार सिंह की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किया गया। सर्वसम्मति से राजीव नयन पांडेय को अध्यक्ष तथा सोनी कुमारी को उपाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा सच्चिदानंद पांडेय, सोनी देवी, प्रमिला देवी, सुनीता रवानी सहित अन्य सदस्यों का भी चयन किया गया। चुनाव के उपरांत धुन्ना पंचायत की मुखिया सोनी कुमारी एवं पंचायत समिति सदस्य पवन कुमार सिंह ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय के विकास एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक सतीश कुमार सिंह, सहायक शिक्षिका प्रियदर्शनी, शिक्षक सियाराम यादव, पर्यवेक्षक सुनील कुमार सिंह, वार्ड सदस्य सुनीता देवी, मुखिया प्रतिनिधि रामाशंकर पासवान, आशुतोष कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

लगातार मूसलाधार बारिश से जनजीवन बेहाल, कारो नदी उफान पर

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले में पिछले कई घंटों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। जिले के गुवा, सारंडा, बड़ाजामदा, किरीबुरू और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं, जबकि कई निचले इलाकों में जलभराव से बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं। लगातार हो रही बारिश से सड़क संपर्क बाधित हो गया है और लोगों की दैनिक गतिविधियां भी प्रभावित हुई हैं। गुवा के बोकना स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप कारो नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण नदी पर बने पुल के ऊपर करीब चार फीट ऊंचाई तक पानी बहने लगा। पुल पूरी तरह जलमग्न होने से गुवा-बड़ाजामदा-किरीबुरू-चाईबासा मार्ग पर आवागमन ठप हो गया। कई यात्री घंटों तक पुल पर पानी कम होने का इंतजार करते रहे, जबकि जरूरी कार्य से निकलने वाले लोगों को लंबा वैकल्पिक मार्ग अपनाना पड़ा।

कोर्स चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान

हर विद्यार्थी पढ़ाई के बाद अच्छी सैलरी, अच्छा पे-पैकेज चाहता है। मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उसे अपने सपने पूरे होते दिखाई देते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपकी मैथ्स, कॉमर्स और इकोनॉमिक्स जैसे विषयों में रुचि हो। इसके बाद ही कॉलेज सिलेक्ट करें, क्योंकि भारत में मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट्स की बाढ़-सी आई हुई है। इसलिए कहीं भी एडमिशन से पहले उसकी विश्वसनीयता परख लें कि वह एआईसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन) या यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन) से मान्यता प्राप्त है या नहीं। फैकल्टी के बारे में फर्स्ट हैंड इंफॉर्मेशन वहां के स्टूडेंट्स से हासिल करें। उनसे इंटर्नशिप और प्लेसमेंट की जानकारी भी लें। आंख मूंदकर सिर्फ कॉलेज की वेबसाइट पर भरोसा न करें।

कैसे करें सिलेक्शन

आम तौर पर 12वीं में विद्यार्थी साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स, जो भी स्ट्रीम सिलेक्ट करते हैं, उससे उनके आगे का करियर तय होता है। इसी आधार पर वे मेडिकल, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस, सीए, सीएस, एमबीए, होटल मैनेजमेंट, फैशन डिजाइनिंग आदि कोर्सेज में दाखिले की तैयारी करते हैं। यहीं स्टूडेंट्स को यह बताना और समझाना जरूरी हो जाता है कि वे किस आधार पर अमुक कोर्स या कॉलेज का चयन करें।

पैशन को पहचानें

आपका पैशन क्या है? आप क्या पढ़ना चाहते हैं? किन विषयों में आपकी रुचि है? इन सब पर ध्यान देते हुए ही करियर का चुनाव करें। पैशन को पहचानने का सही समय 10वीं से 12वीं तक होता है। समय पर निर्णय लेंगे, स्ट्रैटेजी, प्लानिंग के साथ आगे बढ़ेंगे, तो ऑप्शंस की कमी नहीं रहेगी।

दूर करें कंफ्यूजन

कभी भी करियर का फैसला आखिरी समय में न लें। इससे गलतियां होने की आशंका बढ़ जाती है। अगर कंफ्यूजन है, तो अपने टीचर, पैरेंट्स या सीनियर्स से मार्गदर्शन लें। चर्चा करने से समस्याओं का हल निकल आता है।

दोस्तों की नकल नहीं

हर विद्यार्थी की रुचि और क्षमता अलग होती है। किसी को मैथ्स अच्छा लगता है, किसी को पेंटिंग में मजा आता है, तो कोई डांसर बनना चाहता है। लेकिन जरूरी नहीं कि जो दूसरे कर रहे हों, आप भी वैसा ही करें। जबरन इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी में वक्त बर्बाद न करें।

बड़े काम की है फ्रीलांसिंग

आजकल अनेक प्रोफेशनल्स किसी कंपनी के एम्प्लॉयी के तौर पर कई-कई घंटे और वह भी असुविधाजनक समय पर, काम करने के बजाय फ्रीलांसर के तौर पर काम करना पसंद कर रहे हैं। अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए वे किसी कंपनी के ब्रांड नेम पर निर्भर रहने के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं।

यह बात खास तौर पर क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों पर लागू होती है, जैसे फोटोग्राफर, राइटर, कॉपी एडिटर, पेंटर, फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, कार्टूनिस्ट आदि। फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसे कई बंधनों से मुक्त हो जाते हैं, जो किसी कंपनी के रेगुलर एम्प्लॉयी के तौर पर आपको मानने पड़ते हैं।

काम के घंटे

फ्रीलांसर को 9 से 5 बजे तक ऑफिस में बैठकर काम नहीं करना होता। अगर आप सुबह देर से उठते हैं और रात देर तक काम करना चाहते हैं, तो फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसा कर सकते हैं। फ्रीलांसिंग में सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपनी सुविधा से अपना काम का समय चुन सकते हैं।

ऑफिस पॉलिटिक्स

हर ऑफिस में खेमेबाजी, राजनीति आदि होती ही है। कोई आपके काम का श्रेय लेने की फिराक में रहता है, कोई पीठ पीछे आपकी बुराई करता है। कई लोग ऐसे माहौल में असहज हो जाते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ काम नहीं कर पाते। अगर आप ऐसे लोगों में से हैं, जिन्हें इस तरह का माहौल कतई बर्दाश्त नहीं, तो फ्रीलांसिंग आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। यहां बस आप हैं और आपका काम है।

सैलरी

आपको मैनेजमेंट के साथ अपने वेतन और वेतनवृद्धि को लेकर मोलभाव नहीं करना होता। एक बार आपने खुद को फ्रीलांसर के तौर पर स्थापित कर लिया, तो आप जो उचित समझें, उतना पैसा डिमांड कर सकते हैं। अगर आपका नाम हो गया, तो क्लाइंट्स आपकी डिमांड के अनुसार पैसा देने को तैयार रहेंगे।

बॉस

नौकरी करते हुए केवल अच्छा काम करना ही पर्याप्त नहीं होता, आपको अपने बॉस को भी खुश रखना होता है। तभी आपके काम को पहचान (और आपको तरक्की) मिलती है। मगर फ्रीलांसर के सामने ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। अगर आप अपने काम से अपने क्लाइंट्स को संतुष्ट कर दें, तो आपको मार्केट में पहचान मिल जाएगी। फिर वह क्लाइंट तो दोबारा आपके पास आएगा ही, दूसरे क्लाइंट्स भी आपका नाम सुनकर आपसे संपर्क करेंगे। यदि अधिक ऑफर्स हों, तो आप अपनी पसंद से क्लाइंट्स चुन सकते हैं। ऐसे लोगों के लिए काम करना जरूरी नहीं होता, जिन्हें आप पसंद नहीं करते।

ऑफिस एटिकेट

ऑफिस में आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप एक खास तरह से खुद को प्रस्तुत करें। आपको अपने कपड़ों, अपनी बोलचाल, बॉडी लैंग्वेज आदि का लगातार ध्यान रखना होता है। जब आप फ्रीलांसर के तौर पर घर से ही काम करते हैं, तो आप चाहे जैसे कपड़े पहन सकते हैं, बीच में किसी से बिंदास गपशप भी कर सकते हैं। कुर्सी पर पैर चढ़ाकर काम करना चाहते हैं, तो इसके लिए भी यहां कोई आपको नहीं टोकेगा।

चुनौतियां भी कम नहीं

ऐसा नहीं है कि फ्रीलांसिंग में मजा ही मजा है। इसमें आपको मेहनत तो करनी ही होती है, साथ ही इसमें खतरा भी है। यहां आपको हर महीने तयशुदा दिन तयशुदा सैलरी नहीं मिलती। जब जितना काम किया, उस हिसाब से पैसे मिलेंगे। अपनी मार्केटिंग आपको खुद करनी होती है। नेटवर्किंग, पीआर, क्लाइंट मैनेजमेंट आदि अच्छा होने पर ही फ्रीलांसर के रूप में आप सफल रह सकते हैं। यह काम अपना बिजनेस चलाने की तरह ही है। अच्छा-बुरा जो भी हो, उसके लिए आप ही जिम्मेदार होते हैं बेहतर यही होगा कि जॉब छोड़ने से पहले आप फ्रीलांसिंग की दुनिया की जांच-परख कर लें। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है।

स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो समझदारी इसी में है कि आप एकाध साल गुजारा करने जितना पैसा अलग से सुरक्षित रखें। वैसे बेहतर यही होगा कि आप जॉब में रहते हुए फ्रीलांसिंग शुरू कर दें और यह काम जम जाने के बाद ही जॉब छोड़ें।

पर्सनल शॉपर को अपने क्लाइंट्स की जरूरत, पसंद-नापसंद, उनकी लाइफस्टाइल और शारीरिक बनावट का ख्याल रखते हुए खरीदारी करनी होती है।

शॉपिंग के साथ कमाई भी करें!

प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में संतुलन बनाते हुए अगर खुद ही शादी की शॉपिंग करनी पड़े, तो मुश्किल हो जाती है। खासकर जब आप लेटेस्ट फैशन ट्रेंड से पूरी तरह वाकिफ न हों और मन में उलझन हो कि कहीं आप आउटडेटेड न लगें! ऐसे में पर्सनल शॉपर की सेवाएं बड़ी काम आती हैं। जी हां, विदेशों में अक्सर प्रोफेशनल्स, सेलिब्रिटीज आदि पर्सनल शॉपर्स को हायर करते हैं।

इधर वेडिंग प्लानर, ग्रूमिंग एक्सपर्ट के बाद अब भारत में पश्चिम का यह ट्रेंड भी लोकप्रिय हो रहा है। यानी जिनके पास समय की कमी है, वे पर्सनल शॉपर्स की सेवा ले सकते हैं। अब अगर आप भी सामान्य के बजाय कोई 'हटकर'' और क्रिएटिव जॉब करना चाहते हैं, जिसमें आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ मजा भी आए, तो पर्सनल शॉपर एक शानदार विकल्प हो सकता है।

क्लाइंट्स की पसंद अहम

पर्सनल शॉपर को अपने क्लाइंट्स की जरूरत, पसंद-नापसंद, उनकी लाइफस्टाइल और शारीरिक बनावट का ख्याल रखते हुए खरीदारी करनी होती है। साथ ही, एक विश्वास कायम करना होता है कि वे उनकी सलाह को मानें और उनके कहे अनुसार कपड़े या एक्सेसरी खरीदें। उन्हें फैब्रिक, मटेरियल, कट्स और कलर्स की जानकारी भी रखनी होती है। तभी वे लोगों को सही सुझाव दे सकते हैं। जैसे दुल्हन की शॉपिंग के लिए एक निश्चित बजट निर्धारित होता है लेकिन मार्केट में बूटिक, कूटर स्टोर्स, डिजाइनर वेयर्स आदि इतने ऑप्शंस होते हैं कि उन्हें देखते हुए किसी का भी चकरा जाना स्वाभाविक है। ऐसे में एक पर्सनल शॉपर उन्हें सही खरीदारी के बारे में निर्णय लेने में मदद कर सकता है। ब्राइडल शॉपिंग में दुल्हन के अलावा मित्रों और रिश्तेदारों आदि के लिए भी उपहार आदि की शॉपिंग करनी होती है। इसलिए सबकी पसंद की जानकारी रखनी होती है।

क्वॉलिफिकेशन और स्किल्स

इस फील्ड में आने के लिए किसी विशेष एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन की दरकार नहीं होती। हालांकि फैशन डिजाइनिंग, रिटेल मैनेजमेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग आदि में एमबीए करने से फायदा होता है। इसके अलावा, आप पर्सनल शॉपिंग में ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स भी कर सकते हैं। एक पर्सनल शॉपर को काम के दौरान पहले क्लाइंट की पृष्ठभूमि के बारे में रिसर्च करनी होती है। वे कौन-सा ब्रांड पसंद करते हैं, उनका बजट कितना है आदि बातों पर गौर करना पड़ता है। इसके लिए वह क्लाइंट के साथ ईमेल, फोन द्वारा या फिर रूबरू संपर्क बनाए रखता है। हां, आपका अच्छा श्रोता होना जरूरी है। आपके पास क्रिएटिव और इनोवेटिव आइडियाज भी होने चाहिए। एक पर्सनल शॉपर को गोल ओरियेंटेड और सेल्फ मोटिवेटेड होना चाहिए। उसमें धैर्य, कम्युनिकेशन, सेल्स, एंटरप्रेन्योर और ऑर्गनाइजेशनल स्किल्स के साथ-साथ लचीलापन और आत्मविश्वास भी भरपूर होना चाहिए।

स्पेशलाइज्ड शॉपिंग

पर्सनल शॉपर्स गिफ्ट, क्लोदिंग, फूड, फर्नीचर, ज्वेलरी, खिलौने आदि किसी भी चीज की शॉपिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। ये बड़े बिजनेस घरानों के लिए डिजाइनर क्लोदिंग, होम फर्नीशिंग्स और दूसरे आइटम्स की शॉपिंग भी करते हैं। इन दिनों कई कंपनियां अपने क्लाइंट्स को गिफ्ट देने के लिए भी पर्सनल शॉपर्स की मदद लेने लगी हैं। वहीं कई वरिष्ठ नागरिक घरेलू सामान की खरीदी के लिए इनकी सहायता ले रहे हैं। इन सबके अलावा, पसर्नल शॉपर्स शादी समारोहों, बेबी शावर (गोद भराई), जन्मदिन पार्टी, वैलेंटाइन डे, त्योहारों आदि के लिए भी शॉपिंग करते हैं।

काम के अवसर

एक आम शख्स जब पर्सनल शॉपर को हायर करने के बारे में सोचता है, तो पहला ख्याल आता है कि उनकी सेवा सिर्फ एलिट क्लास ही ले सकती है। मगर आज भारत में जिस तरह रिटेल मार्केट बढ़ रहा है, लोगों की मानसिकता बदल रही है, क्रय क्षमता बढ़ रही है, ऐसे में बहुत-से वर्किंग प्रोफेशनल्स भी पर्सनल शॉपर्स को हायर करने लगे हैं। इसके अलावा, बड़े कॉर्पोरेट्स और ब्रांडिंग एजेंसीज अवॉर्ड शोज, कॉन्फ्रेंस आदि के लिए इनकी सेवाएं ले रही हैं। वैसे आप चाहें, तो किसी बूटिक, डिपार्टमेंटल स्टोर या शॉपिंग सेंटर में भी काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आम तौर पर पर्सनल शॉपर 25,000 रुपए से 1 लाख रुपए महीना कमा सकते हैं।

टेलिफोनिक इंटरव्यू देते समय अपनाएं ये तरीके

आजकल अक्सर कंपनियां नौकरियों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्ट-लिस्ट करने, इंटरव्यू का खर्च कम करने या फिर दूसरे शहरों के उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग के लिए टेलिफोनिक इंटरव्यू लेती हैं। जो भी हो, आखिरकार यह है तो जॉब इंटरव्यू ही और अगर आप ऐसा इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपके लिए यह अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि आपको केवल अपनी आवाज से ही इंटरव्यूअर को प्रभावित करना है। आपको यह भी लग सकता है कि टेलिफोनिक इंटरव्यू देना तो आसान है क्योंकि यहां आपको इंटरव्यू बोर्ड को अपने कपड़ों, बॉडी लैंग्जवेज आदि से इम्प्रेस नहीं करना लेकिन यह बात पूरी तरह सच नहीं है। चूंकि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता, सो वह आपके प्रत्येक जवाब का अधिक बारीकी से अध्ययन करेगा। ऐसे में हर सवाल का जवाब बिल्कुल सटीक होना जरूरी हो जाएगा। बेहतर यही होगा कि आप अपने टेलिफोनिक इंटरव्यू की अच्छी-खासी तैयारी कर लें। आम तौर पर उम्मीदवार को पहले से ही इंटरव्यू कॉल के दिन और समय के बारे में सूचित कर दिया जाता है। उस हिसाब से नियत दिन और समय पर तैयार रहें। अगर आपको अचानक ऐसे समय कॉल आ जाता है, जब आप किसी शोर-गुल वाली जगह पर या फिर बाथरूम में हैं, तो क्षमा मांगते हुए उनसे कहिए कि कृपया थोड़ी देर बाद कॉल करें। मगर ध्यान रखें, हो सकता है कि आपको त्वरित तौर पर इंटरव्यू देना ही पड़े, सो इसके लिए तैयार रहें।

इंटरव्यू से पहले

फोन इंटरव्यू कई लोगों के लिए डरावने भी हो सकते हैं क्योंकि आप सामने वाले को देख नहीं पाते और इंटरव्यूअर आपकी आवाज के टोन से आपके बारे में राय बनाएगा। कुछ तैयारी करके आप इस इंटरव्यू को आसान बना सकते हैं:

- अपना रेज्यूमे अपने सामने ही रखें।
- कागज और पेन तैयार रखें, ताकि कुछ नोट करने का काम पड़े तो यहां-वहां ढूंढना न पड़े।
- कंपनी के बारे में पहले से जानकारी एकत्र करके रखें। इंटरव्यू के दौरान यह जानकारी आपकी पहुंच के भीतर होना चाहिए।
- अपनी उपलब्धियों की सूची उदाहरण सहित तैयार रखें। टेलिफोनिक इंटरव्यू का यह एक बड़ा फायदा है कि आप लिखी हुई सूची में से पढ़कर सुना सकते हैं।
- यह सुनिश्चित कर लें कि इंटरव्यू के दौरान आपके आसपास कोई शोर-गुल या किसी तरह का व्यवधान न हो। बच्चे, मित्र या पालतू आकर आपको डिस्टर्ब न करें। रेडियो-टीवी बंद हो। आसपास कोई दूसरा फोन भी न हो, जो अचानक इंटरव्यू के बीच बज उठे।
- अपने फोन में कॉल वेटिंग को स्विच ऑफ कर लें, ताकि इंटरव्यू कॉल के दौरान व्यवधान न हो।
- अगर इंटरव्यू मोबाइल फोन पर दे रहे हैं, तो फोन को पहले ही पूरी तरह चार्ज कर लेना न भूलें।
- फोन पर इंटरव्यू देने की प्रेक्टिस करें और अपनी आवाज को रेकॉर्ड करके सुनें। उसमें जो भी कमी लगे, उसे सुधारने का प्रयास करें।
- माना कि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता लेकिन अगर आप इंटरव्यू के दौरान थोड़े फॉर्मल कपड़े पहनेंगे, तो इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा और आप प्रोफेशनलिज्म से इंटरव्यू दे पाएंगे।
- पानी का ग्लास जरूर अपने पास रखें।

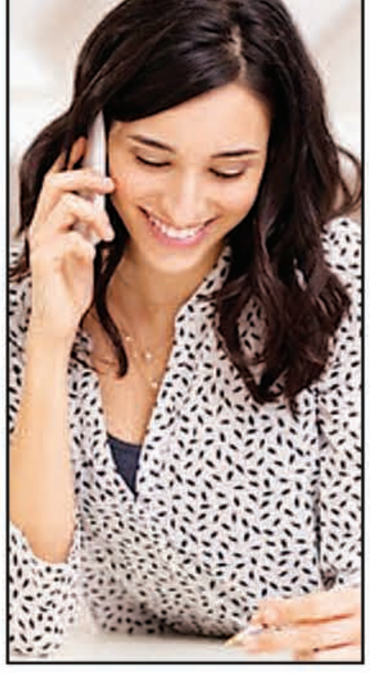

इंटरव्यू के दौरान

- कुछ भी खाएं या चबाएं नहीं। धूम्रपान भी कतई न करें।
- बिस्तर पर बैठकर बात न करें। इससे आपकी आवाज में एक इनफॉर्मल अंदाज झलक ही जाएगा, जो ठीक नहीं है।
- अगर किसी सवाल का जवाब देने के लिए आपको कुछ सोचना पड़े, तो अटपटी खामोशी न पसरने दें। स्पष्ट रूप से कहें कि आपको इसका जवाब सोचने के लिए कुछ क्षण चाहिए।
- बहुत तेज या जोर से न बोलें।
- बोलते समय मुस्कराते रहें। इंटरव्यूअर भले ही आपको देख न पाए लेकिन मुस्कराहट का प्रभाव आपकी आवाज में दिखाई दे जाएगा।
- शुरूआत में ही इंटरव्यूअर का नाम पूछ लें और इंटरव्यू के दौरान बार-बार उन्हें सम्मानपूर्वक नाम लेकर संबोधित करें।
- इंटरव्यूअर की बात कतई न काटें।
- इंटरव्यू की समाप्ति पर इंटरव्यूअर को धन्यवाद दें और चयन प्रक्रिया के अगले चरण के बारे में पूछ लें।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित सारांश जैन को पहली बार मौका, रवींद्र जडेजा की वापसी

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल और सारांश जैन।

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान एक बार फिर शुभमन गिल के हाथों में होगी, जबकि केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम में सबसे बड़ा आकर्षण मध्य प्रदेश के अनुभवी ऑफ स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन का पहली बार टेस्ट टीम में चयन है। 33 वर्षीय सारांश को वॉशिंगटन सुंदर के हैमस्ट्रिंग चोटिल होने के बाद मौका मिला है। घरेलू क्रिकेट और इंडिया ए के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। वहीं, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की भी टीम में वापसी हुई है। उन्हें जून में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच के लिए आराम दिया गया था। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज साई सुदर्शन को भी टीम में शामिल किया गया है, लेकिन दोनों का चयन बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से फिटनेस मंजूरी मिलने पर ही प्रभावी होगा। दूसरी ओर, चोट के कारण पुनर्वास कर रहे नितीश कुमार रेड्डी को टीम में जगह नहीं मिली है। भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा, जबकि दूसरा और अंतिम टेस्ट 23 अगस्त से एसएससी, कोलंबो में होगा। भारत ने पिछली बार 2017 में श्रीलंका का दौरा किया था, जहां उसने मेजबान टीम का 3-0 से सफाया किया था।

जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन का चयन फिटनेस मंजूरी के अधीन है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: अजय बाबू ने भारोत्तोलन में जीता रजत पदक

एजेंसी

ग्लासगो : राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के भारोत्तोलक वल्लुरी अजय बाबू ने भारतीय समयानुसार मंगलवार तड़के पुरुषों के 79 किलोग्राम भारवर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। बेहद रोमांचक मुकाबले में अजय बाबू लंबे समय तक स्वर्ण पदक की दौड़ में आगे रहे, लेकिन मलेशिया के मुहम्मद एरी हिदायत ने अंतिम प्रयास में खेलों का नया रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। अजय बाबू ने स्नैच स्पर्धा में 149 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाकर राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। दूसरे प्रयास में वह असफल रहे थे, लेकिन तीसरे प्रयास में उसी वजन को उठाकर उन्होंने शानदार वापसी की और स्नैच के बाद शीर्ष स्थान हासिल किया। क्लीन एंड जर्क में भी भारतीय खिलाड़ी ने लगातार तीनों प्रयास सफल किए। उन्होंने क्रमशः 174 किलोग्राम, 178 किलोग्राम और 181 किलोग्राम वजन उठाया। इस तरह उनका कुल वजन 330 किलोग्राम रहा और वह स्वर्ण पदक के बेहद करीब पहुंच गए। हालांकि मुकाबले के अंतिम क्षणों में मलेशिया के मुहम्मद एरी हिदायत ने 184 किलोग्राम वजन उठाकर नया खेल रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही उनका कुल वजन 331 किलोग्राम हो गया और उन्होंने मात्र एक किलोग्राम के अंतर से स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। अजय बाबू ने छह में से पांच प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए और स्नैच में नया खेल रिकॉर्ड भी बनाया, लेकिन उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इंग्लैंड के क्रिस मरे ने कुल 325 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक जीता।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 : सर्वेश कुशारे ने ऊंची कूद में जीता रजत, एथलेटिक्स में भारत का पहला पदक

एजेंसी

ग्लासगो : भारत के स्टार हाई जंप खिलाड़ी सर्वेश कुशारे ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा का रजत पदक जीत लिया। इसके साथ ही उन्होंने ग्लासगो खेलों में एथलेटिक्स में भारत का पहला पदक दिलाया। 31 वर्षीय सर्वेश ने फाइनल में 2.05 मीटर, 2.10 मीटर, 2.15 मीटर और 2.20 मीटर की ऊंचाई पहले ही प्रयास में सफलतापूर्वक पार की। इसके बाद उन्होंने 2.25 मीटर की ऊंचाई तीसरे प्रयास में पार कर रजत पदक लगभग सुनिश्चित कर लिया।

जमैका के रोमेन बेकफोर्ड ने भी 2.25 मीटर की ऊंचाई पार की, लेकिन उन्होंने यह ऊंचाई पहले प्रयास में ही पार कर ली थी। इसी आधार पर उन्हें स्वर्ण पदक मिला। इसके बाद दोनों खिलाड़ी 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने में तीनों प्रयासों में असफल रहे। इंग्लैंड के किमानी जैक ने 2.20 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

सर्वेश कुशारे शानदार फॉर्म में राष्ट्रमंडल खेलों में पहुंचे थे। उन्होंने 27 जून को भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय अंतर-राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इसके अलावा 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बनकर उन्होंने इतिहास भी रचा था, जहां उन्होंने छठा स्थान हासिल किया था।

भारत की ओर से इस स्पर्धा के फाइनल में तीन खिलाड़ी उतरे थे। हालांकि, तेजस्विन शंकर शुरूआती 2.05 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहने के बाद चोट के कारण मुकाबले से हट गए। इसके बावजूद बर्मिंघम 2022 के कांस्य पदक विजेता तेजस्विन पूरे मुकाबले के दौरान ट्रैक के किनारे मौजूद रहे और सर्वेश का उत्साह बढ़ाते रहे। भारत के एक अन्य खिलाड़ी जे. आदर्श राम भी फाइनल में शामिल थे।

सर्वेश कुशारे के इस रजत पदक के साथ भारत ने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में एथलेटिक्स में अपना पदक खाता खोल दिया, जिससे भारतीय दल की पदक उम्मीदों को नई मजबूती मिली।

शर्मिला ढांकर ने पैरा एथलेटिक्स में भारत को दिलाया पहला स्वर्ण, शिल्पा ने जीता कांस्य

एजेंसी

ग्लासगो : राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत की पैरा एथलेटिक्स टीम ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। भारतीय पैरा एथलीट शर्मिला ढांकर ने स्थानीय समयानुसार सोमवार को महिलाओं की शॉटपुट एफ57 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पैरा एथलेटिक्स में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। इसके साथ ही वह राष्ट्रमंडल खेलों में पैरा एथलेटिक्स में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला भी बन गईं। शर्मिला ने फाइनल में 9.81 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर शीर्ष स्थान हासिल किया और इतिहास रच दिया। एफ57 वर्ग उन खिलाड़ियों के लिए होता है, जिनके निचले अंगों में दिव्यांगता, अंगों की कमी या मांसपेशियों की शक्ति कम होती है। इसी स्पर्धा में भारत की शिल्पा के. शायला ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। शुरूआत में शिल्पा 7.26 मीटर के साथ चौथे स्थान पर थीं, लेकिन नाइजीरिया की यूकारिया इयियाजी का 8.19 मीटर का एकमात्र वैध थ्रो तकनीकी जांच के बाद फाउल घोषित कर दिया गया। इसके बाद शिल्पा तीसरे स्थान पर पहुंच गईं और उन्हें कांस्य पदक मिला। यह पहली बार है जब राष्ट्रमंडल खेलों की किसी एक पैरा एथलेटिक्स स्पर्धा में भारत ने दो पदक जीते हैं। शर्मिला के ऐतिहासिक स्वर्ण और शिल्पा के कांस्य ने भारतीय दल के लिए यादगार दिन बना दिया। इन दोनों पदकों के साथ भारत का कुल पदक आंकड़ा 10 पहुंच गया है, जिसमें दो स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। पदक तालिका में भारत फिलहाल आठवें स्थान पर है।

एक टीम, एक जज्बा : भारतीय खिलाड़ियों की हर जीत बन रही पूरे दल की प्रेरणा

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन केवल पदक तालिका तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे भारतीय दल के आत्मविश्वास और मनोबल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। किसी एक खिलाड़ी की सफलता दूसरे खिलाड़ी के लिए प्रेरणा बन रही है और यही भावना टीम इंडिया को एकजुट रखे हुए है।

भारतीय अभियान की शुरूआत पैरा पावर लिफ्टिंग में पदक से हुई, जिसके बाद भारोत्तोलन में शानदार प्रदर्शन, पैरा शॉटपुट में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक तथा एथलेटिक्स में रजत पदक ने टीम इंडिया के अभियान को नई गति दी। इन उपलब्धियों ने पूरे भारतीय दल के भीतर यह विश्वास मजबूत किया है कि सामूहिक प्रयास से बड़ी सफलताएं हासिल की जा सकती हैं। ओलंपिक चैंपियन मीराबाई चानू ने एक बार फिर भारोत्तोलन में भारत का नेतृत्व किया, जबकि ज्ञानेश्वरी देवी, बिंदिया रानी देवी और उनके साथियों ने राष्ट्रमंडल में भारत की मजबूत पहचान को और सुदृढ़ किया। इन खिलाड़ियों की सफलता ने केवल पदकों की संख्या नहीं बढ़ाई बल्कि पूरे भारतीय दल के आत्मविश्वास को भी नई ऊर्जा दी। एथलेटिक्स में सर्वेश कुशारे ने पुरुष ऊंची कूद में रजत पदक जीतकर भारतीय अभियान को और मजबूती दी। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में हासिल की गई उनकी सफलता ने एथलेटिक्स दल का उत्साह बढ़ाया है। अब सभी की निगाहें नीरज चोपड़ा, मुरली श्रीशंकर और तेजस्विन शंकर जैसे खिलाड़ियों पर हैं, जिनकी तैयारियों को भी साथी खिलाड़ियों की उपलब्धियां प्रेरित कर रही हैं। पैरा खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शॉटपुट में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। इन उपलब्धियों का पूरे दल ने समान उत्साह के साथ स्वागत किया, जिससे यह संदेश गया कि सक्षम और पैरा खिलाड़ी एक ही टीम इंडिया परिवार का हिस्सा हैं।

यूपीसीए स्पीड हंट से उत्तर प्रदेश में छिपी तेज गेंदबाजी प्रतिभाओं को मिल रहा बड़ा मंच : भुवनेश्वर कुमार

एजेंसी

लखनऊ : भारतीय क्रिकेट टीम और लखनऊ फाल्कन्स के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने यूपीसीए स्पीड हंट पहल की जमकर सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के कोने-कोने से उभर रही तेज गेंदबाजी प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें बड़े मंच तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि पिछले तीन सत्रों में यूपीटी-20 लीग ने शानदार सफलता हासिल की है और आने वाले वर्षों में इसका प्रभाव और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि स्पीड हंट की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इसने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से कच्ची लेकिन प्रतिभाशाली तेज गेंदबाजी क्षमता को सामने लाया है। उन्होंने शुभम गौतम जैसे खिलाड़ियों का उदाहरण देते हुए कहा कि बड़े अनुबंध हासिल करना इस बात का प्रमाण है कि अच्छा प्रदर्शन करने वालों के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि संघ युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतरीन मंच उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों को संदेश देते हुए कहा कि मैदान पर उतरने के बाद हर अवसर का पूरा लाभ उठाना और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना उनकी जिम्मेदारी है। भुवनेश्वर ने कहा कि यूपीटी-20 लीग के माध्यम से युवा क्रिकेटरों को आर्थिक मजबूती भी मिल रही है, लेकिन इसके साथ अपेक्षाएं भी बढ़ती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को सलाह दी कि सफलता का आनंद लें, लेकिन दबाव से दूर रहकर अपने खेल पर पूरा ध्यान केंद्रित करें। अनुभवी तेज गेंदबाज ने कहा कि यूपीटी-20 जैसी राज्य स्तरीय लीग अब युवा खिलाड़ियों के लिए आईपीएल तक पहुंचने का महत्वपूर्ण रास्ता बन चुकी हैं। पहले खिलाड़ियों के पास अवसर सीमित थे, लेकिन अब सैकड़ों क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कई खिलाड़ी यूपीटी-20 से सीधे आईपीएल तक पहुंचे हैं, जो नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। भुवनेश्वर कुमार ने इस बार टूर्नामेंट का आयोजन लखनऊ और कानपुर जैसे दो शहरों में कराने के फैसले का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में अलग-अलग शहरों में मैच आयोजित होने से अधिक से अधिक प्रशंसकों को अपनी टीमों से जुड़ने का अवसर मिलेगा और टूर्नामेंट की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। यूपीटी-20 लीग का चौथा संस्करण 14 अगस्त से शुरू होगा। उद्घाटन समारोह और पहला चरण भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेला जाएगा, जबकि दूसरा चरण, प्लेऑफ और फाइनल मुकाबले ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर में आयोजित होंगे। 24 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 34 मैच खेले जाएंगे, जिसमें 13 डबल-हेडर और 8 सिंगल-हेडर मुकाबले शामिल होंगे।

संक्षिप्त खबरें

डीपीएल सीजन-3: अनुज रावत बने पुरानी दिल्ली 6 के कप्तान

नई दिल्ली : आगामी दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) सीजन-3 से पहले पुरानी दिल्ली 6 फ्रेंचाइजी ने विकेटकीपर-बल्लेबाज अनुज रावत को टीम का कप्तान नियुक्त किया है। 31 जुलाई से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में अनुज रावत के नेतृत्व में टीम खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। घरेलू क्रिकेट और टी20 प्रारूप में नेतृत्व का अनुभव रखने वाले अनुज रावत अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं से सजी संतुलित टीम की कमान संभालेंगे। फ्रेंचाइजी ने उनके नेतृत्व पर पूरा भरोसा जताते हुए उन्हें टीम का आदर्श कप्तान बताया है। पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नांगिया ने कहा कि अनुज रावत एक सिद्ध खिलाड़ी हैं, जिनमें धैर्य, परिपक्वता और खेल की गहरी समझ है। उन्होंने कहा कि शीर्ष स्तर का उनका अनुभव और साथियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें टीम का सर्वश्रेष्ठ नेता बनाती है। फ्रेंचाइजी को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में टीम पूरे सीजन शानदार प्रदर्शन करेगी। आकाश नांगिया ने यह भी कहा कि टीम का गठन अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं के संतुलित मिश्रण के साथ किया गया है। खिलाड़ियों ने अभ्यास के दौरान शानदार प्रतिबद्धता दिखाई है और टीम के पास चैंपियन बनने की पूरी क्षमता है। पुरानी दिल्ली 6 अपने अभियान की शुरूआत 31 जुलाई को करेगी और अनुज रावत की कप्तानी में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए खिताब जीतने का प्रयास करेगी। पुरानी दिल्ली 6 टीम (डीपीएल सीजन-3) : ललित यादव, उधव मोहन, रजनीश दादर, रोहन राणा, आर्यन गौर, वनम अग्रवाल, अजय अहलावत, कुश नागपाल, दिग्वेश राठी, युग गुप्ता, कबीर सचदेवा, गौरव सरोहा, देव लाकड़ा, अनुज रावत (कप्तान), समर्थ सेठ, मोहक कुमार, यश कुमार, पंकज जसवाल, हर्षवर्धन फोगाट, अर्जुन रेक्सवाल, लक्ष्य वर्मा, प्रिंस मिश्रा, अश्विनी चिल्लर, आदित्य वर्मा और आदित्य मल्होत्रा।

सोनम उत्तम मस्कर और हिमांशु ढिल्लों ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता कांस्य

हांगझोउ : चीन के हांगझोउ में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन प्रतियोगिता में भारत की सोनम उत्तम मस्कर और हिमांशु ढिल्लों की जोड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश की झोली में एक और पदक डाला। दोनों ने फाइनल में कुल 441.2 अंक (220.6-220.6) हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में चीन की दोनों टीमों ने स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किए। भारतीय निशानेबाजों ने क्वालिफिकेशन राउंड में भी शानदार प्रदर्शन किया। सोनम (317.2) और हिमांशु (317.4) ने मिलकर 634.6 अंक जुटाए और फाइनल में जगह बनाई। वहीं एलावेनिल वलारिवन (316.8) और पार्थ राकेश माने (317.4) की दूसरी भारतीय जोड़ी ने 634.2 अंक के साथ फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। फाइनल में सोनम और हिमांशु ने संयमित प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक सुनिश्चित किया, जबकि एलावेनिल और पार्थ 378.8 अंक (एलावेनिल 190.5, पार्थ 188.3) के साथ चौथे स्थान पर रहे। पदक जीतने के बाद सोनम उत्तम मस्कर ने कहा कि यह प्रतियोगिता काफी चुनौतीपूर्ण रही और यह सफलता आगामी एशियाई खेलों तथा विश्व चैंपियनशिप के लिए उनका आत्मविश्वास बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि बड़े मंच पर मिला अनुभव भविष्य की प्रतियोगिताओं में काफी मदद करेगा। अपने करियर के पहले सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में उतरने वाले हिमांशु ढिल्लों ने इसे यादगार उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि कोच के मार्गदर्शन और अपने खेल पर भरोसा रखने से उन्हें सफलता मिली और पहला सीनियर विश्व कप पदक जीतना उनके लिए बेहद खास पल है। 23 वर्षीय महाराष्ट्र की सोनम उत्तम मस्कर इससे पहले 2024 में काहिरा विश्व कप और नई दिल्ली विश्व कप फाइनल में रजत पदक जीत चुकी हैं। वहीं हरियाणा के 20 वर्षीय हिमांशु ढिल्लों का यह पहला सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप पदक है। इससे पहले वह 2025 जूनियर विश्व कप और एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। इस कांस्य पदक के साथ हांगझोउ आईएसएसएफ विश्व कप में भारत के पदकों की संख्या चार हो गई है, जिसमें एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: आधिकारिक वेबसाइट की गलती से फैला भ्रम, हाई जंप फाइनल से बाहर हुए तेजस्विन

ग्लासगो : राष्ट्रमंडल खेल 2026 में सोमवार को पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा के फाइनल के दौरान भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर को लेकर आधिकारिक परिणाम वेबसाइट की बड़ी गलती से भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। वेबसाइट पर उन्हें डीएनएस (डिड नॉट स्टार्ट) दिखाया गया, जबकि लाइव प्रसारण में वह स्कॉट्सटाउन स्टेडियम में प्रतियोगिता के लिए मौजूद दिखाई दिए। शुरूआत में वेबसाइट की इस त्रुटि से ऐसा लगा कि भारत की ओर से फाइनल में केवल दो खिलाड़ी ही हिस्सा ले रहे हैं। हालांकि कुछ ही देर बाद तेजस्विन शंकर अपने साथी खिलाड़ियों सर्वेश कुशारे और जे. आदर्श राम के साथ मैदान पर नजर आए, जिससे स्पष्ट हो गया कि वेबसाइट पर डीएनएस दिखाया जाना तकनीकी गलती थी। तेजस्विन ने 2.05 मीटर की शुरूआती ऊंचाई से अपने अभियान की शुरूआत की, लेकिन पहले प्रयास में बार पार नहीं कर सके। प्रयास के बाद मैट पर उतरते समय उन्हें असहजता महसूस हुई और वह चोट से परेशान नजर आए। इसके बाद उन्होंने प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया और उनका हाई जंप फाइनल समय से पहले ही समाप्त हो गया। फिलहाल उनकी चोट की गंभीरता को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि इस चोट का असर राष्ट्रमंडल खेलों में उनकी आगामी डेकाथलॉन स्पर्धा में भागीदारी पर पड़ेगा या नहीं। तेजस्विन शंकर मौजूदा प्रतियोगिता में गत चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता के रूप में उतरे थे। उन्होंने बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था और ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने थे। साल 2026 तेजस्विन के लिए अब तक शानदार रहा है। उन्होंने फरवरी में एशियाई इंडोर चैंपियनशिप की हेप्टाथलॉन स्पर्धा में 5,993 अंकों के भारतीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद मई में फेडरेशन कप में 8,057 अंकों के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ डेकाथलॉन में 8,000 अंकों का आंकड़ा पार करने वाले पहले भारतीय एथलीट बने।

गुजरात में मेमू ट्रेन का इंजन पटरी से उतरा, बड़ा हादसा टला

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले में मंगलवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा टल गया। उमरगाम तालुका स्थित भिलाड रेलवे स्टेशन पर विरार से भरूच की ओर जा रही मेमू ट्रेन संख्या 19101 प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर पहुंचने से ठीक पहले दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सुबह 6 बजकर 27 मिनट पर घटी इस घटना में ट्रेन के फ्रंट डीएमसी यानी इंजन कोच के चार पहिए पटरी से नीचे उतर गए। अचानक हुए इस हादसे से स्टेशन परिसर और ट्रेन के भीतर सवार यात्रियों में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। राहत की बात यह रही कि इस डिरेलमेंट में किसी भी यात्री या रेलवे कर्मचारी को चोट नहीं आई है और सभी पूरी तरह सुरक्षित हैं। घटना के समय ट्रेन में बड़ी संख्या में दैनिक यात्री, मजदूर, नौकरीपेशा लोग और स्कूल-कॉलेज के छात्र सवार थे। ट्रेन के रुकते ही हड़बड़ाहट में यात्री डिब्बों से बाहर आ गए। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी दल तुरंत मौके पर पहुंचे। पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल डिवीजन के अनुसार, स्थिति को सामान्य करने के लिए वलसाड से एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (एआरटी) और मेडिकल इक्विपमेंट की टीमों को दुर्घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया। पटरी से उतरे डीएमसी कोच को दोबारा ट्रैक पर लाने का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। इस घटना के कारण मुंबई-अहमदाबाद मुख्य रेल मार्ग पर ट्रेनों का परिचालन आंशिक रूप से प्रभावित होने की संभावना व्यक्त की जा रही है, जिससे कुछ ट्रेनों की आवाजाही में देरी हो सकती है। रेलवे प्रशासन ने पटरी से उतरने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ट्रैक की स्थिति और इंजन की मैकेनिकल जांच कर रही है, जिसके बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

संसद परिसर में एनडीए सांसदों का प्रदर्शन, पंजाब के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन परिसर में मंगलवार को एनडीए सांसदों ने पंजाब में सामने आए कथित परीक्षा अनियमितता के मामले को लेकर प्रदर्शन किया। भाजपा और उसके सहयोगी दलों के सांसदों ने पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस के इस्तीफे की मांग करते हुए राज्य सरकार पर परीक्षा व्यवस्था में लापरवाही का आरोप लगाया। एनडीए सांसदों का कहना है कि पंजाब के फरीदकोट स्थित बाबा फरीद यूनिवर्सिटी में फार्मेसी परीक्षा के दौरान नकल का मामला सामने आया था, जिसने परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। इस मामले में पुलिस ने जांच के दौरान कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है। प्रदर्शन कर रहे सांसदों ने कहा कि जब देशभर में पेपर लीक और परीक्षा पारदर्शिता को लेकर गंभीर बहस चल रही है, ऐसे समय में राज्य सरकार को इस मामले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। दूसरी ओर, संसद के भीतर भी सार्वजनिक परीक्षाओं में अनियमितताओं को रोकने संबंधी संशोधन विधेयक पर चर्चा प्रस्तावित है।

ग्रेटर नोएडा में अवैध रुप से रह रहा चीनी नागरिक गिरफ्तार, आधार, पैन कार्ड भी बनवाए

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के नोएडा के थाना बीटा-दो पुलिस ने बीती रात अवैध रुप से देश में रह रहे एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। थाना बीटा-दो के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि बीती रात को एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने एनआरआई सिटी के पास से एक चीनी नागरिक सांग जियाओमी (38) को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि वह ग्रेटर नोएडा के एक सोसाइटी में रह रहा था। उन्होंने बताया कि जांच की गई तो पता चला कि वह एक साल के लिए 26 जून 2019 से 25 जून 2020 तक के वैध वीजा पर भारत आया था। उन्होंने बताया कि वीजा अवधि समाप्त होने के बाद वह अवैध रूप से भारत में रहने लगा। उन्होंने बताया कि उसने धोखाधड़ी करके वीजा खत्म होने के बाद भारत गणराज्य में फर्जी आधार कार्ड बनवाया। आधार कार्ड के आधार पर उसने पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज बनवा लिया। वह जेपी ग्रीन सोसायटी ग्रेटर नोएडा में रहने लगा। जांच में यह भी पता चला है कि इसने पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की रहने वाली एक युवती से शादी भी कर ली है। इसकी एक तीन साल की बेटी है, और यह अपनी पत्नी के नाम से कंस्ट्रक्शन कंपनी चलाता है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से गुप्तचर एजेंसिया गहनता से पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कहीं वह भारत में रहकर जासूसी तो नहीं कर रहा था।

सौरभ हत्याकांड पर बहस पूरी, आरोपी मुस्कान और साहिल सजा को लेकर चिंतित

जेलर से बार-बार करते हैं सवाल, अगर दोष हुए तो उन्हें कितनी मिलेगी सजा?

मेरठ (एजेंसी)। बहुचर्चित नीले ड्रम सौरभ हत्याकांड की बहस लगभग पूरी हो चुकी है और मामला अंतिम चरण में है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आने वाले दिनों में कोर्ट अपना फैसला सुना सकती है। इसी बीच मेरठ जिला जेल में बंद आरोपी मुस्कान और साहिल की बेचैनी भी लगातार बढ़ती जा रही है। जेल प्रशासन का कहना है कि जैसे-जैसे फैसले की घड़ी करीब आ रही है, दोनों आरोपियों की मानसिक स्थिति में बदलाव दिखाई दे रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेरठ जिला कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने बताया कि कोर्ट में बहस अंतिम चरण में पहुंचने के बाद दोनों आरोपी काफी चिंतित रहने लगे हैं। वे अक्सर सजा को लेकर सवाल करते हैं। खास तौर पर उनकी सबसे बड़ी चिंता यही रहती है कि कोर्ट का फैसला क्या होगा और अगर दोष सिद्ध होता है तो उन्हें कितनी सजा मिलेगी? जेल प्रशासन के मुताबिक दोनों आरोपियों की काउंसलिंग भी कराई जा रही है। जेल के डॉक्टर समय-समय पर उनकी मानसिक स्थिति की समीक्षा करते हैं ताकि वे तनाव की स्थिति से बाहर निकल सकें। जेल नियमों के तहत मानसिक स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है और दोनों को रोजाना परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। जेल सूत्रों के मुताबिक मुस्कान पिछले कुछ समय से धार्मिक गतिविधियों में भी ज्यादा समय बिता रही है। वह जेल में होने वाले भजन, कीर्तन और अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेती है। इस मामले से जुड़ी एक और चर्चा मुस्कान की बेटी को लेकर भी है। जेल अधिकारियों के मुताबिक पहले वह अपनी बच्ची को राधा नाम से पुकारती थी, लेकिन अब वह उसे मन्नत नाम से बुलाने लगी है। उधर साहिल भी फैसले को लेकर लगातार चिंता में है। जेल प्रशासन के मुताबिक वह भी कई बार अधिकारियों से बातचीत के दौरान मुकदमे की प्रोग्रेस और संभावित सजा के बारे में जानकारी लेने की कोशिश करता है।

कावेरी जल विवाद सुलझाने की पहल, सीएम थलपति करेंगे बड़ी बैठक

सालों साल पुराने मसले को सुलझाने की पहल शुरु

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय और कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच जल्द ही एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होने की संभावना है। कावेरी जल विवाद को लेकर बुलाई गई यह बैठक भारतीय राजनीति और अंतरराज्यीय संबंधों में बेहद चर्चा का विषय बनी हुई है। दरअसल, मुख्यमंत्री थलपति विजय का यह कदम तमिलनाडु के पिछले तीन दशक पुराने पारंपरिक रुख से पूरी तरह अलग है। इससे पहले तमिलनाडु हमेशा सीधी बातचीत के बजाय अदालती फैसलों, कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण और ट्रिब्यूनल के आदेशों पर ही निर्भर रहा है।

तमिलनाडु का लंबे समय से यह मानना था कि कावेरी विवाद केवल दो मुख्यमंत्रियों की मेज पर बैठकर नहीं सुलझ सकता। हालांकि, मुख्यमंत्री विजय इस लीक से हटकर 31 जुलाई से 3 अगस्त के बीच सीधी बातचीत का प्रस्ताव रख रहे हैं। यदि यह मुलाकात सफल होती है, तो पिछले 14 वर्षों में यह पहला अवसर होगा जब दोनों राज्यों के शीर्ष नेता आमने-सामने बैठकर इस संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा करेंगे। विजय का उद्देश्य कानूनी अधिकारों से समझौता किए बिना संकट के समय पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। इस वार्ता की मुख्य वजह तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा क्षेत्र में पैदा हुआ गंभीर जल संकट है। ट्रिब्यूनल के तय मानकों के अनुसार 1 जून से 23 जुलाई के बीच तमिलनाडु को करीब 32 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी मिलना चाहिए था, लेकिन उसे केवल 3.5 टीएमसी पानी ही प्राप्त हुआ है। पानी की भारी कमी के कारण डेल्टा क्षेत्र में फसलें सूखने की कगार पर हैं, जिससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। हालांकि, इस पहल को लेकर तमिलनाडु में विपक्षी दलों और किसान संगठनों ने कुछ आशंकाएं जताई हैं। आलोचकों का तर्क है कि सीधी बातचीत से कर्नाटक को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण को दरकिनार करने का मौका मिल सकता है या वह मेकेदातु डैम परियोजना पर तमिलनाडु का विरोध वापस लेने का दबाव बना सकता है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि नेताओं की वार्ता आपसी सौहार्द तो बढ़ा सकती है, पर यह सुप्रीम कोर्ट और ट्रिब्यूनल द्वारा तय अधिकारों का विकल्प नहीं बन सकती। राजनीतिक दृष्टिकोण से विजय के पास यह लाभ है कि कर्नाटक की सत्तासीन सरकार से उनके बेहतर संबंध हैं। हालांकि जल विवादों में अक्सर स्थानीय जनभावनाओं के आगे राजनीतिक रिश्ते पीछे छूट जाते हैं। यदि विजय इस बैठक से राज्य के लिए तुरंत पानी हासिल करने में सफल रहते हैं, तो यह उनकी बड़ी कूटनीतिक जीत होगी, अन्यथा विफल रहने पर आलोचक इसे राजनीतिक अपरिपक्वता कहेंगे।

लद्दाख और तवांग के पास चीन ने तैनात किए 11 स्टील्थ फाइटर जेट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के साथ संबंधों में सुधार का दिखावा करने वाला चीन अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब चीनी वायुसेना की बढ़ती गतिविधियों ने एक बार फिर उसकी मंशा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल ही में सामने आई सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि चीन ने भारतीय सीमा के पास स्थित अपने प्रमुख एयरबेस पर पांचवीं पीढ़ी के 11 जे-20 माइटी ड्रैगन स्टील्थ फाइटर जेट्स की तैनाती कर दी है। वैंटॉर द्वारा ली गई जून के अंत और जुलाई की शुरुआत की सैटेलाइट तस्वीरों में चीनी एयरबेस पर भारी सैन्य जमावड़ा देखा गया है। शिनजियांग के होटन एयरबेस पर 7 जे-20 फाइटर जेट्स रनवे के पास तैनात दिखे। यह एयरबेस भारतीय वायुसेना के रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण दौलत बेग ओल्डी एयरफील्ड से महज 245 किलोमीटर और लेह से लगभग 389 किलोमीटर की दूरी पर है। भारतीय सीमा के इतने करीब एक साथ इतने जे-20 जेट्स की मौजूदगी का यह पहला मामला है। इसके अलावा, तिब्बत के ल्हासा में स्थित डैम्सुंग एयरबेस पर भी चार जे-20 फाइटर जेट देखे गए हैं, जो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से केवल 344 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में है। चीन का जे-20 माइटी ड्रैगन रडार को चकमा देने में माहिर है और आधुनिक एईएसए रडार से लैस है। यह चीन का प्रमुख पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान है, जिसे रडार पर पकड़ना बेहद कठिन होता है। भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल राफेल जैसे उन्नत विमानों के बावजूद, भारत के पास वर्तमान में कोई स्टील्थ फाइटर जेट तैनात नहीं है। भारत अपने स्वदेशी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है, लेकिन इसे भारतीय वायुसेना में पूरी तरह शामिल होने में अभी कम से कम एक दशक का समय लगेगा। चीन लगातार अपने जे-20 जेट्स का उत्पादन बढ़ा रहा है। जहां साल 2019 में चीन के पास करीब 50 जे-20 थे, वहीं वर्तमान में इनकी संख्या 300 से अधिक हो चुकी है और 2030 तक इसके 1000 तक पहुंचने का अनुमान है। सीमा के पास चीन का यह घातक सैन्य जमावड़ा भारत की हवाई सुरक्षा और रणनीतिक तैयारियों के लिए एक गंभीर चुनौती पेश कर रहा है।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में बंधन बैंक के कुल बिजनेस में 11% की बढ़ोतरी

एजेंसी

मुंबई : बंधन बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे घोषित किए। बैंक का कुल कारोबार 11 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 3.2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया। कुल जमा राशि में रिटेल जमा का हिस्सा अब लगभग 74 फीसदी है। वित्त वर्ष 2026-27 में कारोबार में यह बढ़ोतरी बैंक के बढ़ते डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, बेहतर परिचालन दस्ता और उत्कर्षता की दिशा में निरंतर प्रयास का परिणाम है। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बैंक का शुद्ध मुनाफा 502 करोड़ रुपए रहा।

बंधन बैंक अब भारत के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 35 में लगभग 6,400 बैंकिंग आउटलेट्स के जरिए करीब 3.2 करोड़ ग्राहकों को सेवाएँ देता है। बैंक में काम करने वाले कर्मचारियों की कुल संख्या 74,500 से ज्यादा है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में बैंक ने अपने डिपॉजिट बेस में साल-दर-साल 7% की बढ़ोतरी दर्ज की है और अब डिपॉजिट बुक 1.65 लाख करोड़ रुपए की हो गई है। इसी अवधि में कुल एडवांसेज 1.56 लाख करोड़ रुपए तक पहुँच गए हैं। करंट अकाउंट और सेविंग्स अकाउंट (कासा) का अनुपात 29.4% है। वित्तीय स्थिरता के एक अहम पैमाना माना जाने वाला बैंक का कैपिटल एडिक्वेसी रेश्यो (सीएआर) 18.2 प्रतिशत के मजबूत स्तर पर है और रेगुलेटरी सीमा से काफी ऊपर है।

बैंक के बेहतर प्रदर्शन पर बात करते हुए, एमडी एवं सीईओ पार्थ प्रतिम सेनगुप्ता ने कहा, "वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही का हमारा प्रदर्शन बंधन बैंक की मजबूती, हमारी टीमों की प्रतिबद्धता और हमारे शेयरधारकों के हम पर निरंतर बने विश्वास को दर्शाता है। इसी गति को बनाए रखते हुए हम ग्राहक-केंद्रित तथा प्रौद्योगिकी-सक्षम विकास पर अपना ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। अपने वितरण नेटवर्क को सुदृढ़ बनाकर, उत्पादों की श्रृंखला का विस्तार करके तथा आँकड़ों पर आधारित विश्लेषण का प्रभावी उपयोग करते हुए हम अपने ग्राहकों और सभी हितधारकों के लिए अधिक मूल्य सृजित करने के साथ-साथ संतुलित, सतत और भविष्य के लिए तैयार विकास सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर अग्रसर हैं। बैंक अपने एसेट बेस में विविधता लाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसमें रिटेल पोर्टफोलियो को बढ़ाने पर रणनीतिक जोर दिया जा रहा है। कार्यक्षमता बढ़ाने, उत्पादकता में सुधार करने और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिजिटलीकरण में तेजी लाना प्राथमिकता बनी हुई है।

जो कोई भी कानून अपने हाथ में लेता है या ज्यादती करता है उस पर कार्रवाई हो

-सीजेपी प्रोटेस्ट से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के विरोध में कई दिनों तक दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन जारी रहा। सीजेपी ने नीट प्रदर्शन को लीड किया। इसके अगुवाई में 20 जुलाई को संसद मार्च था। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में भिड़ंत हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर बर्बर एक्शन का आरोप लगाया। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, जिस पर मंगलवार को सुनवाई हुई।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी प्रोटेस्ट से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जो कोई भी कानून अपने हाथ में लेता है या ज्यादती करता है, उसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी सवाल किया कि प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के आरोपों की निष्पक्ष जांच क्यों नहीं होनी चाहिए। 20 जुलाई को संसद की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारी छात्रों पर पेलेट गन के इस्तेमाल को लेकर विपक्ष लगातार विरोध कर रहा है। इसी मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि जिसने भी ज्यादती की है और कानून अपने हाथ में लिया है, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर तय नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो कानून को अपना काम करना चाहिए, साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए उन छात्रों को रिहा करने का निर्देश दिया, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

जंतर-मंतर पर हुए हंगामा मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा कि छात्र प्रदर्शन के दौरान 250 पुलिसकर्मियों पर हमले की भी जांच होनी चाहिए। पता लगाया जाए कि हमला छात्रों ने किया या असामाजिक तत्वों ने।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जांच का उद्देश्य सभी घटनाओं की सच्चाई सामने लाना और जिम्मेदार लोगों की पहचान करना होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने असम, मध्य प्रदेश, यूपी, दिल्ली समेत अन्य राज्यों में छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई मामले को एकसाथ जोड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आंदोलन में शामिल किसी भी छात्र के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की जाए। सभी की सुनवाई व्यापक स्तर पर एकसाथ की जाएगी। छात्र प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया लगाए गए आरोप एक हाई पावर जांच की मांग करते हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित जांच में पुलिसकर्मियों पर हुए हमलों के आरोपों की भी जांच की जाएगी।

हालांकि, कोई आदेश पारित करने से पहले सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार को अपना पक्ष हलफनामे के जरिए रखने का समय दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने संबंधित राज्य सरकारों को भी नोटिस जारी किया है, क्योंकि प्रस्तावित जांच में उन राज्यों में हुई हिंसा के आरोपों की भी पड़ताल की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि सभी पक्षों का जवाब मिलने के बाद मामले में आगे के आदेश पारित किए जाएंगे।

बीजेपी का धर्मेंद्र प्रधान का सम्मान करना ''लाखों बच्चों के भविष्य की बर्बादी का जश्न''

-राहुल गांधी ने कहा- प्रधान ''भ्रष्टाचार और भारत की बर्बाद शिक्षा व्यवस्था के प्रतीक हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि संसद परिसर में बीजेपी के सांसदों ने पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का सम्मान किया जाना ''लाखों बच्चों के भविष्य की बर्बादी का जश्न'' है। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधान ''भ्रष्टाचार और भारत की बर्बाद शिक्षा व्यवस्था के प्रतीक हैं और हमेशा रहेंगे।'' उन्होंने दावा किया कि इसी व्यवस्था ने 26 बच्चों की जान ली और लाखों युवाओं को सड़कों पर उतरने को मजबूर किया। उन्होंने कहा कि प्रधान को इस्तीफा भी ''नैतिकता से नहीं, युवाओं के आक्रोश से डरकर'' देना पड़ा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने कहा कि आज उसी व्यक्ति को संसद में बीजेपी माला पहना रही है। यह कोई सम्मान नहीं लाखों बच्चों के भविष्य की बर्बादी का जश्न मनाया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश का हर छात्र यह देख रहा है और इसमें शामिल हर चेहरे को याद रखेगा। उल्लेखनीय है कि प्रधान शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफे के बाद सोमवार को जब पहली बार संसद पहुंचे तो बीजेपी सांसदों उनका स्वागत किया। बिहार के दरभंगा से लोकसभा सदस्य गोपालजी ठाकुर ने उन्हें मिथिला की पारंपरिक टोपी और शॉल भी पहनाया गया।

सैमसंग ने पेश किए एआई से लैस स्मार्ट ग्लासेज, अब चश्मे के जरिए मिलेगा गैलेक्सी इकोसिस्टम का अनुभव

एजेंसी

नई दिल्ली : सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने लंदन में आयोजित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट के दौरान अपने नए इंटेलिजेंट आईवेयर पेश किए। गूगल आई/ओ में पेश किए गए कॉन्सेप्ट को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने इन्हें वैश्विक आईवेयर ब्रांड जेंटल मॉन्स्टर और वार्बी पार्कर के सहयोग से विकसित किया है। ये स्मार्ट ग्लासेज दिखाते हैं कि गैलेक्सी इकोसिस्टम अब सिर्फ स्मार्टफोन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी, कामकाज, यात्रा और अन्य हैंड्स-फ्री गतिविधियों का भी हिस्सा बनेगा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल एक्सपीरियंस बिजनेस के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर वॉन-जून चोई ने कहा, "एजेंटिक एआई मोबाइल अनुभवों को नई दिशा दे रहा है। अब अगला कदम इन अनुभवों को और सहज बनाना है, ताकि वे हर यूजर की जरूरत और परिस्थिति के अनुरूप काम कर सकें। स्मार्ट ग्लासेज इंटरैक्शन का एक नया माध्यम हैं, जो एआई आधारित व्यक्तिगत सहायता को स्वाभाविक रूप से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाते हैं। नया इंटेलीजेंट आईवेयर एक्सपीरियंस सैमसंग ने इन स्मार्ट ग्लासेज को रोजाना आराम से पहनने लायक डिजाइन किया है। इनमें हल्का फ्रेम, पतली बनावट और लंबी बैटरी लाइफ दी गई है। कंपनी के अनुसार, ये एक बार चार्ज करने पर करीब नौ घंटे तक काम करते हैं, जबकि चार्जिंग केस की मदद से इन्हें सात बार अतिरिक्त फुल चार्ज किया जा सकता है। स्मार्ट ग्लासेज में लगा इन-बिल्ट कैमरा यूजर के सामने मौजूद दृश्य को समझकर एआई को बेहतर संदर्भ उपलब्ध कराता है। वहीं, स्नैपड्रैगनfi एआर1 जेन1 प्लेटफॉर्म रियल-टाइम एआई प्रोसेसिंग को सपोर्ट करता है। इसके साथ ही टच कंट्रोल, बेहतर कनेक्टिविटी, कम बिजली खपत और प्रभावी हीट मैनेजमेंट जैसी सुविधाओं को कॉम्पैक्ट फ्रेम में ही शामिल किया गया है। गूगल में एंड्रॉयड इकोसिस्टम के प्रेसिडेंट समीर सामत ने कहा, "गूगल और सैमसंग की साझा सोच एआई को इस तरह लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाना है कि वह हर परिस्थिति में उपयोगी साबित हो। एंड्रॉयड एक्सआर प्लेटफॉर्म पर तैयार किए गए ये स्मार्ट ग्लासेज विश्वस्तरीय डिजाइन को जेमिनी की उन्नत एआई क्षमताओं के साथ जोड़ते हैं। यूजर जो देख रहा होता है, उसके अनुसार यह एआई स्वाभाविक रूप से प्रतिक्रिया देता है और पूरे दिन बिना हाथों का इस्तेमाल किए मदद उपलब्ध कराता है। इस अनुभव को जल्द से जल्द अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने को लेकर हम उत्साहित हैं।

पंजाब बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने की पीएम मोदी से मुलाकात, अहम मुद्दों पर की चर्चा

-पंजाब की जनता की भावनाओं और अपेक्षाओं को उन्होंने पीएम के समक्ष रखा

बरनाला(एजेंसी)। पंजाब बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लो ने नई दिल्ली में पीएम मोदी से शिष्टाचार भेंट कर पंजाब से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान राज्य के विकास, किसानों, उद्योग, बुनियादी ढांचे, युवाओं के लिए रोजगार, निवेश और संगठनात्मक गतिविधियों समेत कई विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस मुलाकात को पंजाब के विकास और केंद्र-राज्य समन्वय की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

बैठक में केवल सिंह ढिल्लो ने पीएम मोदी को पंजाब की वर्तमान परिस्थितियों से अवगत कराया और राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र सरकार से निरंतर सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पंजाब की प्रगति के लिए आधारभूत ढांचे को मजबूत करना, कृषि क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से जोड़ना, उद्योगों को प्रोत्साहन देना और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना समय की जरुरत है। उन्होंने पीएम मोदी को बताया कि पंजाब की जनता विकास, सुशासन और पारदर्शिता की अपेक्षा रखती है। राज्य में निवेश बढ़ाने, सड़क एवं परिवहन नेटवर्क को सुदृढ़ करने, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार के सहयोग से पंजाब विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

पीएम ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने, उद्योगों को प्रोत्साहन देने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू की जा रही हैं। उन्होंने राज्य के विकास से जुड़े सकारात्मक सुझावों पर गंभीरता से विचार करने का भरोसा भी दिया। ढिल्लो ने पीएम मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पंजाब की जनता की भावनाओं और अपेक्षाओं को उन्होंने पीएम के समक्ष रखा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और आम लोगों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी जनता के बीच रहकर उनके मुद्दों को सरकार तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी। पार्टी का लक्ष्य केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि जनसेवा और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को भी जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और उनके समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

जंतर-मंतर पर जुटी भीड़ की क्राइम प्रोफाइल तैयार, 101 पर हत्या तो 284 पर लूट-डकैती के केस सामने आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन स्थल और उसके आसपास मौजूद 2,873 लोगों के पुलिस सत्यापन में 989 व्यक्तियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया है। पुलिस के अनुसार, इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, बलात्कार, अपहरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध, अवैध हथियार और मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में संलिप्त रहे लोग शामिल हैं। यह सत्यापन 'चलो संसद' मार्च के दौरान हुई हिंसा और झड़पों के बाद शुरू किया गया।

पुलिस के मुताबिक, जांच में 101 लोग हत्या, 62 हत्या के प्रयास, 284 लूट और डकैती, 229 शस्त्र कानून, 135 झपटमारी, 19 अपहरण और 67 मादक पदार्थ संबंधी मामलों में पहले से आरोपित पाए गए। इसके अलावा 61 लोगों के खिलाफ बलात्कार, 25 के खिलाफ महिलाओं की लज्जा भंग या छेड़छाड़ तथा छह के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामले दर्ज मिले। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में 65 से अधिक प्रदर्शनकारी और 200 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए थे। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पैलेट गन के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। इसी घटनाक्रम के बाद प्रदर्शन स्थल और उसके आसपास मौजूद लोगों का विस्तृत सत्यापन किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि कई लोगों पर एक से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। हत्या के मामलों से जुड़े 101 लोगों में से 42 दो या उससे अधिक मामलों में शामिल रहे, जबकि 12 के खिलाफ 10 या उससे अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसी प्रकार हत्या के प्रयास के 62 आरोपितों में 25 के खिलाफ दो या अधिक मामले पाए गए। लूट और डकैती के मामलों में शामिल 284 लोगों में से 155 के खिलाफ दो या अधिक तथा 31 के खिलाफ 10 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज मिले। बलात्कार के मामलों में शामिल 61 लोगों में से आठ और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आरोपितों में छह के खिलाफ भी एक से अधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, मादक पदार्थ संबंधी मामलों में शामिल नौ लोगों का भी बहु-आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया। पुलिस के अनुसार, यह सत्यापन विभिन्न जिला पुलिस इकाइयों और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के उपलब्ध आपराधिक डेटाबेस तथा डोजियर रिकॉर्ड के आधार पर किया गया। अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य प्रदर्शन स्थल पर मौजूद लोगों की आपराधिक पृष्ठभूमि की पहचान करना और प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की जांच में सहायता करना था। पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस सत्यापन से प्राप्त निष्कर्ष हिंसा की जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाए जाएंगे।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वर पब्लिकेशन्स एलएलपी की ओर से एस एन प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातु, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नंदू कुमार सिंह, 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902